आज का विचार

खूबसूरत रिश्तों को संभाल कर रखना साहब... अगर यह खो गए तो गूगल से भी नहीं ढूंढ पाओगे।

दैनिक

सिटी दर्पण

आईना सच का

8

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ | बुधवार, 15 अप्रैल, 2026 वर्ष 24, अंक 90, मूल्यः 3 रुपए, पृष्ठ 8 RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 www.citydarpan.com

मान सरकार द्वारा बाबा साहिब के जन्म दिवस पर महिलाओं के कल्याण के लिए योजना की शुरूआत

'मांवां धीयां सतिकार योजना' के लिए रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट सौंपते हुए मुख्यमंत्री मान ने कहा, यह योजना बाबा साहिब को सच्ची श्रद्धांजलि है

सिटी दर्पण संवाददाता
आदमपुर (जालंधर)

बाबा साहिब अंबेडकर के जन्म दिवस के अवसर पर एक निर्णायक कल्याण अभियान की शुरूआत करते हुए, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज पंजाब में लगभग हर महिला के सशक्तिकरण के लिए एक योजना की शुरूआत की है, जिसके तहत प्रदेश भर की महिलाओं को 1000 से 1500 रुपये तक की मासिक वित्तीय सहायता दी जाएगी। इस योजना को बाबा साहिब अंबेडकर के सामाजिक न्याय और समानता के दृष्टिकोण के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि बताते हुए, मुख्यमंत्री ने रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया का शुभारंभ किया, जिसके तहत 18 वर्ष से अधिक उम्र की सभी महिलाएं केवल तीन दस्तावेजों के साथ इस योजना का लाभ ले सकती हैं, जबकि कैंपों और सहायक स्टाफ के एक विशाल नेटवर्क के माध्यम से महिलाओं को उनके घर पर ही सुविधा प्रदान करने की व्यवस्था की गई है।

यह योजना पहले 9 हलकों में शुरू की जाएगी और 15 मई से इसका विस्तार शेष 108 हलकों में किया जाएगा। योजना का भुगतान जुलाई से शुरू होगा और रजिस्ट्रेशन के लिए कोई समय सीमा नहीं होगी। इससे प्रत्येक पात्र महिला को लाभ की गारंटी प्रदान की गई है, चाहे वह कभी भी रजिस्ट्रेशन करवाए। 26,000 रजिस्ट्रेशन केंद्रों और हर गांव और वार्ड में तैनात समर्पित 'महिला सतिकार सखियों' के साथ, इस योजना को बड़े पैमाने पर लागू करने, बेहतर पहुंच सुनिश्चित करने और निश्चितता प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है, जो इसे देश में महिलाओं के लिए सबसे व्यापक प्रत्यक्ष वित्तीय सहायता पहलों में से एक बनाती है।

वरिष्ठ 'आप' नेता और पंजाब प्रभारी मनीष सिसोदिया के साथ मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने घोषणा की कि यह योजना पायलट आधार पर आदमपुर, मलोट, श्री आनंदपुर साहिब, दिड़बा, सुनाम, मोगा, कोटकपूरा, बटाला और पटियाला देहाती सहित 9 हलकों में शुरू की गई है। उन्होंने कहा, शेष 108 हलकों में महिलाओं के लिए रजिस्ट्रेशन 15 मई से शुरू होगा। जुलाई 2026 से 1000 या 1500 रुपये का मासिक भुगतान शुरू होगा।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने महिलाओं को पहुंच के बारे में आश्वस्त करते हुए कहा, पंजीकरण के लिए कोई समय सीमा नहीं है और महिलाओं को चिंता करने की जरूरत नहीं है क्योंकि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे 15 अप्रैल, 15 मई या 15 अगस्त को पंजीकरण करवाएं। उन्होंने आगे कहा कि देर से पंजीकरण करवाने से लाभों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। उन्होंने आगे कहा, उन्हें जुलाई के बाद अपना पूरा भुगतान मिलेगा, इसलिए चाहे वे सितंबर के अंत में पंजीकरण करवाएं, फिर भी उन्हें तीन महीने यानी जुलाई, अगस्त और सितंबर के लिए पूरा भुगतान मिलेगा।

दस्तावेज प्रक्रिया के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने कहा, पंजीकरण के लिए केवल तीन दस्तावेजों की आवश्यकता होती है, जिनमें पंजाब के पते वाला आधार, पंजाब का वोटर आईडी और बैंक पासबुक शामिल है। अनुसूचित जातियों की महिलाओं के मामले में अनुसूचित जाति प्रमाण पत्र भी आवश्यक है। जाति प्रमाण पत्र की कमी वाली महिलाओं की चिंताओं पर बात करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, मैं जानता हूं कि मेरी कई अनुसूचित जातियों की बहनों और माताओं के पास जाति प्रमाण पत्र नहीं है, लेकिन उन्हें चिंता करने की जरूरत नहीं है और उन्हें अपने जाति प्रमाण पत्र के लिए आवेदन करना चाहिए। उन्होंने कहा, अगर इसमें समय लग रहा है तो भी चिंता करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि वे प्रमाण पत्र के बिना भी इस योजना के तहत पंजीकरण कर सकते हैं और 1000 रुपये मासिक प्राप्त करना शुरू कर सकते हैं। जब भी उनका प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा, राज्य सरकार उन्हें जुलाई से 500 रुपये प्रति माह के बकाए का भुगतान करेगी। इस संबंध में चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। मुख्यमंत्री ने व्यापक कवरेज सुनिश्चित करने के लिए जमीनी स्तर पर एक पहुंच विधि की घोषणा की। उन्होंने कहा, 18 साल से अधिक उम्र की सभी महिलाओं की 100 प्रतिशत कवरेज सुनिश्चित करने और पंजीकरण प्रक्रिया में उनकी मदद करने के लिए पंजाब सरकार द्वारा राज्य भर के हर गांव और वार्ड में महिला सतिकार सखियों को तैनात किया जाएगा।

बंगाल में घुसपैठ, भ्रष्टाचार और भय का माहौल गंभीर चिंता का विषय: मोदी

कार्यकर्ताओं से संवाद के दौरान प्रधानमंत्री ने ममता बनर्जी को घेरा

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल के भाजपा बूथ कार्यकताओं के साथ नमो ऐप के माध्यम से संवाद करते हुए राज्य की कानून-व्यवस्था, भ्रष्टाचार, घुसपैठ और राजनीतिक हिंसा को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार के शासन में बंगाल में भय का वातावरण बन गया है, जहां आम नागरिक, महिलाएं और युवा खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन की शुरूआत बंगाल के लोगों को ह्यपोइला बैसाखह्ण और ह्यशुभो नबो बोरसोह्ण की शुभकामनाएं देकर की। उन्होंने कहा कि हाल के दौरों के दौरान उन्हें राज्य के हर हिस्से में भाजपा के प्रति लोगों का उत्साह और समर्थन देखने को मिला, जो बूथ स्तर के कार्यकताओं की कड़ी मेहनत का परिणाम है। उन्होंने कार्यकताओं की सराहना करते हुए कहा कि मेरा बूथ सबसे मजबूत का मंत्र जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू किया जा रहा है।

मोदी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में अपराध अपने चरम पर है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में हत्या, बलात्कार, दंगे और राजनीतिक हिंसा लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि ऐसे माहौल का सबसे अधिक असर महिलाओं और युवाओं पर पड़ता है, जिससे उनका भविष्य प्रभावित हो रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य के सरकारी कर्मचारियों को अपने बकाए के लिए अदालतों का सहारा लेना पड़ रहा है, जबकि किसान और व्यापारी भी टीएमसी के कथित सिंडिकेट राज से परेशान हैं। प्रधानमंत्री ने टीएमसी सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि लोगों ने इस पार्टी को वामपंथी शासन से मुक्ति पाने के लिए चुना था, लेकिन टीएमसी ने कथित रूप से उससे भी आगे बढ़कर अत्याचार किए हैं। उन्होंने कहा कि कट-मनी की संस्कृति ने भ्रष्टाचार को संस्थागत रूप दे दिया है और राज्य में हर स्तर पर लूट का माहौल बना दिया है। घुसपैठ के मुद्दे पर प्रधानमंत्री ने कहा कि यह समस्या अब केवल सुरक्षा का नहीं, बल्कि जनसांख्यिकी (डेमोग्राफी) का भी विषय बन गई है। उन्होंने दावा किया कि कई क्षेत्रों में जनसंख्या संरचना में बदलाव देखा जा रहा है, जिससे स्थानीय संस्कृति और भाषा पर असर पड़ रहा है।

कार्यकर्ता अपने बूथों के अपराधों की सूची तैयार करें

प्रधानमंत्री ने आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज और संदेशखाली की घटना का जिक्र करते हुए बूथ कार्यकताओं को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने बूथ क्षेत्रों में हुए अपराधों की सूची तैयार करें और जनता को इसके पीछे के कारणों से अवगत कराएं। उन्होंने आरोप लगाया कि टीएमसी के नेताओं के संरक्षण में असामाजिक तत्व सक्रिय हैं और पुलिस व्यवस्था भी प्रभावित है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों को सच्चाई से अवगत कराएं। महिलाओं के साथ विशेष संवाद पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि छोटी-छोटी बैठकों के माध्यम से उन्हें जागरूक किया जाए। उन्होंने सुझाव दिया कि पूर्व में हुई घटनाओं से संबंधित वीडियो दिखाकर लोगों को याद दिलाया जाए कि सत्ता में आने के बाद किस तरह का व्यवहार देखने को मिला था। प्रधानमंत्री ने भाजपा के घोषणापत्र को व्यावहारिक और जनहितकारी बताते हुए कार्यकताओं से इसे गहराई से समझने और आम जनता तक पहुंचाने की अपील की। उन्होंने कहा कि इसमें युवाओं, महिलाओं और राज्य के समग्र विकास के लिए कई महत्वपूर्ण बिंदु शामिल हैं। उन्होंने कार्यकताओं से कहा कि वे इन योजनाओं को सरल भाषा में समझाकर लोगों तक पहुंचाएं। उन्होंने यह भी कहा कि देश के जिन राज्यों में भाजपा या एनडीए की सरकार है, वहां विकास योजनाएं तेजी से लागू हो रही हैं और लोगों को बिना किसी भेदभाव के लाभ मिल रहा है। इसके विपरीत, उन्होंने आरोप लगाया कि बंगाल में केंद्र सरकार की योजनाओं को लागू नहीं होने दिया जा रहा है, जिससे गरीबों, किसानों और युवाओं को नुकसान हो रहा है।

परिवार सबसे बड़ी पूंजी, मिल-बैठकर हल करें पारिवारिक समस्याएं : योगी

एजेंसी (हि.स.)
लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सदैव कहते हैं कि 25 करोड़ प्रदेशवासी ही मेरा परिवार है। सोमवार को उन्होंने परिवार के मुखिया के रूप में इसे चरितार्थ भी किया। ह्यजनता दर्शनह्ण में आए प्रत्येक नागरिक से उन्होंने स्वयं मुलाकात की। सभी की शिकायतें सुनीं और समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए अफसरों को निर्देश भी दिए। इस दौरान कई शिकायतें पारिवारिक विवाद से जुड़ी आईं, जिस पर मुख्यमंत्री ने सभी को समझाया और कहा कि परिवार सबसे बड़ी पूंजी होती है। समझदारी से पारिवारिक मामले मिल-बैठकर सुलझाएं। विश्वास करिए, बिखरने के बजाय परिवार एकजुट हो जाएगा और वर्तमान के साथ भावी पीढ़ी भी एक रहेगी।

मुख्यमंत्री ने शिकायत लेकर पहुंचे लोगों को समझाया, घर के मामले घर में ही सुलझाना बेहतर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पारिवारिक विवादों से जुड़ी सभी शिकायतों को गंभीरता से सुना। फिर शिकायत लेकर आए लोगों ने कहा कि पारिवारिक झगड़ों में पुलिस-प्रशासन की सहायता लेना अंतिम विकल्प ही होना चाहिए। हमारे समाज में परिवार से बड़ी कोई पूंजी नहीं होती। यही हमारी सबसे बड़ी ताकत भी है। श्रेयस्कर यही है कि घर के मामले घर में ही सुलझ जाएं। गलती परिवार के किसी भी सदस्य से हो सकती है, लेकिन थोड़ा समझदारी से काम लेंगे तो परिवार बिखरने से बच जाएगा। परिवार में थोड़ा झुकने से सम्मान कम नहीं होता। परिवार रूपी पूंजी को हर हाल में संभाल कर रखें। कोई भी दिक्कत है तो परिवार के बड़ों के साथ मिल-बैठकर हल करें। यदि किन्हीं कारणों से विवाद हल नहीं होता तो अंतिम विकल्प के रूप में शासन, प्रशासन या पुलिस की सहायता लें।

तत्परता व संवेदनशीलता से हो जन समस्याओं का समाधान

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता की हर समस्या का समाधान सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने अधिकारियों को भी निर्देशित किया कि जन समस्याओं का समाधान तत्परता व संवेदनशीलता के साथ कराया जाए। इसमें शिथिलता या लापरवाही अक्षम्य है। हर समस्या का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी और संतुष्टिपरक होना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं होना चाहिए। किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले और कमजोरों को उजाड़ने वाले किसी भी सूरत में बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

टीएमसी ने बंगाल में खत्म किया उद्योग और रोजगार : राहुल गांधी

एजेंसी (हि.स.)
मालदा

कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल के मालदा में चुनावी जनसभा में तृणमुल कांग्रेस (टीएमसी) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर जमकर हमला बोला। उन्होंने तृणमुल पर प्रदेश में गुंडाराज चलाने का आरोप लगाया।

मालदा के चांचल स्थित कलम बागान में आयोजित जनसभा में राहुल ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस के शासन में राज्य में उद्योग और व्यापार खत्म हो गया है। उन्होंने पांच लाख नौकरियों के वादे को झूठा बताते हुए दावा किया कि हजारों युवा रोजगार के इंतजार में है। उन्होंने कहा कि तृणमूल सिर्फ अपने संगठन के हित में काम कर रही है और राज्य में कानून-व्यवस्था बिगड़ चुकी है। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा हिंसा फैलाती है, जबकि यहां तृणमूल कांग्रेस हिंसा फैलाने का काम करती है।

राहुल गांधी ने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा के लोग नफरत फैलाने में लगे हैं। वहीं हम कहते हैं कि देश में एकता होनी चाहिए, भाईचारा होना चाहिए, नफरत मिटनी चाहिए। उन्होंने अपनी भारत जोड़ो यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि उनका मुकाबला नफरत की राजनीति से है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि भाजपा का मुकाबला टीएमसी नहीं कर सकती है। सिर्फ कांग्रेस पार्टी ही भाजपा के खिलाफ खड़ी हो सकती है और उसे हरा सकती है। उन्होंने कहा कि यहां एसआईआर के नाम पर वोट चोरी की जा रही है, लेकिन टीएमसी इसे नहीं रोक सकती। सिर्फ कांग्रेस ही इसे रोक सकती है।

उन्होंने वादा किया कि अगर कांग्रेस सत्ता में आती है तो कई जनकल्याणकारी योजनाएं लागू की जाएंगी। इनमें सभी के लिए दस लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा, कैंसर मरीजों का मुफ्त इलाज, किसानों को 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली और सालाना 15 हजार रुपये की सहायता शामिल है। महिलाओं को हर महीने 2000 रुपये देने और शिक्षा को मुफ्त करने का भी आश्वासन दिया गया।

लक्ष्य और संकल्प के साथ किया गया परिश्रम बाधाओं को दूर करता है : ओम बिरला

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को यहां कहा कि लक्ष्य और संकल्प के साथ किया गया परिश्रम न केवल बाधाओं को मिटाता है बल्कि सफलता का मार्ग भी खोलता है।

ओम बिरला ने दिल्ली स्थित कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में लेडेक्स और आइकन एजुकेशन फाउंडेशन की ओर से डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर आयोजित ₹एलीना और महान संविधान (बाल संविधान) पुस्तक लोकार्पण के दौरान यह बात कही। इसकी टैगलाइन 'बाल संविधानः बचपन से पढ़े संविधान तो देश बने महान' है जो इंदौर इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ ने दी है।

इस पुस्तक श्रृंखला का उद्देश्य बचपन से ही बच्चों में संवैधानिक मूल्यों और नागरिक कर्तव्यों के प्रति जागरूकता पैदा करना है ताकि एक सशक्त और महान राष्ट्र का निर्माण हो सके।

मुख्य अतिथि के रूप में बिरला ने कहा, ₹बाबासाहेब की यात्रा आने वाली पीढ़ी को हमेशा प्रेरणा देती रहेगी कि जीवन में कितनी ही विपरीत परिस्थितियां हों, कितनी भी चुनौतियां हों कितना भी घनघोर अंधेरा हो जब लक्ष्य और संकल्प के साथ काम किया जाता है तो चुनौतियां भी समाप्त होती हैं और अंधेरा भी समाप्त होता है। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने सामाजिक न्याय के सिद्धांतों को रखते हुए संविधान सभा की प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में एक ऐसा संविधान बनाया जो हम सबका मार्गदर्शक है और दुनिया के संसदीय लोकतंत्र के लिए मार्गदर्शक है। अध्यक्ष ने कहा कि लोकतंत्र की आत्मा हमारा संविधान है। आज लोगों के जीवन को नैतिक अधिकार, न्याय का अधिकार देने का काम हमारे संविधान में निहित है। एक सामान्य अंतिम पड़ाव का व्यक्ति भी न्याय का समान अधिकार रखता है, मत का समान अधिकार रखता है और एक मानवीय जीवन जीने का अधिकार रखता है। ये समानता उनके जीवन का मूल रही क्योंकि उन्होंने असमानता देखी थी और यही भारत की ताकत बनी।

रक्षा क्षेत्र की नई चुनौतियों को परास्त करने की दक्षता हासिल करें: राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू

एजेंसी (हि.स.)
गांधीनगर

भारत की राष्ट्रपति (श्रीमती) द्रौपदी मुर्मु ने रक्षा क्षेत्र का अध्ययन करने वाले युवाओं से आह्वान किया है कि वे नए दौर की चुनौतियों का निदान करने की दक्षता हासिल करें। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में सुरक्षा परिदृश्य और जटिल होता जाएगा। कुछ वर्ष पहले तक हम डिजिटल अरेस्ट (आभासी गिरफ्तारी), साइबर क्राइम (साइबर अपराध), फिशिंग अटैक्स (धोखाधड़ी वाले हमले) जैसे शब्दों से परिचित नहीं थे। लेकिन ये आज बहुत बड़े खतरे के रूप में हमारे सामने हैं। ऐसी परिस्थिति में राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय जैसे संस्थानों का महत्व और उत्तरदायित्व बढ़ जाता है।

राष्ट्रपति ने दो दिवसीय गुजरात दौरे के समापन से पूर्व गांधीनगर स्थित राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में को संबोधित करते हुए सुरक्षा की नई चुनौतियों के प्रति आगाह किया। इस अवसर पर भारत के चर्चित राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल को विश्वविद्यालय ने डाक्टरेट की मानद उपाधि से भी सम्मानित किया। राष्ट्रपति ने उन्हें यह सम्मान प्रदान करते हुए उनकी बधाई दी।

अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने कहा कि देश की प्रगति और विकास के लिए आंतरिक सुरक्षा अनिवार्य है। हम जैसे-जैसे वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य की ओर बढ़ेंगे, वैसे-वैसे देश के आंतरिक सुरक्षा तंत्र के सुचारु संचालन के लिए दक्ष एवं कुशल प्रोफेशनल्स (पेशेवरों) की आवश्यकता बढ़ेगी। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय इस दिशा में आवश्यक कदम उठा रहा है।

राष्ट्रपति ने उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों से कहा कि देश को वर्तमान में और भविष्य में ऐसे पुलिस अधिकारियों की आवश्यकता है जो साइबर धोखाधड़ी करने वाले अपराधियों को पकड़ने और सजा दिलाने में तकनीकी रूप से सक्षम एवं दक्ष हों। ऐसे फोरेंसिक एक्सपर्ट्स की आवश्यकता है जो न्यायालयों की कसौटी पर खरा उतरने वाले साक्ष्य उपलब्ध करा सकें। ऐसे कंपीटेंट प्रोफेशनल्स (सक्षम पेशेवरों) की आवश्यकता है जो जियो-पॉलिटिक्स (भू-राजनीति) की बारीकियों को समझ सकें और भारत की बात को विश्व-पटल पर आत्मविश्वास एवं स्पष्टता से रख सकें।

उन्होंने आगे कहा कि आप सब ऐसे समय में उपाधि प्राप्त कर रहे हैं जब राष्ट्रीय सुरक्षा की अवधारणा में बहुत अधिक परिवर्तन हो गया है। कुछ समय पहले तक आंतरिक सुरक्षा का अर्थ केवल भू-भाग, सैनिकों और पारंपरिक हथियारों के संदर्भ में आंकलन किया जाता था। लेकिन अब सुरक्षा में प्रौद्योगिकी, साइबर सिक्योरिटी (साइबर सुरक्षा), डेटा (जानकारी) की सुरक्षा, तटीय सुरक्षा, कूटनीति आदि भी समान रूप से महत्वपूर्ण हो गए हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि आप सभी ने जो भी क्षेत्र चुना है उसके आप सुविज्ञ एवं प्रवीण प्रोफेशनल (पेशेवर) माने जाएंगे।

राष्ट्रपति ने कहा कि राष्ट्र की शक्ति और सुरक्षा सुरक्षा बलों के साहस एवं पराक्रम पर तो निर्भर है ही, यह सुरक्षा के लिए आवश्यक अस्त्रों एवं शस्त्रों की गुणवत्ता, उत्पादन, प्रशिक्षण और प्रौद्योगिकीय आत्मनिर्भरता पर भी निर्भर है। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता जताई कि वर्तमान सरकार निरंतर इस दिशा में प्रयत्नशील है। सरकार ने स्वदेशी क्षमता और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देकर रक्षा के क्षेत्र में विश्वास पैदा किया है।

लोकतांत्रिक संस्थान संवाद, बहस और रचनात्मक चर्चा से ही चलें: उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने कहा है कि लोकतांत्रिक संस्थानों को सुचारु रूप से चलाने के लिए संवाद, बहस और रचनात्मक चर्चा अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि संसदीय कार्यवाही का उद्देश्य निर्णय तक पहुंचना होना चाहिए, न कि व्यवधान उत्पन्न करना। उपराष्ट्रपति ने मंगलवार को बी.आर. अंबेडकर की जयंती के अवसर पर डॉ. अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र में आयोजित द्वितीय डॉ. आंबेडकर स्मृति व्याख्यान में ह्लडॉ. आंबेडकर एक राष्ट्र निमार्ताः विकसित भारत की ओर पथह्ण विषय पर संबोधन दिया। इससे पूर्व उन्होंने डॉ. आंबेडकर को पुष्पांजलि अर्पित की। संवैधानिक नैतिकता के महत्व पर जोर देते हुए, उपराष्ट्रपति ने राज्यसभा के सभापति के रूप में अपनी भूमिका पर विचार करते हुए कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं को संवाद, बहस और रचनात्मक चर्चा के माध्यम से कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि संसदीय चचार्ओं का परिणाम व्यवधानों के बजाय निर्णयों के रूप में आना चाहिए, और इस बात पर जोर दिया कि यह चचार्एं जानकारीपूर्ण और सम्मानजनक होनी चाहिए। उन्होंने डॉ. अंबेडकर को आधुनिक भारत के महान शिल्पकारों में से एक बताते हुए कहा कि उनके विचार आज भी देश को दिशा प्रदान कर रहे हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षा ही सामाजिक परिवर्तन की कुंजी है और सच्ची स्वतंत्रता शिक्षा से ही संभव है। संविधान निर्माण में डॉ. अंबेडकर की भूमिका को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि उनके नेतृत्व में व्यापक विचार-विमर्श के बाद एक ऐसा संविधान तैयार हुआ, जो न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के मूल्यों पर आधारित है। उपराष्ट्रपति ने अपने संबोधन में संवैधानिक नैतिकता के महत्व पर भी बल दिया और कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं में शालीन और तथ्यपूर्ण चर्चा आवश्यक है।

शोंगटोंग-कड़छम जल विद्युत परियोजना का 75 फीसदी काम पूरा : सीएम सुक्खू

मुख्यमंत्री ने बताया बैराज, हेड रेस टनल और पावरहाउस जैसे प्रमुख सिविल कार्य अंतिम चरण में

कहा, प्रदेश सरकार स्वच्छ ऊर्जा से जुड़ी अधोसंरचना को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा है कि सतलुज नदी पर बन रही 450 मेगावाट क्षमता की शोंगटोंग-कड़छम जल विद्युत परियोजना का करीब 75 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। उन्होंने अपने दो दिवसीय किन्नौर दौरे के दौरान मंगलवार को परियोजना स्थल का निरीक्षण कर निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा की और अधिकारियों को काम में और तेजी लाने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने परियोजना के पावरहाउस, सर्ज शाफ्ट और बैराज क्षेत्र का दौरा कर अधिकारियों से विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि परियोजना के पहले चरण को जनवरी 2027 तक पूरा किया जाए, ताकि तय समयसीमा के अनुसार कार्य आगे बढ़ सके और परियोजना जल्द पूरी हो सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार स्वच्छ ऊर्जा से जुड़ी अधोसंरचना को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है और हिमाचल में सतत विकास को बढ़ावा दिया जा रहा है। उनके अनुसार यह परियोजना राज्य की विद्युत उत्पादन क्षमता बढ़ाने, ऊर्जा आत्मनिर्भरता मजबूत करने और पर्यावरण के अनुकूल विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि बैराज, हेड रेस टनल और पावरहाउस जैसे प्रमुख सिविल कार्य अंतिम चरण में हैं, जबकि विद्युत और यांत्रिक कार्य भी तय समय के अनुसार आगे बढ़ रहे हैं। परियोजना के पूरा होने के बाद हर साल लगभग 1,579 मिलियन यूनिट बिजली उत्पादन होने की संभावना है, जिससे राज्य की ऊर्जा क्षमता और ग्रिड स्थिरता में उल्लेखनीय सुधार होगा। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से प्रदेश की अर्थव्यवस्था को हर वर्ष करीब 900 करोड़ रुपये का योगदान मिलने का अनुमान है। निर्माण कार्य में आ रही स्थल-विशिष्ट चुनौतियों को दूर करने के लिए तकनीकी उपाय लगातार अपनाए जा रहे हैं, जिससे काम की गति बढ़ी है।

मुख्यमंत्री ने डॉ. भीमराव आंबेडकर को पुष्पांजलि अर्पित की

शिमला। मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने मंगलवार को चौड़ा मैदान शिमला में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर एक दूरदर्शी नेता और महान समाज सुधारक थे, जिन्होंने अपना पूरा जीवन समानता, न्याय और वंचित वर्गों के अधिकारों की रक्षा के लिए समर्पित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि संविधान निर्माण के दौरान डॉ. अंबेडकर ने सभी नागरिकों के लिए समान अधिकार सुनिश्चित किए और देश में लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत बनाने में बहुमूल्य योगदान दिया। उन्होंने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर भारतीय संविधान के शिल्पकार थे, जिन्होंने सामाजिक सद्भाव और समानता को बढ़ावा दिया। उन्होंने शिक्षा को एक ऐसा शक्तिशाली माध्यम माना, जिससे हर नागरिक को सशक्त बनाकर एक समानतामूलक समाज का निर्माण किया जा सकता है। उन्होंने अपने पूरे जीवन में समाज के पिछड़े वर्गों और गरीबों के कल्याण के लिए कार्य किया। मुख्यमंत्री ने सभी से डॉ. अंबेडकर के आदर्शों और मूल्यों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने समानता के शिल्पकार के रूप में डॉ. अंबेडकर के स्मारक का अनावरण भी किया और कहा कि उनकी विरासत आज भी देश को एक प्रगतिशील और समावेशी भारत के निर्माण के लिए प्रेरित करती है।

हिमाचल को नशामुक्त बनाने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी: राज्यपाल कविंद्र गुप्ता

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

राज्यपाल कविंद्र गुप्ता ने प्रदेश में बढ़ते नशे के अवैध कारोबार पर चिंता व्यक्त करते हुए लोगों से देवभूमि को नशामुक्त बनाने के लिए सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि नशा आज समाज के लिए एक गंभीर चुनौती बनता जा रहा है और युवाओं को इससे बचाने के लिए सभी वर्गों को मिलकर जागरूकता फैलानी होगी।

राज्यपाल सोमवार देर सायं शिमला के ऐतिहासिक गेयटी थियेटर में मातृवंदना संस्थान द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मातृवंदना मासिक पत्रिका के विशेषांक पंच संकल्प से समाज परिवर्तन के लोकार्पण अवसर पर संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए नशामुक्ति, संस्कार, सदाचार, सामाजिक उत्तरदायित्व और राष्ट्रीयता के पांच संकल्प अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश अपनी देव-परंपरा, आस्था और समृद्ध संस्कृति के लिए जाना जाता है। यही आध्यात्मिक शक्ति लोगों को समाज के कल्याण के लिए प्रेरित करती है। उन्होंने कहा कि अनुशासन, नैतिकता, सेवा और सहयोग जैसे मूल्यों को जीवन में अपनाकर समाज को मजबूत बनाया जा सकता है। इसके साथ ही राज्यपाल ने पर्यावरण और जल संरक्षण की दिशा में भी सक्रिय रूप से कार्य करने का आह्वान किया। राज्यपाल ने मातृवंदना पत्रिका के नियमित प्रकाशन के लिए संस्थान को बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रकाशन समाज में सकारात्मक विचारों के प्रसार का महत्वपूर्ण माध्यम होते हैं। उन्होंने कहा कि पत्र-पत्रिकाएं केवल सूचना देने का माध्यम नहीं होतीं, समाज के विचारों और मूल्यों को दिशा देने का कार्य भी करती हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि पत्रिका का यह विशेषांक समाज में संकल्प, अनुशासन, नैतिकता, सेवा और सहयोग जैसे मूल्यों को मजबूत करने में सहायक बनेगा। कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल ने संस्थान की दिनदर्शिका का विमोचन किया और मातृवंदना पत्रिका सदस्यता की ऑनलाइन ऐप का भी शुभारंभ किया। इससे पहले उन्होंने पत्रिका के पूर्व संस्थापक संपादक और संस्कृत के विद्वान डॉ. दयानंद शर्मा को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित भी किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में अखिल भारतीय प्रचार टोली के सदस्य श्री प्रेम कुमार ने कहा कि भारतीय संस्कृति सनातन है और इसकी सांस्कृतिक चेतना सदैव जीवंत रही है। उन्होंने बताया कि मातृवंदना पत्रिका का पहला अंक अप्रैल 1995 में मंडी जिले से प्रकाशित हुआ था और वर्ष 1997 से इसका नियमित प्रकाशन शिमला से हो रहा है। आज यह पत्रिका प्रदेश के दुर्गम क्षेत्रों सहित 11 हजार से अधिक गांवों तक पहुंच रही है, जो एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

आंबेडकर जयंती पर जयराम ठाकुर ने कांग्रेस पर साधा निशाना

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के मौके पर मंगलवार को नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने शिमला के चौड़ा मैदान स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उन्होंने अंबेडकर के योगदान को याद करते हुए कांग्रेस पर उन्हें लंबे समय तक भारत रत्न से वंचित रखने का आरोप भी लगाया।

जयराम ठाकुर ने कहा कि डॉ. अंबेडकर का देश की आजादी के बाद संविधान निर्माण में बहुत बड़ा योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि संविधान बनाना एक कठिन और ऐतिहासिक कार्य था, जिसे अंबेडकर ने पूरी निष्ठा और दूरदर्शिता के साथ पूरा किया। उन्होंने यह भी कहा कि बचपन से सामाजिक भेदभाव झेलने के बावजूद अंबेडकर ने समाज में समानता और समरसता स्थापित करने की दिशा में काम किया। उन्होंने आरोप लगाया कि इतने बड़े योगदान के बावजूद कांग्रेस सरकारों ने लंबे समय तक डॉ. अंबेडकर को भारत रत्न नहीं दिया। जयराम ठाकुर ने कहा कि बाद में वर्ष 1990 में वी.पी. सिंह की सरकार ने उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया।

कश्मीर के आईजीपी ने नशे से दूर रहने का किया आग्रह, तस्करों पर कानूनी कार्रवाई होगी तेज

श्रीनगर। कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) वीके बर्डी ने मंगलवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर पुलिस आने वाले दिनों में नशीले पदार्थों के खिलाफ अपने अभियान को और तेज करेगी और नशीले पदार्थों के तस्करों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करेगी। श्रीनगर में एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए आईजीपी बर्डी ने कहा कि पुलिस हमेशा से ही नशीले पदार्थों के खिलाफ मिशन मोड में रही है। उन्होंने कहा, आने वाले दिनों में हमारी कार्रवाई और तेज होगी ताकि नशीले पदार्थों के तस्करों, तस्करों और नशीले पदार्थों की तस्करी में शामिल लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सके। उन्होंने कहा कि युवा देश का भविष्य हैं और उन्हें अनुशासित रहना चाहिए तथा नशे से दूर रहना चाहिए। आईजीपी ने सिख समुदाय को भी बधाई दी और बताया कि उन्होंने इस शुभ अवसर पर गुरुद्वारे के निमंत्रण पर गुरुद्वारे का दौरा किया। उन्होंने कहा कि यह पवित्र दिन है और खालसा पंथ की स्थापना का दिन भी है। हम यहां आए, मत्था टेका और जम्मू-कश्मीर पुलिस की ओर से सिख समुदाय को बधाई दी।

श्रीनगर-लेह राजमार्ग पर जोजिला सुरंग का निर्माण कार्य पूरा होने के करीब

एजेंसी (हि.स.)
श्रीनगर

श्रीनगर-लेह राजमार्ग पर स्थित रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण जोजिला सुरंग एक महत्वपूर्ण पड़ाव के करीब पहुंच रही है। खुदाई का काम मई के अंत तक पूरा होने की उम्मीद है। एक बार पूरा होने पर 13 किलोमीटर से अधिक लंबी यह सुरंग कश्मीर और लद्दाख के बीच हर मौसम में संपर्क प्रदान करेगी, जिससे खतरनाक जोजिला दर्रे को पार करना साल भर संभव हो सकेगा। मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर्स लिमिटेड के संयुक्त मुख्य परिचालन अधिकारी हरपाल सिंह ने कहा कि जोजिला सुरंग की कुल 13,155 मीटर लंबाई में से केवल लगभग 300 मीटर की खुदाई शेष है, जिससे परियोजना एक महत्वपूर्ण सफलता के करीब पहुंच गई है। हमें मई के अंत या जून के पहले सप्ताह तक पूरा होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि इस महत्वपूर्ण उपलब्धि को प्रतीकात्मक रूप से तब चिह्नित किया जाएगा, जब कश्मीर के बाल्टल और द्रास क्षेत्र के मीनामर्ग, दोनों छोरों से काम कर रही टीमें सुरंग के अंदर मिलेंगी। सिंह ने कहा कि उपलब्धि पूरी होने के बाद बाल्टल और मीनामर्ग दोनों तरफ के लोग सुरंग के अंदर हाथ मिलाएंगे। यह एक ऐतिहासिक क्षण होगा और इससे आगे का काम आसान हो जाएगा। दुनिया के सबसे चुनौतीपूर्ण भूभागों में से एक में बन रही यह सुरंग भारत की सबसे लंबी सड़क सुरंग और एशिया की सबसे लंबी द्विदिशात्मक सुरंग बनने जा रही है। इससे सोनमर्ग और द्रास के बीच यात्रा का समय लगभग तीन घंटे से घटकर लगभग 15 मिनट होने की उम्मीद है। अधिकारियों ने बताया कि खुदाई में सफलता मिलने की उम्मीद 2026 के मध्य तक है लेकिन परियोजना को पूरा करने का लक्ष्य फरवरी 2028 ही रहेगा। जोजिला सुरंग का रणनीतिक और आर्थिक महत्व बहुत अधिक है। यह लद्दाख को निर्बाध रूप से जोड़ेगी जो भारी बर्फबारी के कारण हर साल कई महीनों तक कटा रहता है। बेहतर संपर्क से पर्यटन, व्यापार और रक्षा रसद को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

संक्षिप्त-समाचार

चूड़धार में शिरगुल महाराज मंदिर के कपाट खुले, भारी बर्फ के बीच श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

नाहन। हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिला में प्रसिद्ध आस्था स्थल चूड़धार स्थित शिरगुल महाराज मंदिर के कपाट करीब साढ़े चार महीने बाद मंगलवार को संक्रांति के पावन अवसर पर विधि-विधान के साथ खोल दिए गए। कपाट खुलते ही मंदिर में नियमित पूजा-अर्चना शुरू हो गई है, लेकिन प्रशासन की ओर से अभी आम श्रद्धालुओं की आवाजाही को पूरी तरह अनुमति नहीं दी गई है। इसके बावजूद कई श्रद्धालु कठिन हालातों को पार करते हुए दर्शन के लिए चूड़धार पहुंच रहे हैं। करीब 11,965 फीट की ऊंचाई पर स्थित चूड़धार क्षेत्र में अभी भी भारी बर्फ जमी हुई है। इसके बावजूद 100 से अधिक श्रद्धालु बर्फ से ढके दुर्गम रास्तों को पार कर भगवान शिरगुल महाराज के दर्शन करने पहुंचे। श्रद्धालुओं ने कठिन परिस्थितियों के बावजूद अपनी आस्था का परिचय दिया, हालांकि यात्रा के दौरान उन्हें कई तरह की परेशानियों का सामना भी करना पड़ा। मौजूदा समय में चूड़धार में ठहरने और खाने-पीने की व्यवस्था पूरी तरह सामान्य नहीं हो पाई है। चूड़ेश्वर सेवा समिति की सराय अभी बंद है और लंगर सेवा भी शुरू नहीं हो सकी है। ऐसे में कई श्रद्धालुओं को सीमित संसाधनों के सहारे ही रात गुजारनी पड़ी। इसके अलावा चूड़धार में पेयजल संकट भी बना हुआ है। बर्फबारी के कारण प्राकृतिक जल स्रोत जम गए हैं, जिससे श्रद्धालुओं को बर्फ पिघलाकर पानी पीने और भोजन तैयार करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। नौहराधार से चूड़धार जाने वाले मार्ग पर तीन से चार फीट तक बर्फ जमी हुई है। रास्ते में फिसलन होने के साथ-साथ रास्ता भटकने का खतरा भी बना हुआ है। हर साल इस मार्ग पर कुछ श्रद्धालु रास्ता भटक जाते हैं, जिन्हें सुरक्षित निकालने के लिए प्रशासन को कड़ी मशक्कत करनी पड़ती है।

ऊना में होगी 47वीं राष्ट्रीय जूनियर खो-खो चैंपियनशिप

मंडी। हिमाचल प्रदेश के ऊना जिला में वर्ष 2026 की 47वीं राष्ट्रीय जूनियर खो-खो चैंपियनशिप आयोजित की जाएगी। यह फैसला हिमाचल प्रदेश खो-खो संघ की बैठक में लिया गया। बैठक मंगलवार को ऊना के स्वां सदन में संघ के प्रदेशाध्यक्ष अभिषेक ठाकुर की अध्यक्षता में आयोजित हुई, जिसमें भारतीय खो-खो महासंघ के संयुक्त सचिव एल. आर. वर्मा ने विशेष रूप से भाग लिया। जो पदाधिकारी बैठक में उपस्थित नहीं हो सके, वे गूगल मीट के माध्यम से बैठक से जुड़े। बैठक में जानकारी दी गई कि भारतीय खो-खो महासंघ ने वर्ष 2026 की 47वीं राष्ट्रीय जूनियर खो-खो चैंपियनशिप की मेजबानी हिमाचल प्रदेश को सौंपी है। इस अवसर पर मौजूद सभी पदाधिकारियों ने सर्वसम्मति से यह चैंपियनशिप ऊना जिला में करवाने का निर्णय लिया। यह प्रतियोगिता 1 अक्तूबर से 12 अक्तूबर तक आयोजित किए जाने का प्रस्ताव है। संघ की बैठक में सभी जिला खो-खो संघों से आग्रह किया गया कि वे अपने-अपने जिलों में सभी वर्गों की जिला स्तरीय खो-खो प्रतियोगिताएं सितंबर महीने तक आयोजित करना सुनिश्चित करें, ताकि खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए बेहतर तैयारी का अवसर मिल सके। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि यदि कोई खिलाड़ी किसी अनधिकृत खो-खो संघ से खेलता पाया जाता है, तो उसे हिमाचल प्रदेश खो-खो संघ की ओर से निष्कासित कर खो-खो खेलने से प्रतिबंधित किया जा सकता है। इसके अलावा प्रदेश में संचालित सभी खो-खो अकादमियों को अपना पंजीकरण करवाने के निर्देश दिए गए हैं। नई अकादमी शुरू करने के इच्छुक लोगों को भी हिमाचल प्रदेश खो-खो संघ से अनापत्ति प्रमाण पत्र लेकर ही पंजीकरण करवाना होगा।

बालिका देखभाल संस्थान सुंदरनगर में धूमधाम से मनाया बैसाखी पर्व

मंडी। बालिका देखभाल संस्थान सुंदरनगर में बैसाखी पर्व बड़े उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित समारोह में नायब तहसीलदार सुंदरनगर आदित्य गुलेरिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि सीडीपीओ सुंदरनगर पूनम चौहान ने विशेष अतिथि के रूप में भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत पारंपरिक तरीके से की गई, जिसके बाद संस्थान की छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ देकर सभी का मन मोह लिया। नृत्य, गीत और लोक प्रस्तुतियों के माध्यम से छात्राओं ने बैसाखी पर्व के महत्व को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि आदित्य गुलेरिया ने अपने संबोधन में कहा कि बैसाखी भारत का एक प्रमुख और पवित्र त्योहार है, जो विशेष रूप से रबी फसल की कटाई की खुशी में मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि 1699 में इसी दिन गुरु गोविंद सिंह जी ने खालसा पंथ की स्थापना की थी। यह पर्व शांति, श्रद्धा, साहस और प्रेम का संदेश देता है। समारोह के अंत में बालिकाओं को मिठाइयाँ वितरित की गईं तथा विशेष भोजन की व्यवस्था भी की गई। इस अवसर पर संस्थान का समस्त स्टाफ और सभी छात्राएं उपस्थित रहीं।

शिमला में खाई में वाहन गिरने से चंडीगढ़ के दो लोगों की मौत

शिमला। राजधानी शिमला के समरहिल क्षेत्र में सोमवार की देर रात को एक वाहन के 150 फुट नीचे नाले में गिरने से दो लोगों की मौत हो गई। चौकी समरहिल पुलिस ने अस्पताल पहुंचकर मामले की जांच शुरू की और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार चंडीगढ़ से छह लोग एक वाहन से शीशा लेकर समरहिल पहुंचे थे। यहां एमआई रूम के पास सामान उतारने के बाद चालक बारा सिंह वाहन को मोड़ रहे थे। उसी दौरान कार अचानक पीछे की ओर लुढ़क गई और देखते ही देखते गहरी ढलान पार करते हुए 150 फीट नीचे नाले में जा गिरी। उस समय वाहन में चालक के अलावा गुरमीत सिंह भी वाहन में बैठे थे, जबकि बाकी साथी बाहर खड़े थे।

दैनिक सिटी दर्पण
आईना सच का
न्वोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: स्व. सतपॉल शर्मा
स्वामी, प्रकाशक मुद्रक एवं संपादक भूपिंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1, सेक्टर 40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित-160036
सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।
स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

सरकाघाट छात्रा हत्याकांड और पीजीटी कॉन्ट्रैक्ट नीति के विरोध में एबीवीपी का प्रदर्शन, सरकार पर उठाए सवाल

एजेंसी (हि.स.)
नाहन

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) जिला सिरमौर ने मंगलवार को प्रदेश के ज्वलंत मुद्दों को लेकर सरकार और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए। परिषद ने सरकाघाट में हुई छात्रा हत्याकांड की घटना और पीजीटी कॉन्ट्रैक्ट पॉलिसी के विरोध में प्रदेश सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की।

धरने के दौरान शिवानी चौहान, शीतल सूर्यवंशी, प्रदेश सह मंत्री अवि ठाकुर और राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य मनीष बिरसान्टा ने प्रदेश में बिगड़ती कानून व्यवस्था और पीजीटी कॉन्ट्रैक्ट नीति को लेकर सरकार को घेरा।

मनीष बिरसान्टा ने कहा कि सरकाघाट में दिनदहाड़े छात्रा की हत्या अत्यंत निंदनीय है और यह प्रदेश की बिगड़ती कानून व्यवस्था को दशार्ती है। उन्होंने कहा कि यह कोई पहली घटना नहीं है, बल्कि पिछले कुछ वर्षों से महिलाओं के खिलाफ अपराधों में लगातार वृद्धि हो रही है। महिला सशक्तिकरण के दावे केवल नारों तक सीमित रह गए हैं। उन्होंने मांग की कि इस मामले में सख्त कार्रवाई कर पीड़ित छात्रा को न्याय दिलाया जाए और महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि प्रदेश में वर्तमान सरकार के सत्ता में आने के बाद न तो युवा संतुष्ट हैं और न ही आम जनता। प्रदेश में चिट्टा माफिया, वन माफिया और फिरौती माफिया बेलगाम हो गए हैं। आए दिन महिलाओं के साथ अत्याचार की घटनाएं सामने आ रही हैं, जो चिंता का विषय है।

प्रदेश सह मंत्री अवि ठाकुर ने पीजीटी कॉन्ट्रैक्ट नीति का विरोध करते हुए कहा कि यह नीति युवाओं और शिक्षकों के भविष्य के साथ अन्याय है। उन्होंने सरकार से इस नीति को तुरंत वापस लेने की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि यदि सरकार ने इस पर जल्द कोई ठोस निर्णय नहीं लिया, तो एबीवीपी पूरे प्रदेश में व्यापक आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी।

मंडी के नलसर में दो दिवसीय मेले का आगाज, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां

मंडी। मंडी जिला के बल्ह क्षेत्र स्थित नलसर में दो दिवसीय पारंपरिक मेले का शुभारंभ पुलिस विभाग से सेवानिवृत्त उप निरीक्षक ज्ञान चंद ने किया। इस अवसर पर नलसर की ऐतिहासिक झील के किनारे भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें क्षेत्र की सांस्कृतिक झलक देखने को मिली। कार्यक्रम में स्कूली बच्चों, महिला मंडलों तथा विभिन्न सांस्कृतिक दलों के कलाकारों ने आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। विशेष रूप से महिलाओं द्वारा प्रस्तुत की गई पहाड़ी नाटी ने दर्शकों का मन मोह लिया। वहीं स्कूली बच्चों के रंगारंग कार्यक्रमों ने समारोह में चार चांद लगा दिए। व्यापार मंडल नलसर और मेला आयोजन समिति के प्रधान हरीश कुमार ने बताया कि मेले के दूसरे दिन पारंपरिक जलेब निकाली जाएगी, जिसमें क्षेत्र के देवी-देवता श्रद्धापूर्वक शिरकत करेंगे। इस अवसर पर व्यापार मंडल के पंचायत सचिव लता ठाकुर, भारतीय पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्य धन्ना रावत, आयोजित समिति कै सदस्य विनोद जसवाल, छांगू राम राम, कृष्ण केशव, ठाकुर हीरा ठाकुर, कुलदीप ठाकुर, लालमन, ईश्वर दास, कृष्ण कुमार, प्रभात आनंद ठाकुर, सूरज सिंह ठाकुर, संतोषी शमार्दीपक ठाकुर, जगदीश ठाकुर, गुरुदेव ठाकुर, अमित शर्मा, प्रिंस ठाकुर, बिशन दत्त शर्मा, मुरारी लाल शर्मा और मुंशी राम शर्मा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा दिवस पर फायर स्टेशन कठुआ ने शहीदों को दी श्रद्धांजलि

एजेंसी (हि.स.)
कठुआ

फायर स्टेशन कठुआ में आयोजित एक समारोह में राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा दिवस शहीदों को श्रद्धांजलि देने के साथ मनाया गया। जिसमें अधिकारियों और कर्मचारियों ने शहीदों की याद में दो मिनट का मौन रखा।

मंगलवार को फायर एंड एमरजैंसी सर्विसेज के असिस्टेंट डायरेक्टर की देखरेख में और अग्निशमन अधिकारी कठुआ के नेतृत्व में शोक परेड का आयोजन किया गया। कर्मचारियों ने वीर योद्धाओं के बलिदान को स्मरण करते हुए शहीदों के स्मारक पर माल्यार्पण किया। इस दौरान अग्निशमन अधिकारी सहित अन्य अग्निशमन अधिकारियों और कर्मचारियों ने 1944 में मुंबई के बंदरगाह में खड़े इंग्लैंड के फोर्ट स्ट्रिकेन जहाज में भीषण अग्निकांड में शहीद हुए कर्मचारियों के साथ-साथ जम्मू में हुए अग्निकांड में शहीद हुए चार अग्निशमन कर्मचारियों को श्रद्धांजलि अर्पित की और सेवा भावना के अनुरूप कार्य करने का संकल्प लिया। एसओ फायर स्टेशन कठुआ विजय कुमार ने बताया कि 1944 में मुंबई में नौ हजार टन वाले जहाज में अचानक आग लग गई थी। और अग्निकांड के दौरान हुए विस्फोट में अग्निशमन का कार्य करते हुए 66 कर्मचारी शहीद हो गए थे। तब से उन शहीदों की याद में 14 अप्रैल को अग्निशमन दिवस मनाया जाता है।

शिमला में 11.5 किलो अफीम बरामद, महिला समेत चार गिरफ्तार

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

शिमला जिले में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ चल रही कार्रवाई के दौरान पुलिस को दो अलग-अलग मामलों में बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने करीब 11.5 किलोग्राम अफीम और हेरोइन बरामद करते हुए कई आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस का कहना है कि मामलों की जांच अभी जारी है और पूरे नेटवर्क का पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

पहला मामला 26 मार्च को थाना कुमारसैन में दर्ज 9.28 किलोग्राम अफीम बरामदगी से जुड़ा है। इस मामले में बैकवर्ड लिंकेज की जांच के दौरान पुलिस ने एक और महत्वपूर्ण सफलता हासिल की। तकनीकी और गहन जांच के आधार पर पुलिस टीम ने कंडाघाट क्षेत्र से लक्ष्मी (46 वर्ष), निवासी जिला लमजुंग, नेपाल, जो वर्तमान में कंडाघाट में लक्ष्मी टी स्टॉल चलाती है, को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से 2.039 किलोग्राम अतिरिक्त अफीम बरामद की गई। जांच में सामने आया है कि यह मादक पदार्थ उसे पहले से गिरफ्तार आरोपियों ने शिमला की ओर जाते समय रास्ते में सप्लाई किया था। पुलिस के अनुसार आरोपी महिला इस नेटवर्क की लिस्टेड होलसेल ग्राहक थी और आगे अवैध वितरण की तैयारी में थी। इस मामले में अब तक चार आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है और कुल करीब 11.5 किलोग्राम अफीम बरामद की जा चुकी है। महिला आरोपी को अदालत में पेश करने के बाद पांच दिन की पुलिस रिमांड में लिया गया है। इसी दौरान एक अन्य कार्रवाई में थाना ठियोग पुलिस ने 12 अप्रैल को ठियोग के पास सड़क किनारे खड़ी एक स्विफ्ट डिजायर कार की तलाशी ली।

मौसम

हिमाचल में 17 से 20 अप्रैल तक बदलेगा मौसम

बारिश-आंधी और बिजली गिरने का येलो अलर्ट

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में फिलहाल मौसम साफ बना हुआ है, लेकिन आने वाले दिनों में एक बार फिर मौसम बदलने वाला है। मौसम विभाग के अनुसार राज्य में 17 से 20 अप्रैल तक मौसम करवट लेगा और अधिकांश क्षेत्रों में बारिश होने की संभावना है। वहीं ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी के भी आसार जताए गए हैं। इस दौरान कई स्थानों पर तेज आंधी और बिजली गिरने की चेतावनी जारी की गई है। मंगलवार को राजधानी शिमला और पर्यटन स्थल मनाली सहित प्रदेश के अधिकतर हिस्सों में मौसम साफ बना हुआ है।

पहाड़ी इलाकों में गुनगुनी धूप खिलने से लोगों को ठंड से राहत मिली, जबकि निचले क्षेत्रों में धूप के कारण हल्की गर्मी का असर महसूस किया जा रहा है। मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि 15 अप्रैल तक प्रदेश में मौसम साफ बना रहेगा। इस दौरान अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी होने की संभावना है और दिन के समय गर्मी का असर कुछ बढ़ सकता है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार 15 अप्रैल की रात से पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने लगेगा, जिसका असर 17 अप्रैल से प्रदेश के मौसम पर दिखाई देगा।

विभाग के अनुसार 17 से 20 अप्रैल के बीच राज्य के अधिकांश हिस्सों में बारिश की संभावना है, जबकि ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी हो सकती है। विभाग ने 17, 18 और 19 अप्रैल को मध्य पर्वतीय जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने और बिजली गिरने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग का कहना है कि अप्रैल महीने के पहले पखवाड़े में प्रदेश में सामान्य से अधिक वर्षा दर्ज की गई है। कई इलाकों में हुई बारिश और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी के कारण तापमान में गिरावट बनी हुई है। हालांकि कई स्थानों पर ओलावृष्टि और तेज हवाओं के कारण फसलों और फलदार पौधों को नुकसान भी पहुंचा है, जिससे किसानों और बागवानों की चिंता बढ़ी है।

जम्मू और कश्मीर में शुष्क मौसम की स्थिति की संभावना

श्रीनगर। मौसम विज्ञान केंद्र श्रीनगर ने अगले दो दिनों के लिए जम्मू और कश्मीर में बड़े पैमाने पर शुष्क मौसम की स्थिति की भविष्यवाणी की है। 16 अप्रैल से कुछ समय के लिए बारिश और गरज के साथ बारिश होने की संभावना है। नवीनतम पूवार्नुमान के अनुसार, 14 और 15 अप्रैल को मौसम आमतौर पर शुष्क रहने की उम्मीद है हालांकि 16 अप्रैल की शाम या रात में कुछ स्थानों पर हल्की बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। मौसम विभाग ने 17 से 18 अप्रैल के बीच मौसम की स्थिति में बदलाव की भविष्यवाणी की है आमतौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे और कई स्थानों पर हल्की बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ेंगी। इस अवधि के दौरान 40-50 किमी/घंटा की गति से तेज हवाएँ चलने और छिटपुट ओलावृष्टि की भी संभावना है। 19 से 24 अप्रैल तक केंद्र शासित प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में मौसम फिर से शुष्क रहने की संभावना है। अधिकारियों ने किसानों के लिए एक सलाह जारी की है जिसमें उनसे अपेक्षित शुष्क मौसम को देखते हुए 16 अप्रैल तक कृषि कार्य जारी रखने का आग्रह किया गया है। इस अवधि के दौरान कई स्थानों पर दिन के तापमान में 2-4 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि की भी भविष्यवाणी की गई है जो पूरे क्षेत्र में अप्रैल में देखी गई मौसमी गर्मी की प्रवृत्ति के अनुरूप है। मौसम केंद्र ने निवासियों और किसानों को आधिकारिक पूवार्नुमानों से अपडेट रहने की सलाह दी है खासकर इस सप्ताह के अंत में संभावित तेज हवाओं और स्थानीय मौसम संबंधी गड़बड़ी को देखते हुए।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना 2.0 के तहत 143 पंचायतों में 8029 परिवारों को दिए गए प्लाट: सुभाष सुधा

दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना के तहत महिलाओं को प्रति माह दिया जा रहे 2100 रुपए

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि बैसाखी महोत्सव 2026 में सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग द्वारा आयोजित प्रदर्शनी में प्रदेश सरकार की उपलब्धियों व योजनाओं से नागरिकों को रूबरू करवाया गया है। इनमें मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा गरीब कल्याण, किसान प्रगति, युवा जोश, स्वास्थ्य, उद्योग और निवेश की विस्तृत जानकारी मुहैया कराई गई है। इसी तरह गुड गवर्नेंस, समावेशी विकास, नारी शक्ति, पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन और शगुन राशि को शामिल किया गया है। सरकार द्वारा विभिन्न वर्गों के लिए किए गए विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी को प्रदर्शनी में दर्शाई गया है।

पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग द्वारा आयोजित प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि गरीब कल्याण के लिए प्रधानमंत्री विश्वकर्मा कौशल सम्मान योजना के तहत 30 लाख कारीगरों को पंजीकरण, प्रदेश के पारंपरिक कारीगरों को प्रशिक्षण व ऋण सुविधा दी जा रही है। इसी तरह मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना 2.0 के तहत दूसरे चरण में 143 पंचायतों में 8029 परिवारों को प्लाट दिए गए।

पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि नारी शक्ति को प्रदेश में सशक्त करते हुए दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना को लागू किया गया। इसके तहत महिलाओं को 2100 रुपए प्रति माह दिया जा रहा है। हर घर हर गृहणी योजना के तहत महिलाओं को 500 रुपए में गैस सिलेंडर उपलब्ध करवाया जा रहा है। प्रदेश में 5 लाख महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। अब तक 4.83 लाख महिलाओं की पहचान की गई और 150020 महिलाओं को लखपति दीदी बनाया गया। उन्होंने कहा कि नमो ड्रोन दीदी योजना के तहत 100 महिलाओं को मुफ्त ड्रोन व प्रशिक्षण तकनीक से सशक्त बनाया गया। पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं को 50 प्रतिशत प्रतिनिधित्व दिया गया। बेटी बचाओ बेटी पढाओ अभियान के तहत सभी महिला सरपंचों को उनके गांव का ब्रांड एंबेसडर बनाया गया।

पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि प्रदेश में किसानों की सभी 24 फसलों को एमएसपी खरीदा जा रहा है। खरीफ 2024 के लिए दो हजार रुपए प्रति क्विंटल की दर से 1345 करोड़ रुपए बोनस राशि जारी की गई। ई-खरीद एप्लिकेशन से किसानों को फसल बेचने में डिजिटल सुविधा और पारदर्शिता लाई जा रही है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए प्रदेश में मेडिकल कॉलेजों का विस्तार किया जा रहा है। सभी सरकारी अस्पतालों में गुर्दे के रोगियों के लिए मुफ्त डायलिसिस सेवा दी जा रही है। गर्भवती महिलाओं को अस्पताल ले जाने के लिए मुफ्त एंबुलेंस, हेपेटाइटिस बी, सी की दवाइयां व मुफ्त जांच सुविधा दी जा रही है। आयुष्मान भारत और जन आरोग्य के तहत लागू किया गया है।

पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि सरकार द्वारा डेढ़ साल में 36 हजार युवाओं को बिना खर्ची-पर्ची पारदर्शिता के साथ योग्यता के आधार पर सरकारी नौकरी दी गई। साढ़े 11 वर्षों में लगभग 13.5 लाख अभ्यर्थियों की सीईटी परीक्षा का सफल आयोजन किया हुआ, इससे युवाओं को नई उम्मीद और भरोसा मिला। इसी तरह सक्षम युवा योजना के तहत 5.14 लाख युवाओं को भत्ता और मानदेय के 3339.4 करोड़ रुपए वितरित किए गए। प्रदेशभर में 2999 रोजगार मेलों का आयोजन कर 1,16,255 युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर मुहैया करवाए गए।

पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि उद्योग और निवेश को बढ़ावा देते हुए गुरुग्राम में स्टार्टअप जीएसटी सुविधा केंद्र पंजीकरण से लेकर रिटर्न तक सभी सेवाएं एक स्थान पर दी जा रही है। इसके साथ ही हरियाणा 47760 प्रति व्यक्ति जीएसटी संग्रह के साथ देश में चौथे स्थान पर रहा है। उन्होंने कहा कि पिछड़े वर्ग की समस्याओं के समाधान के लिए हरियाणा पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन किया गया।

हरियाणा पैवेलियन में दिखे पहलां आलै ठाठ बाट कुम्हार का चाक, पीढ़ा और खाट: विश्राम मीणा

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि हरियाणवी संस्कृति को प्रदर्शित करती हरियाणा विरासत पवेलियन नागरिकों को खूब पसंद आ रहा है। नागरिकों को हरियाणा पैवेलियन में दिखे पहलां आलै ठाठ बाट, कुम्हार का चाक, पीढ़ा और खाट। केडीबी मेला ग्राउंड में आयोजित प्रदर्शनी में हरियाणा के गांवों से जुड़ी हुई सभी प्राचीन वस्तुओं का प्रदर्शन किया गया जो अब लुप्तप्राय हो चुकी हैं। जिन्हें युवा पीढ़ी को दिखाया गया है। इस बैसाखी महोत्सव में प्रदेश की परंपरागत सांस्कृतिक विरासत देखने को मिली। इस पैवेलियन में विरासत दी हेरिटेज विलेज कुरुक्षेत्र द्वारा सांस्कृतिक प्रदर्शनी हरियाणा के हस्तशिल्प का आकर्षण का केंद्र रहा।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि प्रशासन का प्रयास है कि अपनी आने वाली पीढ़ियों के लिए इन वस्तुओं को दिखाने और रूबरू करवाने का प्रयास किया गया है। इसी के साथ लोक पारंपरिक हस्तकला के अनेक हरियाणवी नमूने हरियाणवी फुलझड़ी, हरियाणवी लोक वेशभूषा प्रदर्शनी में पारंपरिक परिधानों को जीवंत रूप से दिखाने के लिए महिला द्वारा पारंपरिक पहनावे में ग्रामीण जीवन की झांकी प्रस्तुत की गई।

उन्होंने कहा कि मेले में हरियाणा की फुलकारी कला को दिखाया गया, इसमें शिल्पकार मौके पर ही सुंदर डिजाइन तैयार करते नजर आएंगे। इस पैवेलियन में कुम्हार द्वारा पारंपरिक चाक पर मिट्टी के बर्तन बनाते देखना दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण का केन्द्र बना। मेले में लोहार कला के माध्यम से प्राचीन ताले भी प्रदर्शित किया गया। इसी तरह रथ निर्माण कला के माध्यम से हरियाणा के पारंपरिक परिवहन और उससे जुड़ी कारीगरी को दर्शाया जा रहा है। उपायुक्त ने कहा कि इसके साथ ही इंडी बनाने की पारंपरिक विधि, बिजना और दरी बुनाई जैसे शिल्प, गुड्डा-गुडिया निर्माण, पीढ़ा और चारपाई बुनाई विशेष रूप से खाट (चारपाई) बुनाई का प्रदर्शन भी मेले में जीवंत रूप में दिखाया गया। खाट एवं पीढ़ा हमारी संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा रहे हैं। पीढ़ा, खटोला, खाट, पिलंग, दैहला आदि घरों, बैठकों एवं चौपालों में प्रयोग किए जाते रहे हैं। यहां पर सैंकड़ों वर्ष पुराने तांबे और पीतल के बर्तन भी प्रदर्शनी में शामिल किए गए। उन्होंने बताया कि बैसाखी मेला न केवल मनोरंजन का साधन बनाया गया। यहां पर युवाओं और नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का एक सशक्त माध्यम बनकर उभरा है। यह आयोजन हरियाणा की समृद्ध लोक संस्कृति, कला और परंपराओं को संरक्षित और प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ है।

बैसाखी केवल एक पर्व नहीं, बल्कि भारत की समृद्ध कृषि संस्कृति, परिश्रम और कृतज्ञता का प्रतीक है : कमल सिसोदिया

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

बैसाखी के पावन अवसर पर गुरुद्वारा श्री गुरु अर्जन देव जी, सेक्टर 40-बी में श्रद्धा, उत्साह एवं भाईचारे के साथ भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर 13 बटालियन, सीआरपीएफ की कमांडेंट एवं समाजसेविका कमल सिसोदिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। श्रीमती सिसोदिया ने गुरुद्वारा साहिब में मत्था टेककर आशीर्वाद प्राप्त किया तथा संगत के साथ इस पावन पर्व को आत्मीयता से मनाया। उन्होंने आमजन के बीच जाकर संवाद किया और सभी को बैसाखी की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम में गुरुद्वारा राजविंदर सिंह गड्डू प्रेसिडेंट, देवेंद्र सिंह वालिया जनरल सेक्रेटरी, सरदूल सिंह कैशियर एवं गुरुद्वारा प्रबंध कमेटी के सदस्य भी उपस्थित रहे। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि बैसाखी केवल एक पर्व नहीं, बल्कि भारत की समृद्ध कृषि संस्कृति, परिश्रम और कृतज्ञता का प्रतीक है। यह पर्व हमें अन्नदाता के प्रति सम्मान व्यक्त करने का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने बताया कि सन 1699 में गुरु गोबिंद सिंह जी द्वारा खालसा पंथ की स्थापना हमें साहस, समानता और धर्म की रक्षा का संदेश देती है तथा सत्य और न्याय के लिए खड़े रहने की प्रेरणा प्रदान करती है।

उन्होंने आगे कहा कि बैसाखी हमें परिश्रम, अनुशासन एवं समर्पण के साथ जीवन जीने की सीख देती है तथा समाज में एकता, भाईचारे और सहयोग की भावना को सुदृढ़ करने का संदेश देती है। एक महिला अधिकारी के रूप में उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं एवं कमजोर वर्गों के लिए सुरक्षा, सम्मान और विश्वास का वातावरण बनाने पर बल दिया।

बाबा साहेब के विचार समाज को दिशा दे रहे हैं : डॉ. राम भक्त लांग्यान

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

नवीन जिन्दल फाउंडेशन द्वारा डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में गीता निकेतन आवासीय विद्यालय कुरुक्षेत्र के योग भवन में ह्लडॉ. भीमराव अंबेडकरः सामाजिक क्रांति और राष्ट्र निर्माण के अग्रदूतह्व कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में डॉ . भीमराव अम्बेडकर की शिक्षाओं के प्रचार-प्रसार के लिए विद्यार्थियों, शिक्षकों और गणमान्य अतिथियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली।

कार्यक्रम का शुभारंभ बाबा साहब के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित डॉ. राम भक्त लांग्यान (पूर्व आईएएस एवं अध्यक्ष, अंबेडकर भवन कुरुक्षेत्र) ने बाबा साहब के जीवन, संघर्ष और उनके द्वारा स्थापित सामाजिक न्याय, समानता एवं शिक्षा के मूल्यों पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि

बाबा साहेब के विचार आज भी समाज को दिशा देने में अत्यंत प्रासंगिक हैं। बाबा साहेब अंबेडकर ने एक-एक क्षण शिक्षा को प्राप्त करने में लगाया। उनका जीवन हमारे लिए एक आदर्श है। हम सभी को उनके संघर्षपूर्ण जीवन से शिक्षा लेकर अपना-अपना लक्ष्य बनाना चाहिए।

इस अवसर पर विद्यार्थियों को बाबा साहेब की शिक्षाओं से संबंधित साहित्य भी वितरित किया गया, जिससे वे उनके विचारों और शिक्षाओं को अपने जीवन में आत्मसात कर सकें। कार्यक्रम के दौरान बाबा साहब के जीवन पर आधारित एक प्रेरणादायक लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया, जिसने उपस्थित सभी को गहराई से प्रभावित किया। इसके साथ ही सांसद नवीन जिन्दल द्वारा राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान के लिए किए गए प्रयासों पर आधारित एक विशेष फिल्म भी प्रदर्शित की गई, जिसने छात्रों में राष्ट्रभक्ति और जागरूकता की भावना को और प्रबल किया।

इस अवसर पर निबन्ध लेखन, स्लोगन लेखन, पेंटिंग प्रतियोगिता और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में विजेता 30 मेधावी छात्रों को नकद राशि व आकर्षक पुरस्कार दिए गए। इन छात्रों में प्राची, देवर, सुजल, अर्पिता, मेघराज, पलक, ज्योति रानी, मनस्वी, एंजेल अरोड़ा, हिमांशी, मन्नत, नीति, दैविक, साधिका दीक्षित, नंदिनी वर्मा, कार्तिक, सोमेश, सन्वी, गौरव सैनी, इंद्रजीत सिंह, विनायक भाटिया, शिव अरोड़ा, युवानी, हविशा मेहरा, तनित धीमान, यथार्थ गर्ग, जसन, कुश करण, अनहद और यशी शामिल रहे।

इस अवसर पर उपस्थित मुख्य अतिथि और गणमान्य व्यक्तियों को सांसद नवीन जिन्दल की ओर से बाबा साहेब अंबेडकर के जीवन पर आधारित पुस्तक और राष्ट्रीय ध्वज भेंट किए गए। सांसद कार्यालय प्रभारी धर्मवीर सिंह ने बताया कि सांसद नवीन जिन्दल का मानना है कि नवीन जिन्दल फाउंडेशन निरंतर ऐसे आयोजनों के माध्यम से युवा पीढ़ी को प्रेरित करने का कार्य करता रहेगा, ताकि वे राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभा सकें। न्होंने कहा कि बाबा साहब के विचारों से युवा पीढ़ी प्रेरणा लेकर एक बेहतर भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है।

संक्षिप्त-समाचार

अग्रवाल वैश्य समाज हरियाणा की कुरुक्षेत्र महिला इकाई का हुआ गठन

कुरुक्षेत्र। अग्रवाल वैश्य समाज हरियाणा की महिला इकाई की प्रदेशाध्यक्ष सुशीला सर्राफ ने प्रदेश अध्यक्ष अशोक बुवानीवाला की सलाह से कुरुक्षेत्र महिला इकाई का गठन किया है। इस गठन के अंतर्गत रेखा गर्ग को महिला जिला अध्यक्ष, विनिता तायल को जिला महिला महासचिव तथा सरिता बंसल को जिला महिला कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने संगठन द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारियों के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे समाज के उत्थान, महिला सशक्तिकरण तथा सामाजिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाएंगी और संगठन को मजबूत करने के लिए पूर्ण समर्पण से कार्य करेंगी। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष अशोक बुवानीवाला, महिला प्रदेश अध्यक्षा सुशीला सर्राफ एवं प्रदेश महामंत्री राजेश सिंगला का विशेष रूप से धन्यवाद किया। अग्रवाल वैश्य समाज के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने सभी नव-नियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल कार्यकाल की कामना की है।

हरियाणा ने 1.89 लाख मुफ्त डायलिसिस सेशन उपलब्ध कराए

चंडीगढ़। हरियाणा के सरकारी अस्पतालों, जिनमें ढत्रप्टर रोहतक भी शामिल है, ने वर्ष 2025झ26 के दौरान क्रोनिक किडनी रोग (उङऊ) से पीड़ित मरीजों को लगभग 1.89 लाख मुफ्त डायलिसिस सेशन उपलब्ध कराए। इसके साथ ही, ढत्रप्टर रोहतक के नेफ्रोलॉजी विभाग ने फरवरी 2023 से अप्रैल 2026 के बीच किए गए 34 किडनी प्रत्यारोपणों में 100% सफलता-दर हासिल की है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने बताया कि चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग में अपने पिछले कार्यकाल के दौरान 2023 में शुरू किया गया यह कार्यक्रम लगातार प्रगति कर रहा है। प्रत्यारोपण कार्यक्रम की शुरूआत दो सफल कैडेवरिक (मृत शरीर से) प्रत्यारोपणों के साथ हुई थी और तब से इसका लगातार विस्तार हुआ है। इनमें वर्ष 2024 में 10, वर्ष 2025 में 17, और वर्ष 2026 में अब तक 4 प्रत्यारोपण पूरे हो चुके हैं, जो विभाग की बढ़ी हुई क्षमता और जनता के बढ़ते विश्वास को दशार्ता है। जहां शुरूआती प्रक्रियाओं में कैडेवरिक दान शामिल थे, वहीं हाल के रुझान जीवित दाताओं से होने वाले प्रत्यारोपणों में वृद्धि का संकेत देते हैं, जो बढ़ती जागरूकता और सामुदायिक भागीदारी को उजागर करता है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के निदेर्शों के तहत, राज्य सरकार पूरे हरियाणा में उङऊमरीजों को मुफ्त डायलिसिस सेवाएं, आवश्यक दवाएं और नैदानिक सहायता प्रदान कर रही है। डॉ. मिश्रा ने बताया कि डायलिसिस की सुविधाएं ढत्रप्टर रोहतक और सभी जिला अस्पतालों में चालू हैं। अकेले वर्ष 2025झ26 के दौरान, ढत्रप्टर रोहतक में 20,466 डायलिसिस सेशन आयोजित किए गए, जहां मरीजों को मुफ्त परामर्श और निरंतर देखभाल भी मिलती है। पिछले वर्ष संस्थान में लगभग 400झ500 नए उङऊ मरीज पंजीकृत हुए थे। वर्तमान में, लगभग 125 मरीज डायलिसिस पर हैं और किडनी प्रत्यारोपण का इंतजार कर रहे हैं। समय पर उपचार सुनिश्चित करने के लिए इन सभी मरीजों की आवश्यक जांचें मुफ्त में की जा रही हैं। इस कार्यक्रम को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से, सरकार ने किडनी प्रत्यारोपण को एक प्रमुख स्वास्थ्य सेवा पहल के रूप में अपनाया है। इसके तहत, दो प्रत्यारोपण सर्जनों को 3.5 लाख रुपये प्रति माह के विशेष मानदेय पर नियुक्त किया गया है, और साथ ही अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे, दवाओं तथा व्यापक सहायता प्रणालियों की उपलब्धता भी सुनिश्चित की गई है। इसके परिणामस्वरूप, निजी अस्पतालों में आमतौर पर 5झ7 लाख रुपये की लागत वाले किडनी ट्रांसप्लांट अब ढत्रप्टर रोहतक में हरियाणा के निवासियों के लिए निःशुल्क उपलब्ध हैं, जिससे उन्नत और जीवन-रक्षक चिकित्सा सुविधा तक उनकी पहुँच में काफी सुधार हुआ है।

अब शहरी गरीब परिवारों का भी होगा अपना घर

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा सरकार ने दी पीएमएवाई-यू 2.0 के तहत 2,646 मकानों को मंजूरी

हरियाणा में जल्द ही शहरी गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों का भी अपने घर का सपना साकार होगा। मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री आवास योजनाझशहरी (पीएमएवाई-यू) 2.0 के तहत राज्य स्तरीय स्वीकृति एवं निगरानी समिति (एसएलएसएमसी) की तीसरी बैठक में राज्य के 60 शहरी स्थानीय निकायों में 2,646 लाभार्थियों के लिए आवास परियोजनाओं को मंजूरी दी गई।

बैठक में 51 शहरी स्थानीय निकायों के 2,409 लाभार्थियों की परियोजनाओं को मंजूरी दी गई। इसी दौरान 9 अन्य शहरी स्थानीय निकायों से 237 अतिरिक्त लाभार्थियों की परियोजनाएं भी प्राप्त हुईं। समिति द्वारा इनकी भी स्वीकृति प्रदान की गई। इस प्रकार इस चरण में कुल 60 शहरी स्थानीय निकायों के 2,646 लाभार्थियों को मंजूरी दी गई।

हाउसिंग फॉर ऑल विभाग के आयुक्त एवं सचिव मोहम्मद शाइन ने जानकारी दी कि केंद्र सरकार के यूनिफाइड वेब पोर्टल के माध्यम से अब तक 1,69,483 आवेदकों ने अपनी आवास मांग दर्ज कराई है। इनमें से 97,584 आवेदन बेनिफिशियरी लेड कंस्ट्रक्शन (बीएलसी) श्रेणी में हैं, जबकि 71,899 आवेदन अफोर्डेबल हाउसिंग इन पार्टनरशिप (एएचपी) श्रेणी में हैं। बीएलसी श्रेणी के अंतर्गत अब तक 46,902 आवेदनों का सत्यापन किया जा चुका है। इनमें से 17,465 आवेदन स्वीकृत किए गए हैं और 29,437 आवेदन जांच के बाद अस्वीकृत किए गए हैं। इसके अलावा, 12,552 मकानों की जियो-टैगिंग भी की जा चुकी है, जो लाभार्थियों को केंद्रीय सहायता जारी करने के लिए एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है।

पीएमएवाई-यू 2.0 के तहत 17,430 लाभार्थियों की आवास परियोजनाओं को केंद्र सरकार द्वारा मंजूरी दी जा चुकी है। यह मंजूरी 20 मार्च, 2025 और 15 अक्टूबर, 2025 को हुई केंद्रीय स्वीकृति एवं निगरानी समिति की बैठकों में दी गई। इसके साथ ही, केंद्र सरकार द्वारा 2,174 मकानों के लिए केंद्रीय हिस्से की पहली किस्त के रूप में 1,304.40 लाख रुपये जारी किए जा चुके हैं। पीएमएवाई-यू 2.0 के बीएलसी घटक के तहत पात्र लाभार्थियों को सभी मौसमों के अनुकूल बहुमंजिला पक्का मकान बनाने के लिए 2.50 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इसमें 1.50 लाख केंद्र सरकार और 1.00 लाख राज्य सरकार का हिस्सा होता है। मकान का न्यूनतम कार्पेट एरिया 30 वर्ग मीटर तथा अधिकतम 45 वर्ग मीटर निर्धारित किया गया है। बैठक में वित्त वर्ष 2025-26 और 2026-27 के लिए वार्षिक क्षमता निर्माण योजनाओं को भी मंजूरी दी गई, ताकि राज्य और शहरी स्तर पर योजना के क्रियान्वयन तंत्र को और मजबूत किया जा सके।

सिरसा में प्रियदर्शिनी उड़ान योजना के तहत सैनिटरी पैड वितरण

सिटी दर्पण संवाददाता
सिरसा

अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की प्रियदर्शिनी उड़ान योजना के अंतर्गत मंगलवार को सिरसा में सैनिटरी पैड वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं एवं बालिकाओं को सैनिटरी पैड वितरित किए गए तथा स्वच्छता, स्वास्थ्य और जागरूकता को लेकर संवाद किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई। वे सिरसा के अंबेडकर चौक पर पहुंची और बाबा साहेब की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करके नमन किया। वक्ताओं ने कहा कि बाबा साहेब के विचार आज भी समाज को समानता, अधिकार और न्याय के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। इस अवसर पर सिरसा की सांसद, कांग्रेस की महासचिव एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा ने कहा कि

महिलाओं के स्वास्थ्य, गरिमा और आत्मसम्मान से जुड़े विषयों पर जागरूकता बढ़ाना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आज भी अनेक महिलाएं जागरूकता और संसाधनों के अभाव में बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं, ऐसे में इस प्रकार की पहल उन्हें सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने अपने संबोधन में वर्तमान राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों पर भी विचार व्यक्त करते हुए कहा कि संविधान के मूल मूल्यों के साथ छेड़छाड़ नहीं होनी चाहिए तथा समाज में विभाजन की स्थिति चिंताजनक है। उन्होंने महिला आरक्षण को लेकर पारदर्शिता की आवश्यकता बताई और किसानों की समस्याओं का भी जिक्र किया।

बच्चों को पसंद आई स्पाइडर मैन, आयरन मैन, मंकी माउस और टॉम कैटेगिरी की पतंगे

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

धर्मनगरी में प्रदेश का पहला बैसाखी महोत्सव में अंतरराष्ट्रीय पतंग पवेलियन आकर्षण का केंद्र बना रहा है। यहां प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के अलावा अधिकारियों, पुलिस कर्मियों, आमजन, बच्चों व बुजुर्गों तक ने पतंगों को उड़ाया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बैसाखी महोत्सव पर आधारित 6 फीट लंबी पतंग को उड़ा कर ही पवेलियन के आयोजन की शुरूआत की थी। महोत्सव में आने वाले नागरिकों ने वन लाइन हंडर्ड काइट पहली पसंद रही है। अंतरराष्ट्रीय पतंग संस्थान ने करीब 50 प्रकार के पतंगों को उड़ाकर बैसाखी महोत्सव का समां बांधे रखा। बैसाखी मेला का लुत्फ उठाने बच्चों ने मनोरंजन स्थल के साथ-साथ पतंग पैवेलियन में पतंगों के साथ मस्ती की। बच्चों को पतंग पैवेलियन में स्पाइडर मैन, आयरन मैन, मंकी माउस और टॉम कैटेगरी की पतंगें खूब पसंद आई।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि बैसाखी का त्योहार रबी की फसल कटाई, मौसम परिवर्तन सहित अनेक प्रकार की खुशियों, उत्साह व उल्लास को लेकर आता है। प्रदेश में पहली बार आयोजित हो रहे बैसाखी महोत्सव में हर वर्ग को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम तय किए गए हैं। पतंग पैवेलियन इनमें से एक है। यहां पर इंडियन फ्लैग ट्रेन काइट, सीएम के लिए बैसाखी महोत्सव 6 फीट काइट, स्पाइडर मैन काइट, आयरन मैन काइट, लेडी बग, मैकी माउस, टॉम काइट जैसी अनेक प्रकार की पतंगे शामिल रही।

बैसाखी मेले में आकर्षण का केन्द्र रही विरासत सांस्कृतिक प्रदर्शनी

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

ब्रह्मसरोवर पर आयोजित बैसाखी महोत्सव 2026 के हरियाणा पैवेलियन में ह्यविरासतह्ल सांस्कृतिक प्रदर्शनी सभी पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र बनी। दो दिन तक चली इस प्रदर्शनी का अवलोकन हजारों पर्यटकों ने किया। विरासत सांस्कृतिक प्रदर्शनी हरियाणवी लोक सांस्कृतिक विरासत के माध्यम से अपनी अलग छाप छोड़ रही है। यह जानकारी विरासत दि हेरिटेज विलेज कुरुक्षेत्र के संयोजक अभिनव ने दी।

उन्होंने बताया कि यहां पर बनाए गए सेल्फी प्वाइंट्स पगड़ी बंधाओ, फोटो खिंचाओ इवेंट ने पर्यटकों को अपनी ओर सबसे ज्यादा आकर्षित किया। यहां पर दिखाये गये चारपाई पर बैठे बुजुर्ग और हुक्के के साथ सबसे ज्यादा सेल्फी ली गई इसके साथ ही हरियाणा की चक्की, 100 साल पुरानी बैलगाड़ी, पहियों के साथ भी पर्यटकों ने फोटो खींचकर कैमरे में कैद किये।

अभिनव ने बताया कि यहां पर खेतीबाड़ी के औजार जेली और टांगली, अनाज बीजणे के लिए प्रयोग किए जाने वाल ओरणे, ऊंट पर बैठने के लिय प्रयोग की जाने वाली कूच्ची व कूंऐ से पानी निकालने के लिए प्रयोग किए जाने वाले डोल भी पर्यटकों को अपनी ओर लुभाते रहे। यहां पर हरियाणा के लोक परिधान के प्रतीक के रूप में हरियाणवी दाम्मण, चुनरी, खारा, घागरा, इंडी व बीजणे सभी को प्रदर्शित किया गया है। इतना ही नहीं यहां पर हरियाणवी लोक परंपरा में प्रयोग किए जाने वाले असंख्य पुराने बर्तनों ने पर्यटकों को खूब लुभाया। इसके साथ ही यहां पर कुएं में सामान निकालने के लिए प्रयोग किए जाने वाले कांटे एवं बिलाई भी लोगों को खूब पसंद आए। इसके साथ ही विरासत सांस्कृतिक प्रदर्शनी में हरियाणा की लोककलात्मक विषय-वस्तुओं पीढ़ा-चारपाई, चरखा, रेज्जा रंगने के ब्लॉक, कुम्हार द्वारा चाक पर बनाये गए बर्तन, पुराने तालों को जिस तरीके से सहेजा गया है वह भी पर्यटकों को अपनी ओर फोटो खींचने के लिए आकर्षित कर रहे हैं। विरासत के संयोजक अभिनव ने

बताया कि दरी बनाने की परंपरा, हरियाणा की बुणाई कला, फुलझड़ी कला, हरियाणवी गुड्डे-गुडिया भी पर्यटकों को खूब भाई। इसके साथ ही मुढ़ा बनाने की परंपरा को भी इस लोक सांस्कृतिक विरासत के माध्यम से हरियाणा की संस्कृति का खूब प्रचार-प्रसार हुआ। हरियाणा के पर्यटन एवं सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा आयोजित की गई इस प्रदर्शनी के लिए विरासत की ओर से हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी एवं कुरुक्षेत्र के जिला उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा (आईएएस), अतिरिक्त उपायुक्त विवेक आर्य तथा लोक संपर्क विभाग के डीपीआरओ डॉ. नरेन्द्र सिंह का आभार व्यक्त किया।

बैसाखी मेले के अवसर पर विरासत द्वारा लगाई सांस्कृतिक प्रदर्शनी का अवलोकन हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के ओएसडी डॉ. प्रभलीन एवं जिला उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा (आईएएस) ने किया। उन्होंने कहा कि विरासत प्रदर्शनी के माध्यम से हरियाणा के गांवों की सांस्कृतिक झलक देखने को मिलती है। इस प्रदर्शनी में हरियाणा के ग्रामीण काम-धन्धों को प्रदर्शित किया गया है। उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शनी बैसाखी समारोह में पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र बनी हुई है। इस प्रदर्शनी के माध्यम से गांव की जो झलक प्रस्तुत की गई है वह सभी ग्रामीणों के लिए आकर्षण बनी है। इस अवसर पर दोनों ही मेहमानों को हरियाणा की पगड़ी बांधकर उनका सम्मान किया गया तथा विरासत की ओर से हरियाणा की लोककला का प्रतीक सांझी स्मृति चिह्न भेंट किया गया।

विरासत सांस्कृतिक प्रदर्शनी में हरियाणवी पगड़ी के अलग-अलग स्वरूप पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित कर रहे हैं। पगड़ी बंधाओ, फोटो खिंचाओ स्टॉल के माध्यम से हरियाणवी पगड़ी को खूब लोकप्रियता मिल रही है। खादर, बांगर, बागड़, बृज, मेवात, अहीरवाल के साथ-साथ सिक्ख पगड़ी भी बैसाखी उत्सव में पर्यटकों के मन को मोह रही है। पगड़ी की परंपरा का इतिहास हजारों वर्ष पुराना है। इसी परंपरा को मध्य नजर रखते हुए हरियाणा की पगड़ी के अलग-अलग स्वरूप पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र बने हुए हैं। छोटे बच्चे हरियाणवी पगड़ी बंधवाकर सेल्फी लेने के अवसर चूक नहीं रहे हैं। इस दृष्टि से बैसाखी उत्सव में हरियाणवी पगड़ी के रंग बैसाखी के संग खूब देखने को मिले।

विरासत सांस्कृतिक प्रदर्शनी में 100 साल से अधिक पुराने ताले जहां एक ओर अपनी विविधता को दर्शा रहे हैं वहीं पर दूसरी ओर अपने सांस्कृतिक इतिहास को भी बता रहे हैं। सिकलीगर जाती के लोगों का इतिहास ताले बनाने का रहा है। विरासत प्रदर्शनी में अनेक प्रकार के ताले जिनमें कमानी वाले ताले, अलीगढ़ी ताले, मुगली ताले जिनका संबंध मुगल काल से है, न्यौल ताले, हथकड़ी ताले सभी अपनी विविधता के चलते पर्यटकों को आकर्षित कर रहे हैं। यहां पर सिकलीगर कैंची को राहते हुए भी लोगों का अपनी ओर ध्यान खींच रहा है।

संपादकीय

लोकसभा में 850 सीटें और परिसीमन का नया अध्याय

भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में 14 अप्रैल 2026 का दिन एक महत्त्वपूर्ण मोड़ के रूप में दर्ज होगा। केंद्र सरकार ने संविधान (एक सौ इकत्तीसवाँ संशोधन) विधेयक, 2026 के माध्यम से लोकसभा की सीटों की संख्या 543 से बढ़ाकर 850 करने का ऐतिहासिक प्रस्ताव रखा है। यह प्रस्ताव संसद के विशेष सत्र में 16 और 17 अप्रैल को पेश किया जाएगा। इसके साथ ही परिसीमन विधेयक 2026 भी लाया जा रहा है, जो 2002 के परिसीमन अधिनियम को निरस्त कर उसकी जगह लेगा। यह सब मिलकर भारत की प्रतिनिधित्व प्रणाली में एक आमूल-चूल बदलाव का संकेत देते हैं। लोकसभा की 543 सीटों की संख्या 1977 से अपरिवर्तित है। यह स्थिति 1976 के 42वें संविधान संशोधन के कारण बनी, जिसने परिसीमन को वर्ष 2001 के बाद की जनगणना तक स्थगित कर दिया था। बाद में 84वें संशोधन ने इस स्थगन को 2026 तक और बढ़ा दिया। इसका परिणाम यह हुआ कि भारत की संसदीय प्रतिनिधित्व व्यवस्था आज भी 1971 की जनगणना के आधार पर चल रही है, जबकि देश की जनसंख्या उस समय से लगभग तीन गुना हो चुकी है। 1971 में भारत की जनसंख्या लगभग 54.8 करोड़ थी जो आज बढ़कर 1.4 अरब से अधिक हो गई है। इस विशाल जनसंख्या वृद्धि के बावजूद संसदीय क्षेत्रों का आकार नहीं बदला, जिससे निर्वाचन क्षेत्रों में भारी असमानता आ गई है। उत्तर प्रदेश या बिहार के एक लोकसभा क्षेत्र में लाखों मतदाता होते हैं, जबकि छोटे राज्यों के क्षेत्रों में उसका एक अंश भी नहीं। यह असंतुलन लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व के मूल सिद्धांत के विरुद्ध है। प्रस्तावित संशोधन के तहत संविधान के अनुच्छेद 81 में बदलाव किया जाएगा, जिससे लोकसभा में अधिकतम 815 सदस्य राज्यों से और 35 सदस्य केंद्रशासित प्रदेशों से चुने जाएंगे, यानी कुल सीटें 850 हो जाएंगी। यह संख्या न केवल संसद को अधिक प्रतिनिधित्वपूर्ण बनाएगी, बल्कि जनगणना आधारित नई वास्तविकताओं को भी संवैधानिक स्वीकृति देगी। इस विधेयक का दूसरा और अत्यंत महत्त्वपूर्ण पहलू है – परिसीमन को जनगणना से अलग करना। संविधान के अनुच्छेद 82 के तहत अभी यह अनिवार्य है कि परिसीमन 2026 के बाद की पहली जनगणना के आधार पर हो। प्रस्तावित संशोधन इस प्रावधान को पूरी तरह हटाने की बात करता है, जिससे 2026-27 की जनगणना से पहले ही परिसीमन हो सकेगा। इसका सीधा अर्थ है कि परिसीमन 2011 की जनगणना के आंकड़ों के आधार पर हो सकेगा, जो अभी उपलब्ध सबसे नवीनतम जनगणना डेटा है। सरकार का तर्क है कि अगली जनगणना और उसके बाद के परिसीमन में काफी समय लगेगा, जिससे महिला आरक्षण लागू करने में और देरी होगी। यह तर्क न केवल व्यावहारिक है बल्कि राजनीतिक रूप से भी अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। 2023 में पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम (महिला आरक्षण अधिनियम) में महिलाओं को लोकसभा और विधानसभाओं में एक-तिहाई सीटें देने का प्रावधान है, लेकिन इसे परिसीमन से जोड़ दिया गया था। वर्तमान विधेयक अनुच्छेद 334A में संशोधन का प्रस्ताव करता है, ताकि परिसीमन के तुरंत बाद महिला आरक्षण लागू हो सके। इसमें यह भी प्रावधान है कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की महिलाओं के लिए आरक्षित सीटें उन्हीं वर्गों के लिए पहले से आरक्षित क्षेत्रों में रोटेशन के आधार पर तय होंगी। यह एक दूरदर्शी कदम है जो महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को वास्तविक रूप देने की दिशा में आगे बढ़ता है। परिसीमन विधेयक 2026 के तहत एक स्वतंत्र परिसीमन आयोग गठित किया जाएगा जिसकी अध्यक्षता सर्वोच्च न्यायालय के वर्तमान या पूर्व न्यायाधीश करेंगे। इसमें मुख्य चुनाव आयुक्त या नामित चुनाव आयुक्त और संबंधित राज्य के राज्य चुनाव आयुक्त पदेन सदस्य होंगे। यह संरचना आयोग की निष्पक्षता और संवैधानिक विश्वसनीयता को सुनिश्चित करती है। परिसीमन आयोग के आदेश, गजट में प्रकाशन के बाद, कानून का बल रखेंगे और किसी भी न्यायालय में उन्हें चुनौती नहीं दी जा सकेगी। यह प्रावधान निर्णयों की अंतिमता और शीघ्र कार्यान्वयन की दृष्टि से आवश्यक है। हालाँकि, इस प्रस्ताव के साथ कुछ गंभीर राजनीतिक चिंताएँ भी जुड़ी हुई हैं। दक्षिणी राज्यों – तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना – ने गहरी आपत्ति व्यक्त की है। उनका तर्क है कि जनसंख्या आधारित सीट विस्तार उन्हें उनकी सफल जनसंख्या नियंत्रण नीतियों के लिए दंडित करेगा। यह एक न्यायसंगत चिंता है, क्योंकि दशकों तक परिवार नियोजन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले राज्यों को यदि प्रतिनिधित्व में नुकसान उठाना पड़े, तो यह नीतिगत विसंगति होगी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार राज्यों के साथ उचित परामर्श के बिना संवैधानिक संशोधन को 'बुलडोज' करना चाहती है। विपक्षी दलों का एक वर्ग यह भी माँग कर रहा है कि परिसीमन 2021 की जनगणना के आधार पर हो न कि 2011 की। विपक्ष की एक और माँग यह है कि महिला आरक्षण में पिछड़े वर्गों की महिलाओं के लिए 'कोटे के अंदर कोटे' का प्रावधान किया जाए। यह माँग सामाजिक न्याय की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण है और इस पर गंभीर विचार-विमर्श आवश्यक है। 850 सीटों की यह नई व्यवस्था यदि लागू होती है, तो प्रत्येक सांसद एक छोटे निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करेगा, जिससे जनता और जनप्रतिनिधि के बीच की दूरी कम होगी और जवाबदेही बढ़ेगी। इसके अलावा 307 नई सीटें राजनीतिक दलों के लिए नई संगठनात्मक और चुनावी संभावनाओं के द्वार खोलेंगी। यह विधेयक भारत के लोकतांत्रिक ढाँचे में पाँच दशकों की जड़ता को तोड़ने का साहसिक प्रयास है। संसद में बहुमत के साथ इसे पारित कराना सरकार के लिए संभव है, किंतु इसकी सामाजिक और राजनीतिक स्वीकार्यता के लिए व्यापक सहमति अनिवार्य है। दक्षिण बनाम उत्तर की खाई पाटे बिना यह सुधार अधूरा रहेगा। सरकार को चाहिए कि वह सभी राज्यों को विश्वास में लेकर एक 'क्षतिपूर्ति सिद्धांत' तैयार करे, जिससे जनसंख्या नियंत्रण में अग्रणी रहे राज्यों को नुकसान न हो। अंततः यह विधेयक केवल सीटें बढ़ाने का मामला नहीं है – यह 140 करोड़ नागरिकों के लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व को युग के अनुरूप बनाने की आवश्यकता है। यदि इसे समझदारी, समावेश और सर्वसम्मति के साथ लागू किया गया, तो यह भारत के संसदीय लोकतंत्र को नई ऊँचाइयों पर ले जा सकता है।

रील, व्लॉग और बकवास

डॉ. प्रियंका सौरभ (हि.स)

आज के समय में अगर कोई सबसे तेजी से फैलने वाली चीज है तो वह है–'बकवास'। फर्क बस इतना है कि अब यह बकवास चाय की दुकानों या चौपालों तक सीमित नहीं रही, बल्कि स्मार्टफोन की स्क्रीन पर सजकर 'रील' और 'व्लॉग' के नाम से पूरे समाज में ब्रॉडकास्ट हो रही है। एक समय था जब युवा अपने सपनों के लिए जागते थे। आज वे नोटिफिकेशन के लिए जागते हैं। पहले लक्ष्य तय होते थे, अब ट्रेंड तय होते हैं। पहले मेहनत पर ताली बजती थी, अब बकवास पर लाइक और शेयर मिलते हैं। यही वह बदलाव है, जिसने युवा पीढ़ी को धीरे-धीरे एक ऐसी दिशा में धकेल दिया है, जहां शोर तो बहुत है, लेकिन सार बिल्कुल नहीं। रील और व्लॉग जो मूल रूप से रचनात्मकता और अभिव्यक्ति के माध्यम हो सकते थे, आज एक ऐसी दौड़ का हिस्सा बन चुके हैं, जहां गुणवत्ता नहीं, बल्कि 'वायरल' होना सबसे बड़ा लक्ष्य है। इस दौड़ में कंटेंट नहीं, कंटेंट का शोर मायने रखता है। जितना ज्यादा विचित्र, जितना ज्यादा सनसनीखेज, उतनी ही ज्यादा लोकप्रियता। ऐसे में गंभीरता, संवेदनशीलता और ज्ञान जैसे शब्द धीरे-धीरे हाशिये पर चले जाते हैं।

युवा पीढ़ी का एक बड़ा हिस्सा आज 'कंटेंट क्रिएटर' बनने की होड़ में है, लेकिन यह कोई नहीं सोच रहा कि वे क्या बना रहे हैं और क्यों बना रहे हैं। कैमरा ऑन होते ही अभिनय शुरू हो जाता है और कैमरा ऑफ होते ही वास्तविकता का खालीपन सामने आ जाता है। यह एक ऐसी दुनिया है, जहां दिखावा ही असली पहचान बन चुका है। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि इस बकवास को अब सामान्य और स्वीकार्य मान लिया गया है। जो जितना अधिक समय स्क्रीन पर बिताता है, उसे उतना ही 'अपडेटेड' माना जाता है। जबकि सच्चाई यह है कि यह अपडेट नहीं, बल्कि एक प्रकार की मानसिक थकान और दिशाहीनता है।

आज का युवा घंटों यह सोचने में लगा रहता है कि अगली रील में क्या दिखाना है, लेकिन यह सोचने का समय नहीं निकालता कि जीवन में क्या करना है। यह विडंबना ही है कि जिस पीढ़ी के पास सबसे अधिक संसाधन हैं, वही सबसे अधिक भ्रमित और बिखरी हुई दिखाई देती है। यह समस्या केवल समय की बरबादी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सोचने की क्षमता को भी प्रभावित कर रही है। लगातार छोटे-छोटे वीडियो देखने की आदत ने ध्यान केंद्रित करने की क्षमता को कमजोर कर दिया है। गहराई से सोचने, पढ़ने और समझने की प्रवृत्ति कम होती जा रही है।

व्लॉग और रील्स के इस दौर में एक और खतरनाक प्रवृत्ति उभरकर सामने आई है–दूसरों की नकल। मौलिकता की जगह कॉपी-पेस्ट ने ले ली है। कोई ट्रेंड चल पड़ा, तो हर कोई उसी को दोहराने लगता है। इस प्रक्रिया में न तो कुछ नया पैदा होता है और न ही कोई सार्थक संदेश जाता है। बस एक जैसी बकवास का अंबार लग जाता है। समाज पर इसका प्रभाव भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। संवाद की जगह प्रदर्शन ने ले ली है। लोग अब जीने से ज्यादा दिखाने में विश्वास करने लगे हैं। हर छोटी-बड़ी घटना को कैमरे में कैद करना जरूरी हो गया है. चाहे वह निजी हो या संवेदनशील। यह प्रवृत्ति न केवल निजता को खत्म कर रही है, बल्कि संवेदनाओं को भी कमजोर बना रही है।

यह कहना गलत नहीं होगा कि हम एक ऐसे दौर में प्रवेश कर चुके हैं, जहां 'बकवास' एक उद्योग बन चुका है। इसमें समय भी लग रहा है, पैसा भी लग रहा है और सबसे बड़ी बात युवा पीढ़ी की ऊर्जा भी लग रही है। लेकिन इसके बदले में क्या मिल रहा है? कुछ लाइक्स, कुछ फॉलोअर्स और एक झूठी संतुष्टि, जो कुछ ही पलों में खत्म हो जाती है। इस स्थिति से बाहर निकलने के लिए सबसे पहले हमें यह स्वीकार करना होगा कि समस्या है। जब तक हम इसे केवल मनोरंजन कहकर नजरअंदाज करते रहेंगे, तब तक इसका समाधान संभव नहीं है।

युवा पीढ़ी को यह समझना होगा कि हर ट्रेंड का हिस्सा बनना जरूरी नहीं है। हर रील बनाना जरूरी नहीं है। और सबसे महत्वपूर्ण–हर बकवास को देखना और शेयर करना जरूरी नहीं है। जरूरत है एक संतुलन की। तकनीक का उपयोग करें, लेकिन उसके गुलाम न बनें। रील बनाएं, लेकिन उसमें सार हो। व्लॉग करें, लेकिन उसमें सच्चाई हो। अगर हम इस माध्यम को सही दिशा में उपयोग करें, तो यह एक शक्तिशाली साधन बन सकता है। लेकिन अगर इसे यूं ही बकवास का माध्यम बनने दिया गया तो यह पीढ़ी को केवल शोर और खालीपन ही देगा।

अंत में, यह याद रखना जरूरी है कि भविष्य लाइक्स और व्यूज से नहीं बनता, बल्कि मेहनत, अनुशासन और सही दिशा से बनता है। अगर युवा पीढ़ी ने समय रहते इस अंतर को नहीं समझा, तो रील, व्लॉग और बकवास केवल एक प्रवृत्ति नहीं, बल्कि एक गंभीर सामाजिक संकट बन जाएगा। आज सवाल यह नहीं है कि कौन सा वीडियो वायरल हो रहा है, बल्कि यह है कि कौन सा विचार जीवित रह रहा है, क्योंकि यही विचार समाज को दिशा देते हैं।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

भारत की औषधि रणनीति पैमाने से नवाचार की ओर बढ़ रही है, ताकि देश को बायोफार्मा और उच्च-मूल्य वाले चिकित्सा विज्ञान के केंद्र के रूप में स्थापित किया जा सके

जगत प्रकाश नड्डा

वैश्विक स्तर पर, कुल औषधि राजस्व में बायोलॉजिक, बायोसिमिलर और विशेष दवाओं की हिस्सेदारी 40 प्रतिशत से अधिक हो गयी है। लंबे समय से जेनरिक दवाओं में अग्रणी देश होने के कारण 'विश्व की फामेर्सी' के रूप में प्रसिद्ध भारत का औषधिउद्योग अब पैमाने से नवाचार की ओर आगे बढ़ने के लिए तैयार है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, भारत सरकार भविष्य के अनुरूप एक नीतिगत रूपरेखा को गति दे रही है, ताकि देश जेनरिक दवाओं में अपनी मजबूत स्थिति बनाए रखते हुए इन उभरते क्षेत्रों में अधिक हिस्सेदारी प्राप्त कर सके।

केंद्रीय बजट 2026-27 में 10,000 करोड़ के मिशन बायोफार्मा निर्माण शक्ति की घोषणा इस दिशा में एक निर्णायक कदम को रेखांकित करती है। यह अगले 8 से 10 वर्षों में भारत को बायोफार्मा नवाचार और उच्च मूल्य वाली चिकित्सा सेवाओं के वैश्विक केन्द्र बनाने के देश के संकल्प का संकेत देती है। यह विजन गहरी वैज्ञानिक क्षमताओं के निर्माण, नवाचार-आधारित उद्यमों को बढ़ावा देने और भारत को अगली पीढ़ी की दवाओं के क्षेत्र में एक अग्रणी देश के रूप में उभरने में सक्षम बनाने पर आधारित होगा।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य बायोलॉजिक्स, बायोसिमिलर और उन्नत चिकित्सीय क्षेत्रों में घरेलू क्षमताओं को गति देना है। यह कार्यक्रम औषधि विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग और जैव प्रौद्योगिकी विभाग की मौजूदा पहलों का पूरक है, जैसे फार्मा मेडटेक क्षेत्र में अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देना (पीआरआईपी), अनुसंधान विकास और नवाचार योजना, बायोनेस्ट आदि, जिनका उद्देश्य जैव- औषधिसमेत जीवन विज्ञान क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देना है। ये पहलें भारत के नवाचार इकोसिस्टम को मजबूत करने, उद्योग-अकादमी सहयोग को बढ़ावा देने तथा जेनेरिक दवाओं से नवाचार संचालित दवा अनुसंधान और विकास की ओर बदलाव को सक्षम करने के लिए डिजाइन की गई हैं।

इस रणनीति का एक महत्वपूर्ण स्तंभ किण्वन-आधारित निर्माण क्षमताओं का विकास करना है। एंटिबायोटिक, वैक्सीन, एंजाइम और बायोलॉजिक्स के निर्माण में इसकी महत्त्वपूर्ण भूमिका के बावजूद, यह क्षेत्र लंबे समय से आयात पर निर्भर रहा है। अवसंरचना में निवेश करके, प्रौद्योगिकी विकास और हस्तांतरण को सुविधाजनक बनाकर तथा लक्षित प्रोत्साहन प्रदान करके, भारत इस रणनीतिक क्षेत्र में घरेलू क्षमता का निर्माण करने और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के लिए काम कर रहा है।

भारत के नैदानिक अनुसंधान इकोसिस्टम का विस्तार भी समान रूप से महत्वपूर्ण है। 1,000 मान्यता प्राप्त नैदानिक प्रयोग केंद्र स्थापित किये जायेंगे, जो वैश्विक दवा विकास गंतव्य के रूप में भारत की स्थिति को बेहतर बनायेंगे। अपनी लागत लाभ और कुशल शोधकताओं की बढ़ती संख्या के साथ, भारत कुशल और उच्च गुणवत्ता वाले नैदानिक प्रयोग के लिए असाधारण अवसर प्रदान करता है। साथ ही, नियामक व्यवस्था को मजबूत करने और संस्थागत क्षमताओं को बढ़ाने से भारत की मौजूदा व्यवस्था वैश्विक मानकों के अधिक अनुरूप होगी, जिससे तेज अनुमोदन संभव होंगे और वैश्विक हितधारकों के बीच विश्वास बढ़ेगा।

पिछले कुछ वर्षों में, भारत ने पीएलआई और थोक दवा (बल्क ड्रग) पार्क योजनाओं के सहारेसक्रिय औषधि सामग्री (एपीआई) और मुख्य आरंभिक सामग्रियों (केएसएम) के स्थानीय उत्पादन में तेजी से प्रगति हुई है। इससे देश में दवाओं की कीमतें घटाने में मदद मिली है, जो विश्व स्तर पर सबसे कम कीमतों में से एक है और इसके कारण नागरिकों के लिए स्वास्थ्य देखभाल की लागत किफायती बनी रहती है। प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना ने सस्ती कीमतों पर गुणवत्ता युक्त जेनेरिक दवाओं तक पहुंच का विस्तार किया है, जिसके तहत 19,000 से अधिक जनऔषधि केंद्र लाखों लोगों की सेवा कर रहे हैं। कैंसर और दुर्लभ रोगों की दवाओं जैसी महत्वपूर्ण चिकित्सा प्रक्रियाओं पर सीमा-शुल्क को सुव्यवस्थित करने जैसे पूरक उपायजीवन रक्षक उपचारों तक पहुंच को और सुलभ बना रहे हैं। जैसे-जैसे उन्नत चिकित्सा प्रक्रियाएं अधिक व्यापक होंगी, किफायती दर और समान पहुंच सुनिश्चित करना केंद्रीय नीति की प्राथमिकता बनी रहेगी।

जैसे-जैसे उद्योग विकसित हो रहा है, भारत का उद्देश्य न केवल स्थापित बाजारों में बल्कि उभरते क्षेत्रों में, विशेष रूप से नवाचार-संचालित क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति को मजबूत करना है। सुधार,इस बदलाव के केंद्र में हैं। नियामक समन्वय, अनुमोदन प्रक्रियाओं का डिजिटलीकरण और तेजी से मंजूरी जैसे प्रयास व्यापार करने में आसानी को बढ़ा रहे हैं। गुणवत्ता मानकों और नियामक प्रक्रियाओं को सुदृढ़ बनाने से भारतीय औषधि उत्पादों पर वैश्विक विश्वास की निरंतरता सुनिश्चित होती है। हालांकि, आरएंडडी निवेश बढ़ाना एक प्रमुख चुनौती बनी हुई है। इसका समाधान करने के लिए, सार्वजनिक-निजी सहयोग को मजबूती देना आवश्यक होगा, ताकि दीर्घकालिक नवाचार को बनाए रहा जा सके।

नीतिगत समर्थन, तकनीकी प्रगतिऔर बाजार का आपसी समन्वय; औषधि क्षेत्र के लिए विकास का एक अद्वितीय अवसर प्रस्तुत करता है। भारत का घरेलू बाजार, जिसका मूल्य पहले से ही 4 लाख करोड़ से अधिक है, निरंतर विस्तार के लिए तैयार है। अगले दशक में, भारत न केवल जेनेरिक दवाओं में एक अग्रणी देश के रूप में, बल्कि नवोन्मेषी दवाओं, किण्वन-आधारित उत्पादों और अगली पीढ़ी की चिकित्सा-सेवाओं में भी एक शक्तिशाली केंद्र के रूप में उभरने के लिए बेहतर स्थिति में है।

निष्कर्ष के तौर पर, भारत का औषधि क्षेत्र नए चरण में प्रवेश कर रहा है, जो नवाचार, सुदृढ़ता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा द्वारा परिभाषित होता है। बायोफार्मा शक्ति कार्यक्रम जैसी पहलों, नैदानिक अवसंरचना के विस्तार और लक्षित निर्माण प्रोत्साहनों के समर्थन से, भारत धीरे-धीरे मात्रा-संचालित जेनेरिक दवा केंद्र से उच्च-मूल्य वाले बायोफार्मा नवाचार अग्रणी देश की ओर आगे बढ़ रहा है। यह परिवर्तन, वैश्विक स्वास्थ्य देखभाल में भारत की भूमिका को मजबूत करने और माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विजन,विकसित भारत 2047 के व्यापक लक्ष्यों को हासिल करने में केंद्रीय भूमिका निभाएगा।

(लेखक केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन और उर्वरक मंत्री हैं)

आज का राशिफल

मेष: आज आप व्यस्तता के बावजूद अपनों के लिए समय निकाल पाएंगे, जिससे रिश्तों में मिठास बढ़ेगी। मित्रों के साथ समय बिताने से मन हल्का और खुश रहेगा। आंखों से जुड़ी छोटी परेशानी को नजरअंदाज न करें। नौकरी या व्यवसाय में सुधार के प्रयास सफल हो सकते हैं। *(सिटी दर्पण)*

वृषभ: दिन संतुलित और व्यवस्थित रहेगा। नकारात्मक लोगों से दूरी बनाए रखना आपके लिए लाभकारी साबित होगा। बच्चों की गतिविधियों पर ध्यान देना जरूरी रहेगा। वैवाहिक जीवन में तालमेल बना रहेगा। शिक्षा या रिसर्च से जुड़े लोगों को कोई खास उपलब्धि मिल सकती है। *(सिटी दर्पण)*

मिथुन: आज आपकी कोई पुरानी इच्छा पूरी हो सकती है। सकारात्मक और आध्यात्मिक लोगों से मुलाकात आपको प्रेरित करेगी। परिवार में किसी की बात आपको आहत कर सकती है, इसलिए भावनाओं को संतुलित रखें और किसी पर जरूरत से ज्यादा भरोसा करने से बचें। *(सिटी दर्पण)*

कर्क: जल्दबाजी में लिया गया निर्णय नुकसान दे सकता है, खासकर व्यापार में। उधार लेन-देन से दूरी रखना बेहतर रहेगा। समय का सही उपयोग करें और अनावश्यक कार्यों में ऊर्जा खर्च न करें। युवाओं को गलत संगति से बचने की सलाह दी जाती है। *(सिटी दर्पण)*

सिंह: स्वास्थ्य के लिहाज से थोड़ा सतर्क रहने की जरूरत है। करियर को लेकर आप गंभीर और सजग रहेंगे। वैवाहिक जीवन सुखद रहेगा। व्यापार में सहयोगियों के साथ अहम चर्चा हो सकती है। दैनिक कामों में कुछ बाधाएं आएंगी, लेकिन धार्मिक गतिविधियों में रुचि बढ़ेगी। *(सिटी दर्पण)*

कन्या: दिन की शुरूआत ऊर्जा और सकारात्मक सोच के साथ होगी। परिवार में खुशी और सामंजस्य बना रहेगा। ससुराल पक्ष से अच्छी खबर मिल सकती है। अधूरे कार्य पूरे करने में समय लगेगा। कार्यस्थल पर किसी विश्वसनीय व्यक्ति से धोखा मिलने की आशंका है, इसलिए सतर्क रहें। *(सिटी दर्पण)*

तुला: मानसिक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। करीबी लोगों से अपेक्षित सहयोग न मिलने पर निराशा हो सकती है। अपने व्यवहार और शब्दों पर नियंत्रण रखें। प्रेम संबंधों में विवाद से बचना जरूरी है। आज बड़े फैसले लेने से बचना ही बेहतर रहेगा। *(सिटी दर्पण)*

वृश्चिक: कार्यक्षेत्र में हालात आपके पक्ष में रहेंगे। दोस्तों के साथ समय बिताकर सुकून मिलेगा। समय की बबार्दी से बचें। अहंकार के कारण रिश्तों में दूरी आ सकती है, इसलिए विनम्र बने रहें। जल्दबाजी में कोई बड़ा निर्णय न लें। *(सिटी दर्पण)*

धनु: आज का दिन आपके लिए बेहद शुभ रहेगा। आप अपनी प्रतिभा का पूरा उपयोग कर पाएंगे। विद्यार्थियों को पढ़ाई में सफलता मिलेगी। व्यापार, विशेषकर आयात-निर्यात से जुड़े लोगों के लिए बड़ा अवसर मिल सकता है। स्वास्थ्य भी बेहतर रहेगा। *(सिटी दर्पण)*

मकर: कार्यस्थल पर वरिष्ठों से मतभेद संभव हैं, इसलिए संयम बनाए रखें। रियल एस्टेट में निवेश सोच-समझकर करें। जीवनसाथी आपकी भावनाओं को पूरी तरह समझ नहीं पाएंगे, जिससे मन खिन्न रह सकता है। महिलाएं घरेलू जरूरतों में व्यस्त रह सकती हैं। *(सिटी दर्पण)*

कुंभ: व्यापार में लाभ के संकेत मिल रहे हैं। साझेदारी में नया काम शुरू करने के लिए समय अनुकूल है। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। अपनी दिनचर्या को संतुलित बनाए रखें। शोध और रहस्यमयी विषयों में रुचि बढ़ सकती है। वैवाहिक जीवन सुखद रहेगा। *(सिटी दर्पण)*

मीन: आज खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी है। इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में खराबी से अतिरिक्त खर्च हो सकता है। छोटी बातों पर विवाद से बचें और धैर्य रखें। अपनी उपलब्धियों से असंतोष महसूस हो सकता है। शाम के समय धार्मिक स्थल पर जाने से मानसिक शांति मिलेगी। *(सिटी दर्पण)*

मुद्रा महाठगनी, इसके रूप अनेक!

प्रयाग पाण्डे (हि.स)

जितना पुराना मानव सभ्यता का इतिहास है, मुद्रा का भी इतिहास उतना ही पुराना है। मुद्रा का इतिहास मानव जीवन में क्रमशः आए उत्तरोत्तर परिवर्तनों की दिलचस्प कहानी है। आदिम युग से वर्तमान कम्प्यूटर युग तक मनुष्य के जीवन में हुए परिवर्तनों के साथ मुद्रा के रूपों में भी रोचक बदलाव आए हैं। अपनी विकास यात्रा में मुद्रा ने 'पशुधन' एवं 'वस्तु विनिमय प्रणाली' से डिजिटल इकोनॉमिक तक की एक लंबी यात्रा तय की है। रुपये की जितनी अजब करामात है। उतना ही गजब इतिहास भी। प्राचीनकाल में वस्तुओं का मूल्य अनाज और गाय, बैल आदि पशुओं से आंका जाता था। यह व्यवस्था भारत के अलावा ग्रीस में भी प्रचलित थी। उस काल में धनिकों के धन की माप पशुओं से की जाती थी। आज जो स्थान सोने- चांदी या रुपयों के नोट का है, प्राचीनकाल में यही स्थान पशुओं का था।

वस्तु - विनिमय (अदला-बदली) की व्यवस्था अराजक थी। इसमें आए रोज लड़ाई-झगड़े होते थे। अदला-बदली की व्यवस्था की खामियों से निपटने के लिए हजारों साल पहले सिक्कों का प्रचलन शुरू हुआ। प्राचीनकाल में भारत में सोना, चांदी, तांबा, पत्थर, कौड़ी आदि के सिक्के चलन में आए। वैदिक काल में सोने के सिक्के चलते थे,जिन्हें निष्क, शतनाम, सुवर्ण, पाद आदि नामों से जाना जाता था। कालांतर में चांदी के सिक्के प्रचलन में आए। चांदी के सिक्कों को पण, कार्षापण, विंशतिकी त्रिंशतिकी आदि नामों से जाना जाता था। प्राचीनकाल में जब सिक्के का आविर्भाव हुआ तब सिक्के के धातु का वजन, मूल्य और शुद्धता उसमें निहित थी। राजा इस बात का वचन देता था। सोने के सिक्के स्वयंसिद्ध मुद्रा थे। स्वयंसिद्ध मुद्रा का मूल्य उसके गर्भ में था। जबकि चांदी के सिक्के अर्ध स्वयंसिद्ध मुद्रा थे। पूर्व मध्यकाल में सोने के सिक्के को 'काशु' कहा जाता था।

प्रारंभिक सिक्कों की तौल और बनावट, दोनों निराली थी। ठीक नाप-तौल के प्रमाण स्वरुप चांदी -सोने पर कोई चिह्न बने सिक्कों को मुद्रा कहा जाता था। सिंधु घाटी सभ्यता में भी सिक्कों का प्रचलन था। ईशा पूर्व सातवीं शताब्दी के अंत तक सिक्कों का प्रचलन काफी बढ़ चुका था। भारत में गौतम बुद्ध के कार्यकाल में चांदी के सिक्कों का तौल 40 और 25 रत्ती थी। उस दौर में चांदी के सिक्कों को 'पण' और 'कर्षापण' कहा जाता था। सिक्कों में हाथी, कुत्ते या वृक्षों के ठप्पे अंकित होते थे।

प्राचीनकाल में चांदी और तांबा,सोने से कहीं अधिक मूल्यवान माने जाते थे। चूंकि सोना पृथ्वी के गर्भ में अन्य किसी धातु से अमिश्रित शुद्ध अवस्था में मिलता था। इसलिए सोना सुलभ था। माना जाता है कि संसार में सबसे पहले सिक्कों के लिए सोने को ही प्रयोग में लाया गया था। चूंकि उस दौर में चांदी दुर्लभ थी। चांदी अन्य धातुओं से मिश्रित अवस्था में मिलती थी। चांदी को खानों से निकालना मुश्किल और बेहद श्रमसाध्य था। चांदी को पहले खानों से निकाला जाता था, फिर उसे गलाकर चांदी के पात बनाए जाते थे। इसके बाद टकसालों में चांदी के रुपये ढाले जाते थे। कालांतर में ज्ञान- विज्ञान के क्षेत्र में हुई प्रगति से चांदी को खानों से निकालना सरल हो गया तो चांदी सर्वसुलभ हो गई और सोना दुर्लभ हो गया। तब दक्षिण भारत में सोने के सिक्कों की प्रधानता थी। उत्तर भारत में चांदी के सिक्कों का प्रचलन अधिक था।

दिल्ली सल्तनत के दौरान 1329 ई. में चांदी के सिक्कों के स्थान पर कांसे और तांबे के सिक्के चलाए गए। इन्हें सांकेतिक मुद्रा कहा गया। उस दौर में घर-घर टकसाल बन गए। लोग अपने घरों में खुद ही कांसे और तांबे के सिक्के ढालने लगे थे। सल्तनत को आखिरकार इन सिक्कों को बंद करना पड़ा। इनके स्थान पर सोने और चांदी के 'तंके' जारी करने पड़े। इसके बाद फिरोजशाह तुगलक (1351-1388) ने 'शशगानी' नाम का सिक्का चलाया। ब्रिटिश मुद्रा प्रणाली से प्रेरित होकर शेरशाह सूरी (1540- 1545) ने पुराने घिसे-पिटे सिक्कों के स्थान पर 180 ग्रेन शुद्ध चांदी का रुपया और 380 ग्रेन शुद्ध तांबे का रुपया चलाया। रुपया संस्कृत के शब्द 'रुप्य' या 'रौप्य' का अपभ्रंश है। संस्कृत में चांदी को 'रुप्य' या 'रौप्य' कहते हैं। शेरशाह सूरी के सिक्कों में कूफी के साथ हिंदी में भी लिखा हुआ था। शेरशाह के पुत्र इस्लामशाह के कार्यकाल में सिक्के का पुराना रूप कायम रहा। इस दौर के सिक्कों में भी कूफी के साथ हिंदी में लिखा जाता था लेकिन मुगल बादशाह बाबर, हुमायूं और अकबर के शासनकाल में चले सिक्कों में बादशाहों ने सिक्कों में सिर्फ कूफी में अपने नाम खुदवाए। भारत में हुमायूं ने सबसे पहले फारसी शब्दों का प्रसार किया। इसके बाद अकबर, जहांगीर, औरंगजेब आदि मुगल बादशाहों ने फारसी को खूब बढ़ावा दिया। इस कालखंड में सभी राजकार्य फारसी में ही होते थे। सिक्कों में भी फारसी अक्षरों का उपयोग किया जाता था। सिक्कों से हिंदी शब्द हटा दिए गए थे।

मुगलकाल में बाबर ने 'बाबरी' नाम से चांदी का सिक्का चलाया। अकबर ने 1577 में दिल्ली में एक शाही टकसाल बनवाई और 'मुहर' एवं 'इलाही' नाम से सोने के सिक्के चलाए। अकबर ने 'जलाली' नाम का 175 ग्रेन का चौकोर चांदी का सिक्का और 'दाम' नाम से तांबे का एक सिक्का भी चलाया, जो शेरशाह सूरी द्वारा चलाए गए चांदी के रुपये का 40 वां भाग माना जाता था। अकबर ने अपने कुछ सिक्कों में सीता और राम की मूर्ति अंकित करवाई थी और सिक्कों में देवनागरी में 'राम-सिया' लिखवाया था। जहांगीर ने 'निसार' नाम का एक सिक्का चलाया,जो रुपये के चौथाई मूल्य के बराबर था। टीपू सुल्तान ने 1787 में अपने नाम के सिक्के जारी किए। सिख साम्राज्य के राजा रणजीत सिंह (1792- 1839) ने नानक और गुरु गोविंद सिंह के नाम से सिक्के चलाए। इन सिक्कों में 'नानक सहाय' और 'गोविंद सहाय' उत्कीर्ण कराया था। दिल्ली में ईस्ट इंडिया कंपनी का आधिपत्य कायम हो जाने के बाद मुगलकालीन सिक्कों का प्रचलन बंद कर दिया गया।

मुर्शिदाबाद के जगत सेठ को नवाब ने टकसाल चलाने के लिए अधिकृत किया था। तब भारत के अधिकांश हिस्से में जगत सेठ का रुपया चलता था। भारत में ईस्ट इंडिया कंपनी का शासन स्थापित हो जाने के बाद कंपनी ने जगत सेठ के मुद्रा चलाने के अधिकार को बदस्तूर कायम रखा। जिस दौर में ईस्ट इंडिया कंपनी भारत में आई तब यहां चांदी और सोने के सिक्कों के मान में विविधताएं थीं। बंगाल प्रांत में एक जिले का रुपया दूसरे जिले में नहीं चलता था। अनेक जिलों में विभिन्न मान के रुपये प्रचलन में थे। सोने और चांदी में परस्पर प्रतिस्पर्धा चलती रहती थी। कभी सोना महंगा हो जाता था तो कभी चांदी। फरुर्खाबादी रुपये फरुर्खाबाद, बनारस, सागर और कलकत्ता के टकसालों में ढाले जाते थे। मद्रासी रुपये अलग ढलते थे। ईस्ट इंडिया कंपनी की टकसाल कलकत्ता में थी। यहां रुपयों की ढलाई मशीनों (कल) से होती थी। इसलिए ईस्ट इंडिया कंपनी की टकसाल में ढले रुपयों को 'कलदार' कहा जाता था।

मुद्रा की इस विभिन्नता से लेन-देन और व्यापार में कठिनाइयां आती थीं। ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा करों की वसूली के लिए नियुक्त कलक्टरों को कर और भूमि की लगान के रूप में जनता से चांदी के साठ और सोने के बहत्तर सिक्के लेने पड़ते थे। अलग- अलग वस्तुओं के लिए अलग- अलग प्रकार के सिक्के थे। अट्ठारहवीं सदी के प्रारंभ तक भारत वर्ष का अधिकांश भाग ईस्ट इंडिया कंपनी के आधिपत्य में आ चुका था। इसके तुरंत बाद कंपनी के डायरेक्टरों ने भारत में रुपयों में एकरूपता लाने की कोशिशें शुरू कर दी थी। 1806 में ईस्ट इंडिया कंपनी के डायरेक्टरों ने मद्रास सरकार को पत्र लिखा कि भारत का प्रधान सिक्का चांदी का होना चाहिए, जिसका वजन एक तोला हो, जिसमें 165 ग्रेन विशुद्ध चांदी हो। डायरेक्टर सोने के सिक्कों का चलन बंद करने के पक्षधर नहीं थे।

1835 में बंगाल के गवर्नर जनरल को ब्रिटिश शासित संपूर्ण भारत का गवर्नर जनरल बना दिया गया। 27 मई, 1835 को गवर्नर जनरल ने ईस्ट इंडिया कंपनी के आधिपत्य वाले संपूर्ण भारत में एक ही प्रकार के सिक्कों के प्रचलन की घोषणा कर दी। इस संबंध में बाकायदा मुद्रा विधान बना। ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा 1835 में बनाए गए मुद्रा संबंधी विधान भारत की मुद्रा व्यवस्था के इतिहास का एक महत्वपूर्ण पड़ाव था। इस विधान में यह व्यवस्था दी गई कि 1 सितंबर, 1835 से कंपनी के टकसालों में एक ही आकार-प्रकार के सिक्कों की ढलाई होगी। ईस्ट इंडिया कंपनी के टकसालों में ढाले जाने वाले चांदी के सिक्के को फरुर्खाबादी रुपये के बराबर माने जाने का निर्णय लिया गया। कहा गया कि चांदी के रुपये का वजन 180 ग्रेन होगा, जिसमें 165 ग्रेन विशुद्ध चांदी होगी। अठ्ठन्नी एवं चवन्नियां में भी इसी अनुपात में चांदी होगी। चांदी के सिक्के का मूल्य पन्द्रह रुपये माना गया। यह भी नियम बना कि कुछ विशेष प्रकार के सोने के सिक्के भी ढाले जाएंगे लेकिन कोई भी व्यक्ति कंपनी शासित क्षेत्र में सोने के सिक्के लेने या देने को बाध्य नहीं होगा।

ईस्ट इंडिया कंपनी के इस निर्णय के बाद भारत में हरेक प्रकार के मूल्य का मापदंड चांदी बन गई। हालांकि सोने के सिक्के का चलन जारी रहा। 1840 के दशक में कैलिफोर्निया और आस्ट्रेलिया में सोने की नई खानें खुल गईं। सोने का उत्पादन बहुत बढ़ गया। इस दशक में दुनियाभर में चांदी के मुकाबले सोने का उत्पादन डेढ़ सौ गुना अधिक हो गया था। परिणामस्वरूप चांदी के मुकाबले सोना बहुत सस्ता हो गया। जनता भूमि की लगान और अन्य कर चांदी के रुपयों के बजाय सोने की मोहरों से चुकाने लगी। आखिरकार 1 जनवरी, 1853 को मुद्रा के रूप में सोने के चलन को पूरी तरह बंद कर दिया गया।

1860 के प्रारंभिक दौर में विश्व भर में चांदी के उत्पादन में एकाएक उछाल आ गया। चांदी की भरमार हो गई। पूरा संसार चांदी-चांदी हो गया था। 1893 में सरकार ने अपनी चांदी की टकसाल बंद कर दी। इससे पहले आम लोगों को अपनी चांदी टकसाल में ले जाकर उसके सिक्के ढलवाने का अधिकार प्राप्त था। कालांतर में सरकार ने जनता का यह अधिकार छीन लिया। दिसंबर, 1893 को कांग्रेस के लाहौर अधिवेशन में यह विषय उठा। कांग्रेस ने सरकार द्वारा सर्व साधारण के लिए चांदी की टकसाल बंद करने के निर्णय की निंदा की और इसे आम जनता के हितों के विरुद्ध करार दिया।

इसके बाद प्रतीक मुद्रा का दौर प्रारंभ हुआ। प्रारंभिक दौर में करेंसी रिजर्व का संपूर्ण सोना भारत में ही रखा जाता था। 1898 में इसे अस्थायी रूप से लंदन में रखे जाने लगा। कुछ समय बाद यह व्यवस्था स्थायी हो गई। भारत का धन भारत के बजाय लंदन के काम आने लगा था। 1900 में रुपयों की ढलाई से प्राप्त मुनाफे से लंदन में स्वर्ण कोष की स्थापना कर दी गई। 1905 में नोटों की पुश्ती के लिए जो करेंसी रिजर्व था, उसमें से कुछ सोना बैंक ऑफ इंग्लैंड में रख दिया गया। 1906 में गोल्ड स्टैंडर्ड रिजर्व की एक शाखा भारत में भी खोली गई, इसमें सोने के बजाय छह करोड़ रुपये रखने की व्यवस्था की गई। ब्रिटेन के शाही टकसाल में सोने के सिक्के और मोहरें ढाली जाती थी लेकिन भारत में इसकी अनुमति नहीं थी।

1910 में दस और पचास रुपये के नोट अखिल भारतीय कर दिए गए थे। 1911 में एक सौ रुपये का नोट भी अखिल भारतीय हो गया था। 1917 में ढाई रुपये और 1918 में एक रुपये का नोट जारी हुआ। 29 जून,1917 के बाद चांदी और सोने के सिक्कों के लेन-देन को अपराध घोषित कर दिया गया। 1931 में भारत में सोने का भाव पौने तीस रुपये प्रति तोला था। इसके बाद सोने के दाम उत्तरोत्तर बढ़ने लगे। 1929 से 1937 के बीच विश्व में सोने के उत्पादन में वृद्धि हुई। इस अवधि में विश्व में 6740 टन सोने का उत्पादन हुआ। 1931में अपनी आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए भारत को अपना सोना बेचने का निर्णय लिया। भारत में सोने के खरीदार नहीं थे इसलिए भारत का सोना विदेश जाने लगा। इससे पहले भारत सोना खरीद रहा था। बीसवीं सदी के प्रारंभ से 1931 तक भारत में तकरीबन सात अरब रुपये मूल्य का सोना बाहर से आया था लेकिन 1931 से 1940 के बीच भारत को इसमें से करीब चार अरब रुपये मूल्य का सोना बाहर के मुल्कों को बेचना पड़ा था। इन नौ सालों में भारत से जितना सोना बाहर गया, उतना तैमूरलंग और नादिरशाह भी यहां से लूट कर नहीं ले गए थे।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

अपराध के लिए कोई नरमी नहीं बरती जाएगी; भगवंत मान सरकार के अपराध मुक्त पंजाब के लक्ष्य को साकार कर रही हैं महिला पुलिस कर्मचारी

पंजाब पुलिस देश की सबसे प्रगतिशील फोर्स बनी; सुरक्षित पंजाब, खुशहाल पंजाब के लक्ष्य को पूरा करने के लिए कई महिला अधिकारी एंटी-गैंगस्टर ऑपरेशनों का नेतृत्व कर रही हैं

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब पुलिस की महिला अधिकारी आधुनिक पुलिसिंग के मोर्चों पर एक निर्णायक शक्ति के रूप में उभर रही हैं।वे प्रमुख ऑपरेशनों की अगुवाई करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार के अपराध और गैंगस्टर-मुक्त पंजाब के प्रयासों को लगातार मजबूती प्रदान कर रही हैं। गैंगस्टर विरोधी अभियानों की निगरानी से लेकर सामुदायिक-केन्द्रित पहलों को आगे बढ़ाने तक, ये अधिकारी न केवल आपराधिक नेटवर्क को तोड़ रही हैं बल्कि पुलिस बल में नेतृत्व की नई परिभाषा भी स्थापित कर रही हैं।

नेतृत्व भूमिकाओं में महिलाओं की बढ़ती उपस्थिति ने पंजाब पुलिस को देश की सबसे प्रगतिशील ताकतों में शामिल कर दिया है।महिला अधिकारी गैंगस्टरों ते वार और ऑपरेशन प्रहार जैसे प्रमुख अभियानों की निगरानी कर रही हैं।वे न केवल राज्य को अपराध से सुरक्षित बना रही हैं बल्कि युवा महिलाओं को पुलिस बल में शामिल होने के लिए प्रेरित भी कर रही हैं।

पंजाब सरकार के समर्थन से 79 महिला अधिकारी स्पेशल डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस से लेकर डिप्टी सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस तक विभिन्न पदों पर कार्यरत हैं। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार इनमें 4 एसडीजीपी, 1 एडीजीपी, 2 आईजीपी/सीपी, 2 डीआईजी, 18 एसएसपी/एआईजी/कमांडेंट (जिनमें 3 एसएसपी), 23 एसपी, 1 एएसपी और 28 डीएसपी महिला अधिकारी शामिल हैं। कुल 79 में से 5 अधिकारी फील्ड पदों की अगुवाई कर रही हैं, जहां वे गैंगस्टरों पर वार जैसी मुहिमों में सक्रिय भागीदारी निभा रही हैं।

मजबूत शिक्षा और प्रशिक्षण के साथ महिला अधिकारियों ने संचालन और प्रशासनिक दोनों क्षेत्रों में अपनी क्षमता सिद्ध की है। वे तकनीकी रूप से दक्ष हैं और अपराध रोकथाम के आधुनिक तरीकों से भली-भांति परिचित हैं।

एसएसपी फरीदकोट प्रज्ञा जैन ने जोर देकर कहा कि आधुनिक पुलिसिंग लिंग के बजाय योग्यता और समन्वय पर आधारित है। उन्होंने कहा, पुलिसिंग साहस, क्षमता और प्रतिबद्धता पर आधारित है, न कि लिंग पर। गैंगस्टरों पर वार जैसी मुहिमों में महिला अधिकारियों ने इन तीनों गुणों का शानदार प्रदर्शन किया है।

उन्होंने एक उदाहरण देते हुए बताया कि देर रात के एक ऑपरेशन के दौरान महिला पीसीआर टीम को स्थानीय महिलाओं से महत्वपूर्ण खुफिया जानकारी प्राप्त हुई, जिसके आधार पर अगले दिन सफल

गिरफ्तारियां संभव हो सकीं।

चुनौतियों पर उन्होंने कहा, हम साक्ष्य-आधारित पूछताछ करते हैं और दबाव में भी शांत रहते हैं। समय की संवेदनशीलता और जानकारी की कमी बड़ी चुनौतियां होती हैं। पुलिसिंग में विविध नेतृत्व शैलियों की आवश्यकता होती है।उन्होंने आगे कहा कि पुलिसिंग सेवा और जिम्मेदारी पर आधारित है और हर अधिकारी—चाहे पुरुष हो या महिला—की जिम्मेदारी समान होती है।

गैंगस्टरों ते वार अभियान के तहत पंजाब पुलिस की कार्रवाई के महत्वपूर्ण परिणाम सामने आए हैं। अभियान की शुरूआत से अब तक पुलिस ने राज्यभर में 59,015 छापे मारे हैं और 21,154 गिरफ्तारियां की हैं। इसके अलावा 888 भगोड़ों को भी गिरफ्तार किया गया है।

फरीदकोट रेंज की आईजीपी निलांबरी जगदाले ने कहा कि यह अभियान आपराधिक नेटवर्क को जड़ से खत्म करने पर केंद्रित है। मुख्यमंत्री भगवंत मान और पंजाब के डीजीपी गौरव यादव के नेतृत्व में पुलिस टीमें गैंगस्टरों, उनके सहयोगियों, रिश्तेदारों, असामाजिक तत्वों और नशा तस्करों के खिलाफ लगातार सख्त और लक्षित कार्रवाई कर रही हैं। उन्होंने कहा, लीडरशिप और साहस का लिंग से कोई संबंध नहीं है। महिला और पुरुष दोनों समान रूप से सक्षम हैं। पीड़ित और गवाह महिला अधिकारियों पर अधिक भरोसा करते हैं और अपनी समस्याएं खुलकर साझा करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि आजकल अपराधी आधुनिक तकनीक का उपयोग कर रहे हैं, लेकिन पुलिस भी अपनी तकनीकी क्षमता को लगातार मजबूत कर रही है। एसएसपी खन्ना डॉ. दर्पण आहलूवालिया ने कहा कि सामुदायिक भागीदारी पुलिसिंग को मजबूत बनाने में बेहद महत्वपूर्ण है। घर-घर संपर्क अभियान के तहत पुलिस टीमें सिविल कपड़ों में लोगों से सीधे संपर्क कर रही हैं, उनकी समस्याएं सुन रही हैं और महत्वपूर्ण खुफिया जानकारी जुटा रही हैं।

उन्होंने कहा, अपराध के खिलाफ लड़ाई सामूहिक है और इसे जनता के सहयोग से ही जीता जा सकता है। ऑपरेशन प्रहार के तहत गिरफ्तार व्यक्तियों को सहयोगियों, रिश्तेदारों और अज्ञात व्यक्तियों की श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है। इन्हें आगे ए+, ए और बी श्रेणियों में भी बांटा गया है, ताकि बेहतर निगरानी, पूछताछ और कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

कुलतार सिंह संधवां द्वारा गेहूं की फसल को आग से बचाने के लिए सावधानियां बरतने की अपील

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब विधानसभा के स्पीकर स कुलतार सिंह संधवां ने गांव संधवां और कोठे गज्जन सिंह में आग लगने से गेहूं की फसल को हुए नुकसान पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने एसडीएम कोटकपूरा को तुरंत नुकसान की रिपोर्ट भेजने और मुआवजा प्रक्रिया तेज करने के निर्देश दिए।

उन्होंने किसानों से अपील की कि वे गेहूं की फसल को आग से बचाने के लिए आवश्यक सावधानियां बरतें, ताकि ऐसी घटनाओं से बचा जा सके। उल्लेखनीय है कि गांव संधवां में लगभग 8 एकड़ और कोठे गज्जन सिंह में करीब 10 एकड़ गेहूं की फसल आग लगने से नष्ट हो गई।

स्पीकर संधवां ने किसानों को कटाई पूरी होने तक पूरी सावधानी बरतने की अपील की। उन्होंने जोर देकर कहा कि

बढ़ते तापमान के कारण तेज हवाएं चलना, बिजली के शॉर्ट सर्किट या मजदूरों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली बीड़ी-सिगरेट ऐसी घटनाओं के मुख्य कारण हैं।

उन्होंने आगे कहा कि कच्ची सड़कों के कारण मौके पर सहायता पहुंचने में देरी

❍ जिला अधिकारियों को गांव संधवां और कोठे गज्जन सिंह में आग से हुए नुकसान की रिपोर्ट भेजने के निर्देश

हो सकती है, इसलिए गांव स्तर पर पहले से तैयार रहना बेहद जरूरी है।

उन्होंने किसानों को अपील की कि वह निम्नलिखित सावधानियां अपनाएं:

ट्रांसफॉर्मर के पास वाली गेहूं की कटाई पहले कर लें।

यदि पानी की आवश्यकता न हो तो ट्रांसफॉर्मर का स्विच बंद रखें।

खेतों में पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करें और गड्ढों में पानी जमा रखें।

टैंकों में पानी भरकर साझा स्थानों पर रखें तथा पाइप की व्यवस्था करें।

बड़े स्प्रे पंप तैयार रखें और उनके संपर्क नंबर साझा करें।

छोटे स्प्रे पंप भी तैयार रखें तथा पानी और पेट्रोल की व्यवस्था रखें।

अग्निशमन यंत्र सामूहिक रूप से खरीदें।

मजदूरों को आग के उपयोग के दौरान सावधानी बरतने के लिए कहें।

आग बुझाने के लिए गांव के युवाओं की एक टीम तैयार रखें।

खेतों में हल रखें ताकि जरूरत पड़ने पर तुरंत उपयोग किया जा सके।

हर किसान के पास जरूरी संपर्क नंबर (गुरुद्वारा साहिब, बिजली ग्रिड आदि) हों।

इन दिनों के दौरान शराब आदि से दूर रहें ताकि हर समय सतर्क रहा जा सके।

अंत में उन्होंने कहा कि यदि इन सावधानियों का पालन किया जाए तो फसल को आग जैसी घटनाओं से काफी हद तक बचाया जा सकता है।

कम्युनिटी हैल्थ सैंटर जैतो को 50 बेड अस्पताल का मिला दर्जा

सिटी दर्पण संवाददाता
जैतो

कम्युनिटी हैल्थ सैंटर (सी.एच.सी) जैतो का दर्जा बढ़ाकर अब उप मंडल अस्पताल कर दिया है। इस संबंध में पंजाब सरकार द्वारा आधिकारिक नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया है।एस.एम.ओ. डा. वरिंदर कुमार ने नोटिफिकेशन जारी होने की पुष्टि करते हुए कहा कि अब यह अस्पताल 30 बेड से बढ़कर 50 बेड का हो गया है। उन्होंने कहा कि अब अस्पताल का दर्जा बढ़ने के साथ ही यहां विशेषज्ञों और एमरजेंसी डाक्टरों की तैनाती होगी जिससे मरीजों को बेहतर डाक्टरी इलाज मिल सकेगा। उल्लेखनीय है कि 5 अप्रैल 2026 को पंजाब के मुख्यमंत्री भगवान मान ने जैतो में 50 बेड अस्पताल बनाने का नींव पत्थर रखा है और अस्पताल के लिए 8.50 करोड़ रुपए देने की घोषणा की थी। इस दौरान पंजाब प्रदेश व्यापार मंडल के प्रदेश उपाध्यक्ष गोपाल कृष्ण शैली गर्ग व नरेश जिंदल बालाजी वाले सहित जैतो

क्षेत्र की विभिन्न समाज सेवी संस्थाओं, सामाजिक, धार्मिक, व्यापारी संगठनों, शिक्षाण, पंचों सरपंचों व नगर कौंसिल सदस्यों आदि ने पंजाब सरकार द्वारा सिविल अस्पताल जैतो को 50 बेड का दर्जा देने पर हार्दिक धन्यवाद दिया है। व्यापारी नेता गोपाल कृष्ण शैली गर्ग व नरेश जिंदल बालाजी वाले ने कहा कि अस्पताल का दर्जा बढ़ने से क्षेत्र के लोगों को बेहतर डाक्टरी सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने कहा कि लोगों को छोटे छोटे इलाज के लिए दूसरे शहर में जाना पड़ता था।

यूथ अकाली दल ने बैसाखी के मौके पर दस्तार लंगर का आयोजन किया

पटियाला। सिख विरासत और पहचान के एक दिल को छू लेने वाले जश्न में, यूथ अकाली दल (अऊ) ने बैसाखी के पावन मौके पर चल रहे मेरी दस्तार मेरी शान प्रोग्राम के तहत गुरुद्वारा श्री गुरु तेग बहादुर साहिब, बहादुरगढ़, पटियाला में पगड़ी बांधने का कैंप और दस्तार लंगर का आयोजन किया। कैंप में बड़ी संख्या में जोशीले युवाओं ने हिस्सा लिया, जहाँ उन्होंने अनुभवी वॉलंटियर्स की गाइडेंस में गर्व से पगड़ियाँ बाँधीं। इस इवेंट में कम्युनिटी की एक बड़ी भावना देखी गई क्योंकि माता-पिता अपने बच्चों के साथ आए थे, और उन्हें सिख पहचान और सम्मान के इस पवित्र प्रतीक को अपनाने के लिए सक्रिय रूप से प्रोत्साहित कर रहे थे। प्रधान और शिरोमणि अकाली दल के घनौर हलका इंचार्ज सरबजीत सिंह झिंजर ने इवेंट की अध्यक्षता की और एक खास पगड़ी लंगर का आयोजन किया, जिसमें हिस्सा लेने वाले युवाओं को पगड़ियाँ बाँटी गईं। लोगों को संबोधित करते हुए, झिंजर ने युवा पीढ़ी को गर्व के साथ पगड़ी पहनने, नेकी के रास्ते पर चलने और गुरु गोबिंद सिंह जी की महान शिक्षाओं और विरासत को मानने के लिए प्रेरित किया। झिंजर ने कहा, पगड़ी सिर्फ.कपड़े का एक टुकड़ा नहीं है झ्र यह हमारा सम्मान, हमारी पहचान और हमारी शानदार सिख विरासत से हमारा जुड़ाव है, और युवाओं से अपने विश्वास और मूल्यों पर टिके रहने की अपील की। झिंजर ने कहा, मेरी दस्तार मेरी शान (मेरी पगड़ी, मेरा गर्व) सिर्फ.एक कैंपेन नहीं है, बल्कि हमारे युवाओं में सिख धर्म की सच्ची भावना जगाने का एक आंदोलन है, और कहा कि गुरु साहिब के आशीर्वाद से, यह पहल पूरे पंजाब के हर ज़िले और गाँव में संदेश फैलाती रहेगी।

अमृतसर में सीमा पार से चल रहे अवैध हथियार तस्करी मॉड्यूल से जुड़े तीन व्यक्ति काबू ; 6 पिस्तौल बरामद

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़/अमृतसर

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के अनुसार पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए चलाई जा रही मुहिम के दौरान एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने सीमा पार से संचालित अवैध हथियार तस्करी मॉड्यूल से जुड़े तीन आरोपियों को छह आधुनिक पिस्तौलों सहित गिरफ्तार कर इस मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। यह जानकारी आज यहां पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने दी।

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान मंगल सिंह उर्फ मंगा (30) निवासी गांव काजीकोट, तरनतारन; प्रणव शर्मा उर्फ लड्डू (24) निवासी ऑर्किड वैली, छेहरटा, अमृतसर; और गौरव राणा (25) निवासी गुरु नानक

एवेन्यू, अमृतसर के रूप में हुई है। बरामद पिस्तौलों में दो चीन निर्मित .30 बोर पिस्तौल, एक जिगाना .30 बोर पिस्तौल और तीन अन्य .30 बोर पिस्तौल शामिल हैं।

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच के अनुसार आरोपी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से पाकिस्तान स्थित तस्करों के संपर्क में थे। उन्होंने बताया कि अवैध हथियार सीमा पार से ड्रोन के जरिए भेजे जा रहे थे और आरोपी इन खेपों को प्राप्त कर अपराधियों को सप्लाई करते थे।

डीजीपी ने कहा कि पूरे नेटवर्क का पदार्फाश करने और इसके आगे-पीछे के लिंक स्थापित करने के लिए आगे की जांच जारी है।

इस ऑपरेशन के संबंध में जानकारी देते हुए अमृतसर के पुलिस कमिश्नर (सीपी) गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीमों ने संदिग्ध मंगल सिंह उर्फ मंगा को एक .30 बोर पिस्तौल सहित गिरफ्तार किया। उसके खुलासे के आधार पर सह-आरोपी प्रणव शर्मा उर्फ लड्डू और गौरव राणा को भी गिरफ्तार किया गया तथा उनके कब्जे से पांच और पिस्तौल बरामद किए गए।

सीपी ने बताया कि आरोपी प्रणव उर्फ लड्डू और गौरव राणा आपराधिक पृष्ठभूमि वाले हैं और उनके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामले दर्ज हैं। उन्होंने आगे बताया कि दोनों आरोपी बंदूक की नोक पर लूटपाट के मामले में थाना रणजीत एवेन्यू में दर्ज केस में भी वांछित थे।

इस संबंध में एफआईआर नंबर 54 दिनांक 04-04-2026 को अमृतसर के थाना छावनी में आर्म्स एक्ट की धारा 25(6, 7, 8) के तहत दर्ज की गई है।

खालसा साजना दिवस पर अमृत-संचार से सैकड़ों श्रद्धालु गुरु से जुड़े: हरमीत सिंह कालका

सिटी दर्पण संवाददाता
नई दिल्ली

दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष सरदार हरमीत सिंह कालका ने गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब में 327वें खालसा साजना दिवस के पावन अवसर पर संपूर्ण संगत को लाख-लाख बधाई देते हुए कहा कि अमृतवेले से ही भाई लखी शाह वणजारा हॉल में संगत द्वारा लगातार कीर्तन सरवण करके गुरु के इस महान दिहाड़े को अत्यधिक श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। सरदार कालका ने कहा कि दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर से धर्म प्रचार के अंतर्गत शुरू की गई अमृत-संचार मुहिम के बहुत ही उत्साहजनक नतीजे सामने आ रहे हैं। पिछले एक महीने के दौरान दिल्ली और एनसीआर के विभिन्न इलाकों में कथावाचकों और प्रचारकों द्वारा गुरबाणी के प्रचार के माध्यम से संगत को अमृत पान के लिए प्रेरित किया गया, जिसके परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में संगत ने अमृत छककर गुरु के साथ अपने संबंध को और मजबूत किया है।

उन्होंने बताया कि अमृत-संचार के पहले दिन ही 300 से अधिक व्यक्तियों ने अमृत पान किया था, जबकि आज यह संख्या 500 से आगे निकल चुकी है। केवल दो दिनों में 800 से अधिक और एक महीने के भीतर लगभग 1800 से अधिक लोगों को अमृत पान करवाकर गुरुवाला बनाने में दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी सफल रही है, जो एक प्रेरणादायी और ऐतिहासिक उपलब्धि है। सरदार कालका ने कहा कि आज के समय में धर्म-प्रचार की जिम्मेदारी और भी बढ़कर गंभीर हो गई है। उन्होंने चिंता जताई कि कुछ शक्तियाँ लोगों को गुमराह करके अन्य धर्मों की ओर मोड़ने का प्रयास कर रही हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब में बढ़ती ईसाईकरण गतिविधियाँ चिंताजनक हैं और इसे रोकने के लिए धार्मिक संस्थाओं को

अधिक प्रभावशाली भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने बताया कि लगभग ढाई साल पहले दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा अमृतसर साहिब में धर्म-प्रचार दफ्तर स्थापित करके एक विशेष मुहिम शुरू की गई थी, जिसके तहत 2000 से अधिक उन व्यक्तियों को पुनः सिख धर्म से जोड़ा गया जो पहले ईसाई धर्म में शामिल हो चुके थे। ये सभी व्यक्ति आज अमृत पान करके गुरु की कृपा से सुखी जीवन व्यतीत कर रहे हैं। सरदार कालका ने इस अवसर पर दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा धर्म-प्रचार और स्वास्थ्य-सेवाओं के क्षेत्र में चलाए जा रहे बड़े-पैमाने के उपक्रमों के बारे में भी जानकारी साझा की। उन्होंने संगत से अपील की कि अपने बच्चों को गुरुघर से जोड़ना समय की सबसे बड़ी जरूरत है, ताकि हमारे धार्मिक दिहाड़ों का मनाना वास्तव में सफल हो सके।

उन्होंने कहा कि पिछले चार वर्षों के दौरान दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने धर्म-प्रचार के मामले में कोई समझौता नहीं किया है। कमेटी ने धर लिखारी नानका श्रृंखला शुरू करके गुरु ग्रंथ साहिब जी में दर्ज सभी बाणीकारों के नाम पर विशेष समागम करवाए और हर ऐतिहासिक दिहाड़े को बड़े पैमाने पर मनाया। उन्होंने यह भी बताया कि चार महीने पहले लाल किले के मैदान में श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी की 350वीं शहादत शताब्दी मनाते हुए दुनिया भर में एक शानदार मिसाल कायम की गई। इस ऐतिहासिक समागम में दिल्ली की संगत ने बड़ी संख्या में हिस्सा लेकर अपने गुरु के प्रति दृढ़ श्रद्धा का प्रदर्शन किया।

संक्षिप्त-समाचार

इनड्राइव ने ड्राइवर ऑफ द मंथ अवॉर्ड के साथ ड्राइवरों का किया सम्मान

चंडीगढ़। इनड्राइव, जो फेयर प्राइसिंग और फ्रीडम ऑफ चॉइस के लिए जाना जाता है, ने चंडीगढ़ में सफलतापूर्वक ड्राइवर ऑफ द मंथ विनर डिस्ट्रीब्यूशन इवेंट आयोजित किया। इस कार्यक्रम में प्लेटफॉर्म के उत्कृष्ट ड्राइवर पार्टनर्स को सम्मानित किया गया। इस आयोजन में कैब, मोटो और ऑटो रिक्शा कैटेगरी के 25 टॉप-परफॉर्मिंग ड्राइवरों को उनके समर्पण, सेवा गुणवत्ता और इनड्राइव कम्युनिटी में योगदान के लिए सम्मानित और पुरस्कृत किया गया। ये पुरस्कार इनड्राइव की अपने ड्राइवर पार्टनर्स को सशक्त बनाने और उनके कठिन परिश्रम को सराहने की प्रतिबद्धता को दशार्ते हैं। इनड्राइव के इंडिया कंट्री मैनेजर, अविक कर्मकार ने कहा कि इनड्राइव में हम उन लोगों को पहचान देने में विश्वास रखते हैं जो हमारे प्लेटफॉर्म को खास बनाते हैं` हमारे ड्राइवर्स। यह पहल न केवल उनकी उपलब्धियों का जश्न मनाती है, बल्कि हमारी फ्रीडम ऑफ चॉइस की मूल भावना को भी मजबूत करती है, जहां ड्राइवर्स अपनी सुविधा के अनुसार राइड चुन सकते हैं, जिससे पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित होती है। वहीं, इंडिया कंट्री ड्राइवर ऑपरेशंस लीड, सौरभ जैन ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में हमने अपने ड्राइवर्स के साथ मिलकर लगातार फीडबैक के जरिए प्लेटफॉर्म को उनके लिए बेहतर बनाने की दिशा में काम किया है। ड्राइवर ऑफ द मंथ हमारी उसी प्रतिबद्धता का हिस्सा है, जो ड्राइवर कम्युनिटी को सपोर्ट करने और उन्हें उनके पेशेवर व व्यक्तिगत लक्ष्यों तक पहुंचने में मदद करता है।

रुकम कैपिटल ने अपनी रिपोर्ट जेन अल्फा डिकोडेड द कंज्यूमर-ब्रांड डायनामिक पेश की

चंडीगढ़। जेन अल्फा एक डिजिटल रूप से गहराई से जुड़ी पीढ़ी है, जो भारत की आबादी के एक चौथाई से अधिक हिस्से का प्रतिनिधित्व करती है। इस पीढ़ी के 73 प्रतिशत बच्चों के पास पहले से ही व्यक्तिगत स्मार्टफोन की पहुंच है और 60 प्रतिशत लैपटॉप का उपयोग करते हैं। यह एक ऐसी पीढ़ी है जिसने तकनीक के भीतर स्वतंत्रता का अनुभव किया है। जेनरेशन अल्फा को और बेहतर समझने के लिए, रुकम कैपिटल ने अपनी तरह की एक अनोखी रिपोर्ट जेन अल्फा डिकोडेडः द कंज्यूमर-ब्रांड डायनामिक प्रस्तुत की है, जो बताती है कि वे उपभोक्ता व्यवहार और ब्रांड जुड़ाव को कैसे नए सिरे से परिभाषित कर रहे हैं। लगभग 50प्रतिशत जेन अल्फा बच्चे किसी विशेष ब्रांड की मांग करते हैं, जो शुरूआती ब्रांड जागरूकता को दशार्ता है, जबकि 66 प्रतिशत बच्चे रोजमर्रा के निर्णयों को प्रभावित करते हैं, जो घरों में उनकी बढ़ती स्वायत्तता को दिखाता है। रिपोर्ट के लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, अर्चना जहागीरदार, संस्थापक और मैनेजिंग पार्टनर, रुकम कैपिटल ने कहा कि जेन अल्फा भारत की सबसे युवा पीढ़ियों में से एक है, जिसमें घरेलू खरीद निर्णयों के 80 प्रतिशत तक को प्रभावित करने की क्षमता है। वे डिजिटल रूप से दक्ष हैं और कंटेंट तक असीमित पहुंच रखते हैं, फिर भी एल्गोरिद्म, माइक्रो-ट्रेंड्स, साथियों की मान्यता और स्थिरता व समावेशन जैसे शुरूआती मूल्यों से प्रभावित होते हैं। जैसे-जैसे भारत के डी2सी ब्रांड, एडटेक, कंटेंट क्रिएटर्स, खिलौने, एफ एंड बी और फैशन सेक्टर उनकी निष्ठा के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं, धारणाओं की जगह प्रमाण आधारित समझ जरूरी है। जेन अल्फा डिकोडेडः द कंज्यूमर-ब्रांड डायनामिकद्ब रिपोर्ट के माध्यम से हमारा उद्देश्य उन व्यवहारिक बदलावों, प्राथमिकताओं और रुझानों को समझना है, जो 10 साल के बच्चे के खरीद निर्णयों और रोजमर्रा की पसंद को प्रभावित करते हैं।

सैमसंग ने भारत में टॉप माउंट फ्रीजर रेफ्रिजरेटर्स तक बढ़ाया अपना बीस्पोक एआई लाइन-अप

चंडीगढ़। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने अपने 'बीस्पोक एआई टॉप-माउंट फ्रीजर' रेफ्रिजरेटर लाइन-अप के विस्तार की घोषणा की है। यह नई रेंज भारतीय घरों में समझदारी भरी बिजली बचत और आधुनिक लुक लाने के लिए तैयार की गई है। शानदार बीस्पोक डिजाइन वाले इन रेफ्रिजरेटर्स में एडवांस एआई फीचर्स, स्मार्ट कनेक्टिविटी और भरोसेमंद परफॉरमेंस का बेहतरीन मेल है। रेफ्रिजरेटर्स की इस नई रेंज में 256 लीटर और 236 लीटर की क्षमता वाले चुनिंदा मॉडल्स वाई-फाई कनेक्टिविटी के साथ आते हैं, ताकि इन्हें स्मार्टथिंग्स ऐप के जरिए स्मार्टफोन से आसानी से कंट्रोल और मॉनिटर किया जा सके। इन मॉडल्स में स्टाइलिश फ्लैट-डोर डिजाइन के साथ-साथ तुरंत कूलिंग के लिए 'पावर कूल' और 'पावर फ्रीज' जैसे फीचर्स दिए गए हैं। इंडस्ट्री के बेहतरीन मानकों के साथ, ये रेफ्रिजरेटर्स बिजली बचाने और शानदार परफॉरमेंस देने के लिए बनाए गए हैं। सैमसंग इंडिया के डिजिटल अप्लायंसेज बिजनेस के वाइस प्रेसिडेंट घुफरान आलम ने कहा, ₹भारत में सैमसंग के 30 साल पूरे होने के मौके पर, हम भारतीय ग्राहकों के लिए लगातार नए और बेहतर एनर्जी-एफिशिएंट समाधान ला रहे हैं। 300 लीटर से कम क्षमता वाले हमारे नए एआई-इनेबल्ड रेफ्रिजरेटर्स, जिनमें बीस्पोक एआई टॉप माउंट फ्रीजर भी शामिल है, भारतीय घरों में स्मार्टथिंग्स कनेक्टिविटी, मॉडर्न डिजाइन और बेहतर बिजली मैनेजमेंट की सुविधा देते हैं।

वृद्धिम द्वारा मेगा फ्री एस्ट्रो कंसल्टेशन इवेंट का भव्य आयोजन

जीरकपुर। वृद्धिम एवं ऑकल्ट साइंस फाउंडेशन द्वारा आयोजित मेगा फ्री एस्ट्रो कंसल्टेशन इवेंट ने जीरकपुर में शानदार सफलता हासिल की। इस विशेष आयोजन में 300 से अधिक लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और देश के प्रसिद्ध एस्ट्रो एवं वास्तु विशेषज्ञों से व्यक्तिगत मार्गदर्शन प्राप्त किया। इस इवेंट का मुख्य आयोजन श्री दीपक आहूजा, श्रीमती उषा वसुंधरा, श्री नवदीप मदान एवं मनोर्था बिल्डर्स के संस्थापक श्री उमराव सिंह द्वारा किया गया, जिनके नेतृत्व में यह आयोजन अत्यंत सफल और प्रभावशाली रहा। यह आयोजन न केवल लोगों के जीवन, करियर और भविष्य से जुड़े प्रश्नों का समाधान देने वाला मंच बना, बल्कि ₹आपका घर, आपका भविष्य₹ की सोच को भी मजबूती से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दौरान वृद्धिम के डायरेक्टर श्री सौरभ चौधरी ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कंपनी के आगामी प्रोजेक्ट्स के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जीरकपुर में बढ़ती डिमांड और बदलती लाइफस्टाइल को ध्यान में रखते हुए वृद्धिम जल्द ही अल्ट्रा लग्जरी 1 इल्ड और 2 इल्ड रेजिडेंशियल प्रोजेक्ट लॉन्च करने जा रहा है।

होर्मुज की घेराबंदी और ट्रंप की चेतावनी ईरानी जहाजों को समुद्र में डुबो देंगे

यूरेनियम संवर्धन पर पेंच: 20 साल बनाम 5 साल का प्रस्ताव और रूसी मध्यस्थता

एजेंसी (हि.स.)

वाशिंगटन, 14 अप्रैल (हि.स.)। अमेरिकी नौसेना की होर्मुज जलडमरूमध्य समेत ईरान के सभी बंदरगाहों की नाकाबंदी का असर दिखने लगा है। अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष विराम के इस्लामाबाद में हुई शांति वार्ता के विफल होने पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कड़ा फैसला लिया। उन्होंने ईरान के सभी बंदरगाहों पर नाकाबंदी का ऐलान कर धमकी दी कि अगर इस क्षेत्र में कोई भी ईरानी जहाज पास आया तो उसे समुद्र में डुबो दिया जाएगा। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, जिद पर अड़े ईरान का रुख नरम पड़ा है। इससे ट्रंप भी खुश हैं।

अब दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडलों के बीच परसों (गुरुवार) बातचीत हो सकती है। अल जजीरा और फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने कहा कि ईरान ने बातचीत करने की उत्सुकता जताई है।

ऐतिहासिक कूटनीतिक हलचल: 1993 के बाद पहली इजराइल-लेबनान बैठक

उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी कहा कि गेंद ईरान के पाले में है। अब निश्चिततौर पर को बड़ा समझौता हो सकता है। इस्लामाबाद में अमेरिका ने ईरान को 20 साल के लिए यूरेनियम संवर्धन पर रोक लगाने का प्रस्ताव दिया था। इसके जवाब में सोमवार को ईरान ने एक जवाबी प्रस्ताव दिया। इसमें उसने कहा कि 20 साल नहीं, बल्कि पांच साल का प्रस्ताव वह मानने को तैयार है। अमेरिकी नाकाबंदी अगर जारी रही तो हालात बिगड़ सकते हैं। इसलिए मध्यस्थ देशों ने फिर कोशिश शुरू कर दी है। मध्यस्थ देशों में से एक के राजनयिक ने कहा कि संघर्ष विराम के दौरान देनों देशों के बीच बातचीत गुरुवार

फोटोः हि.स.

को फिर शुरू हो सकती है। इस मामले से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि बातचीत का मकसद 21 अप्रैल को संघर्ष विराम खत्म होने से पहले सुलह कराना है। इस राजनयिक ने बताया कि तेहरान और वॉशिंगटन बातचीत करने के लिए सैद्धांतिक रूप से सहमत हो गए हैं। मगर यह साफ नहीं है कि बातचीत में उसी स्तर का प्रतिनिधिमंडल शामिल होगा या नहीं। अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तान को फिर संभावित मेजबान के तौर पर विचाराधीन रखा गया है, जबकि जिनेवा के नाम पर भी चर्चा चल रही है। उपराष्ट्रपति वेंस ने सोमवार को कहा कि इस्लामाबाद में ईरान के साथ बातचीत खत्म होने के बाद से गेंद ईरान के पाले में है। अगला कदम अब तेहरान को उठाना है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल बातचीत से इसलिए हटा, क्योंकि ईरानी वातार्कारों के पास किसी समझौते को अंतिम रूप देने का अधिकार नहीं था। अब कोई भी प्रगति तेहरान के नेतृत्व की मंजूरी पर निर्भर करेगी। वेंस ने इस बात पर भी जोर दिया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान के साथ सामान्य रिश्ते रखने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, अमेरिका के राष्ट्रपति ने कहा है कि अगर ईरान के साथ एक सामान्य देश जैसा बर्ताव हो, अगर उसकी अर्थव्यवस्था सामान्य हो और अगर उसके लोग खुशहाल और समृद्ध हो सकें, तो उन्हें बहुत खुशी होगी। ट्रंप ने यह भी कहा, ईरान को सामान्य देश बनने के लि परमाणु हथियार बनाने का ख्वाब त्यागना होगा। उधर, ब्रिटेन के उप प्रधानमंत्री डेविड लैमी ने मंगलवार को वाशिंगटन में उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से मुलाकात की। इस मुलाकात में उन्होंने कहा कि ईरान में संघर्ष विराम को जारी रखना बेहद जरूरी है। रूस ने भी इस मामले में दिलचस्पी दिखाई है। क्रेमलिन ने सोमवार को कहा कि अमेरिका के साथ संभावित समझौते के हिस्से के तौर पर ईरान के एनरिच्ड यूरेनियम को स्वीकार करने का रूस का प्रस्ताव अभी भी खुला है।

डेमोक्रेट सांसद एरिक स्वॉलवेल पर यौन उत्पीड़न का आरोप, देंगे इस्तीफा

एजेंसी (हि.स.)

वाशिंगटन

डेमोक्रेटिक प्रतिनिधि एरिक स्वॉलवेल ने सोमवार को कहा कि वे कांग्रेस से इस्तीफा देंगे। उन पर कई महिलाओं ने यौन उत्पीड़न और अन्य दुर्व्यवहार के आरोप लगाए हैं। वह कैलिफोर्निया के 14वें निर्वाचन क्षेत्र से अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के सदस्य हैं। उन्होंने कहा, मुझे और अन्य सदस्यों को तत्काल निष्कासित करने की प्रक्रिया चल रही है। आरोप लगने के कुछ ही दिनों में निष्कासित करना गलत है। बावजूद इसके मैंने नैतिकता के आधार पर कांग्रेस से इस्तीफा देने का फैसला किया है।

सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, इस्तीफा देने के फैसले की घोषणा के साथ स्वॉलवेल का राजनीतिक जीवन पूरी तरह से ढह गया। लगभग चार महिलाओं ने उन पर यौन दुर्व्यवहार के आरोप लगाए। इन आरोपों में बलात्कार, अश्लील संदेश और नग्न तस्वीरें भेजना शामिल है। इस कांग्रेसी नेता ने रविवार को कैलिफोर्निया के गवर्नर पद के लिए अपना चुनाव अभियान भी समाप्त कर दिया। अपने इस्तीफे की घोषणा में

फोटोः हि.स.

स्वॉलवेल ने अतीत में निर्णय लेने में हुई गलतियों के लिए माफी मांगी, साथ ही आरोपों का सामना करने का संकल्प भी लिया। एक पीड़ित महिला के बारे में पिछले शुक्रवार को सैन फ्रांसिस्को क्रॉनिकल में छपी रिपोर्ट से आहत स्वॉलवेल ने कहा, फिर भी मैंने जो गलतियां की हैं, उनके लिए मुझे जिम्मेदारी लेनी होगी और उन्हें स्वीकार करना होगा। महिला ने स्वॉलवेल पर आरोप लगाया कि 2019 और 2024 में वह बहुत ज्यादा नशे की हालत में थी। वह सहमति देने की स्थिति में भी नहीं थी। तब स्वॉलवेल ने उसके साथ यौन संबंध बनाए। इसके बाद तीन अन्य महिलाओं ने भी स्वॉलवेल के कथित यौन दुर्व्यवहार के बारे में विस्तार से बताया। द्विदलीय हाउस एथिक्स कमेटी ने स्वॉलवेल के इस्तीफा देने की घोषणा से पहले कहा था कि वह स्वॉलवेल के खिलाफ जाँच कर रही है। स्वॉलवेल के इस्तीफे के साथ ही यह जांच बंद हो जाएगी। स्वॉलवेल का इस्तीफा ऐसे समय में आया है जब आरोपों के सामने आने के बाद कांग्रेस में उनके कुछ सबसे करीबी सहयोगियों ने भी उनसे दूरी बना ली है। स्वॉलवेल के करीबी एरिजोना के डेमोक्रेटिक सीनेटर रूबेन गैलेगो ने कहा कि उन्हें निष्कासित कर दिया जाना चाहिए। गैलेगो ने कहा, मैंने जिस व्यक्ति पर भरोसा किया। जिसे मित्र माना। वह खराब आदमी निकला।

स्वॉलवेल ने अपने इस्तीफा देने की कोई तारीख नहीं बताई है। यह उल्लेखनीय है कि हाउस ने अपने इतिहास में अब तक सिर्फ छह सदस्यों को बाहर निकाला है। फ्लोरिडा की रिपब्लिकन सांसद अन्ना पॉलिना लूना ने कहा कि स्वॉलवेल का इस्तीफा देने का फैसला सही है। लेकिन आपराधिक जांच की जरूरत बरकरार है। मैनहैटन डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी के कार्यालय ने रविवार को कहा था कि वह स्वॉलवेल के खिलाफ लगे आरोपों की जांच कर रहा है।

एरिक स्वॉलवेल प्रमुख राजनीतिज्ञ हैं। वह 2013 से अमेरिकी कांग्रेस के सदस्य हैं (पहले 15वें और अब 14वें जिले से)।

आय से अधिक संपत्ति मामले में टाउन थाना प्रभारी अभिषेक रंजन पर शिकंजा

एजेंसी (हि.स.)

किशनगंज

जिले में भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने मंगलवार अहले सुबह को किशनगंज टाउन थाना प्रभारी अभिषेक कुमार रंजन के पांच ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। यह कार्रवाई किशनगंज, पटना और सारण जिले में स्थित उनके आवास और अन्य परिसरों पर की जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार सुबह करीब 8 बजे चार वाहनों से पहुंची नौ सदस्यीय ईओयू टीम ने किशनगंज स्थित उनके आवास और चेंबर में छापेमारी शुरू की।

टाउन थाना से महज 50 मीटर दूरी पर स्थित उनके आवास को टीम ने घेर लिया। कार्रवाई में एक महिला अधिकारी भी शामिल हैं। इस दौरान जांच एजेंसी थाना अध्यक्ष के ड्राइवर हरेंद्र से भी पूछताछ कर रही है। सूत्रों के अनुसार अभिषेक कुमार रंजन की कथित तौर पर माफिया से साठगांठ की भी जांच की जा रही है। ईओयू की दूसरी

फोटोः हि.स.

टीम ने पटना के रामकृष्णा नगर थाना क्षेत्र स्थित देवनगर कॉलोनी में अभिषेक कुमार रंजन के मकान पर छापेमारी की। इस कार्रवाई का नेतृत्व डीएसपी सीपी यादव कर रहे हैं। टीम के पहुंचने के समय घर पर कोई सदस्य मौजूद नहीं था, जिसके बाद टीम परिजनों के आने का इंतजार करती रही। सारण जिले के भेल्दी थाना क्षेत्र अंतर्गत उनके पैतृक गांव पैगा में भी सुबह-सुबह दबिश दी गई। जांच टीम दस्तावेज, संपत्ति से जुड़े कागजात और अन्य सामानों की बारीकी से जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार अभिषेक कुमार रंजन के खिलाफ आय से 1 करोड़ 70 लाख 22 हजार रुपये अधिक संपत्ति अर्जित करने का मामला दर्ज किया गया है।

पाकिस्तान से पहली हज उड़ान 18 अप्रैल को रवाना होगी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान एयरपोर्ट्स अथॉरिटी (पीएए) के प्रवक्ता ने मंगलवार को घोषणा की कि अल्लामा इकबाल इंटरनेशनल एयरपोर्ट लाहौर से सऊदी अरब के लिए पहली हज उड़ान 18 अप्रैल को रवाना होगी। लाहौर एयरपोर्ट से प्री हज उड़ानों का शेड्यूल भी तैयार कर लिया गया है। इस शेड्यूल में चार एयरलाइंस की कुल 101 उड़ानें शामिल हैं। दुनिया न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, प्रवक्ता ने कहा कि लाहौर से होने वाले प्री हज ऑपरेशन में पीएए की 33 उड़ानें संचालित की जाएंगी, जबकि सऊदी एयरलाइंस 29, एयर ब्लू 24 और एयर सियाल 15 उड़ानें संचालित करेंगी। प्रवक्ता के अनुसार, सऊदी एयरलाइंस की उड़ान एसवी-5735 18 अप्रैल को लाहौर से मदीना के लिए रवाना होगी। शेड्यूल के मुताबिक, लाहौर एयरपोर्ट से आखिरी प्री हज उड़ान 21 मई, 2026 को संचालित होगी।

एयर इंडिया एयरलाइन का पहला नवीनीकृत बोइंग 787-8 विमान पहुंचा दिल्ली एयरपोर्ट

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

टाटा समूह की अगुवाई वाली एयर इंडिया एयरलाइन का पहला नवीनीकृत (रिफर्बिश्ड) चौड़े आकार वाला बोइंग 787-8 विमान सोमवार देररात दिल्ली पहुंच गया।

एयर इंडिया एयरलाइन ने मंगलवार को एक्स पर जारी बयान में बताया कि वीटी-एएनटी पंजीकरण वाला यह विमान अमेरिका के सैन बर्नार्डिनो अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से लगातार उड़ान भरते हुए रात करीब 10 बजे इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डा पहुंचा। एयरलाइन ने तीन साल पहले चौड़े आकार वाले विमानों के अपने बेड़े के व्यापक नवीनीकरण के लिए 40 करोड़ डॉलर के निवेश की घोषणा की थी। एयरलाइन ने कहा कि ये उसके 26 विमानों के नवीनीकरण कार्यक्रम के तहत पहले बोइंग 787-8 विमान का व्यापक कायाकल्प पूरा होने का संकेत है। इस

फोटोः हि.स.

विमान में आधुनिक सीटें, मनोरंजन व्यवस्था और प्रीमियम इकॉनमी केबिन जोड़े गए हैं। यह चौड़े आकार वाला बेड़ा मुख्य रूप से 787-8 और बी777 विमानों से बना है, जो यूरोप, अमेरिका और सुदूर-पूर्व के लंबी दूरी के मार्गों पर उड़ान भरते हैं।

कंपनी ने दिसंबर, 2022 में 40 करोड़ डॉलर के निवेश से अपने 27 ड्रीमलाइनर और 13 बी777 विमानों के नवीनीकरण की योजना घोषित की थी। हालांकि, आपूर्ति श्रृंखला और भू-राजनीतिक कारणों से इस परियोजना में देरी हुई। एयरलाइन ने कहा कि हमारा यह पहला रेट्रोफि टेड बोइंग 787-8, वीटी-एंट, आ गया है। यह इस प्रोग्राम के तहत 26 विमानों में से पहले विमान के केबिन को पूरी तरह से नया बनाने का काम पूरा होने का संकेत है एयरलाइन ने बताया कि हमारे चल रहे फ़्लीट ट्रांसफॉर्मेशन में एक अहम पड़ाव है। यह हमारे मेहमानों के लिए एक बदले हुए फ़्लाइंग अनुभव की बस शुरूआत है, क्योंकि ये दो-गलियारे वाले विमान यूके, यूरोप, संयुक्त राज्य अमेरिका और सुदूर पूर्व के लंबी दूरी वाले डेस्टिनेशन तक उड़ान भरेंगे और जैसे ही ये सेवा में आने के लिए तैयार होगा, और ज्यादा जानकारी जल्द ही दी जाएगी।

संक्षिप्त-समाचार

बाबा साहब डॉ भीमराव आंबेडकर की जयंती पर मुख्यमंत्री ने किया नमन

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर को उनकी जयंती के अवसर पर नमन किया है। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि भारत के संविधान निमार्ता, महान समाज सुधारक, विचारक, सामाजिक न्याय के पुरोधा, भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी की जयंती के अवसर पर उन्हें सादर नमन। डॉ. अंबेडकर ने भारतीय संविधान के माध्यम से सामाजिक न्याय, समानता एवं लोकतांत्रिक मूल्यों को सशक्त आधार प्रदान किया। उनके आदर्श एवं विचार हमें एक समावेशी और सशक्त राष्ट्र के निर्माण हेतु निरंतर प्रेरित करते रहेंगे। उनका संपूर्ण जीवन समस्त भारतवासियों के लिए प्रेरणास्रोत है।

मकान में लगी आग,आठ लाख रुपये की संपत्ति जलकर नष्ट

पलामू। पलामू जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र के पनेरीबांध गांव में सोमवार रात दिलीप पाठक के खपड़ापोस मकान में आग लग गई। इस हादसे में 50 हजार रुपये नगद सहित करीब आठ लाख की संपत्ति जल कर नष्ट हो गई। अग्निशमन दल ने ग्रामीणों की मदद से तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पूरा मकान जल जाने से दिलीप पाठक और उनका पूरा परिवार सड़क पर आ गया है। शादी की तैयारी की खुशियां मातम में बदल गई है। जानकारी के अनुसार सोमवार रात 10:30 बजे घर के भीतर जलाए गए मच्छर भगाने वाली अगरबत्ती से आग लग गई। घटना के समय परिवार के लोग सोए हुए थे। इस कारण आग लगने की जानकारी समय पर नहीं हुई। देखते-देखते कंडी- बांस का कच्चा मकान जलने लगा। घर के सदस्यों ने भाग कर अपनी जान बचाई। सूचना मिलने पर आसपास के लोग जुटे और मोटर पंप के सहारे आग पर काबू पाने का प्रयास किया। इसी बीच सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और करीब 3 घंटे तक मेहनत करने के बाद आग बुझाई। आग मंगलवार रात 2:00 बजे बुझी। दिलीप पाठक के अनुसार उसकी पांच बेटियां हैं। कच्चे मकान में दो बेटी और उनका पूरा परिवार रहता था। अगल बगल तीन बेटियों का घर है। घटना के समय दिलीप पाठक और उनकी पत्नी घर पर नहीं थे। मंगलवार सुबह पहुंचे। दिलीप पाठक ने मंगलवार सुबह 9:00 बजे बताया कि एक नतनी की शादी की तैयारी की जा रही थी। सगाई करनी थी, इसके लिए कई तरह के सामान खरीद कर रखे गए थे। इस घटना में सगाई के सामान समेत सोने चांदी के जेवरात, नगद 50 हजार रुपये, खाद्य सामग्री, पहनने ओढ़ने एवं बिछाने के कपड़े, फर्नीचर सहित अन्य सामान चलकर नष्ट हुए हैं। पूरा मकान जल जाने के कारण बेटी के घर रहना पड़ेगा।

चक्रधरपुर मंडल में रेल परिचालन प्रभावित कई ट्रेनें रद्द और मार्ग परिवर्तित

पश्चिमी सिंहभूम। दक्षिण पूर्व रेलवे के पश्चिमी सिंहभूम जिला स्थित चक्रधरपुर रेल मंडल में हाल के दिनों में मवेशियों के रेलवे ट्रैक पर आने और बिना कारण चेन पुलिंग की घटनाओं से रेल परिचालन पर गंभीर असर पड़ा है। रेलवे प्रशासन ने आम लोगों से सहयोग की अपील करते हुए सुरक्षा नियमों का पालन करने को कहा है। मंगलवार को रेलवे की ओर दी गई जानकारी के अनुसार 2 अप्रैल से 11 अप्रैल 2026 के बीच मवेशियों के कारण कुल 11 घंटे 19 मिनट (679 मिनट) का डिटेंशन दर्ज किया गया, जिससे 24 ट्रेनें प्रभावित हुईं। इस दौरान टाटा-झारसुगुड़ा और नुआगांव-राउरकेला सेक्शन सबसे अधिक प्रभावित रहे। रेलवे ने स्पष्ट किया है कि बिना किसी वैध कारण के इमरजेंसी चेन पुलिंग करना दंडनीय अपराध है। जनवरी 2026 से 8 अप्रैल 2026 तक कुल 297 मामले दर्ज किए गए, जिनमें 276 लोगों को गिरफ्तार किया गया। जनवरी में 94 मामलों में 88 गिरफ्तारी, फरवरी में 74 मामलों में 68 गिरफ्तारी, मार्च में 141 मामलों में 99 गिरफ्तारी और अप्रैल (8 अप्रैल तक) में 30 मामलों में 26 गिरफ्तारी की गई है। इसके अलावा 29 ट्रेनों में चेन पुलिंग करने वाले आरोपितों को भी हिरासत में लिया गया। रेलवे प्रशासन ने मंगलवार को बताया कि परिचालन को सुचारू बनाने के लिए कई ट्रेनों को रद्द, आंशिक रूप से रद्द, रीशेड्यूल और डायवर्ट किया गया है। 14अप्रैल से 19 अप्रैल के बीच आद्रा-आसनसोल, आद्रा-मिदनापुर, बोकारो-चंद्रपुरा सहित कई मेमू ट्रेनों को रद्द किया गया है। कुछ ट्रेनों को आद्रा स्टेशन तक सीमित कर दिया गया है, जबकि कई ट्रेनों के समय में 1 से 2 घंटे तक बदलाव किया गया है। टाटा-हटिया एक्सप्रेस को निर्धारित मार्ग के बजाय सीनी-गुंडा बिहारी-मुरी मार्ग से चलाया जा रहा है। यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे ने 01441/01442 पुणे-सांतरागाछी-पुणे समर स्पेशल ट्रेन भी चलाने की घोषणा की है, जो अप्रैल माह में निर्धारित तिथियों पर विभिन्न स्टेशनों से होकर गुजरेगी। रेलवे प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे अपने मवेशियों को ट्रैक के पास न छोड़ें और बिना कारण चेन पुलिंग न करें, ताकि रेल सेवाएं सुरक्षित और समय पर संचालित हो सकें।

इंदौर के पाटनीपुरा में देर रात पूजा सामग्री की दुकान में लगी भीषण आग

इंदौर। इंदौर शहर के पाटनीपुरा इलाके में सोमवार देर रात पूजा सामग्री की एक दुकान में भीषण आग लग गई, जिससे लाखों रुपए का सामान जलकर खाक हो गया। आग की तीव्रता को देखते हुए आसपास की दुकानों को एहतियातन खाली करा लिया गया। फायर ब्रिगेड के अनुसार, देर रात करीब 1:40 बजे आग लगने की सूचना मिली, जिसके बाद तुरंत दो दमकल वाहन मौके पर भेजे गए। आग पर काबू पाने के लिए करीब 17 हजार लीटर से अधिक पानी का इस्तेमाल किया गया। स्थानीय लोगों ने भी आग बुझाने में सहयोग किया। आग 'विनायक पूजा पाठ सामग्री' नामक दुकान में लगी। घटना के समय दुकान का शटर बंद था, जिससे अंदर तेजी से धुआं भर गया और आग ने विकराल रूप ले लिया। दमकल कर्मियों ने शटर तोड़कर अंदर प्रवेश किया और काफी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पाया। पुलिस के अनुसार इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई है, लेकिन दुकान में रखा लाखों रुपए का सामान पूरी तरह नष्ट हो गया। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। दुकान मालिक सुधीर अग्रवाल के भाई दीपक अग्रवाल ने बताया कि प्रारंभिक तौर पर आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट मानी जा रही है। सूचना मिलते ही परिवार के सदस्य मौके पर पहुंच गए थे। घटना की सूचना मिलते ही एमआईजी थाना प्रभारी सीबी सिंह मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। प्रशासन ने आसपास की अन्य पूजा सामग्री दुकानों को तुरंत खाली कराकर बड़ा हादसा टाल दिया।

ढाका में बांग्ला नव वर्ष के मद्देनजर बीजीबी की 20 प्लाटून तैनात

एजेंसी (हि.स.)

ढाका

बांग्लादेश की राजधानी ढाका में बांग्ला नव वर्ष के जश्न के दौरान सुरक्षा के मद्देनजर बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) की बीस प्लाटून तैनात की गई हैं। बीजीबी की बड़े पैमाने पर तैनाती का निर्णय 'पहेला बैशाख' के उत्सव पर शांति के लिए लिया गया। यह उत्सव देश की सांस्कृतिक परंपरा का हिस्सा है। आज सुबह ढाका विश्वविद्यालय के ललित कला संकाय ने बैशाखी शोभायात्रा 1433 का आयोजन किया। इसमें समाज के सभी वर्गों के लोगों ने हिस्सा लिया।

प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने 'पहेला बैशाख' के अवसर पर बांग्ला नव वर्ष 1433 का स्वागत करते हुए देशवासियों और दुनिया भर में रहने वाले सभी बांग्ला भाषी समुदायों को बधाई दी है। ढाका ट्रिब्यून और सरकारी न्यूज एजेंसी बीबीएस की रिपोर्ट के अनसार, बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश के प्रवक्ता ने कहा कि जन

बैशाखी शोभायात्रा में रही शांति

सुरक्षा और नागरिकों की सुचारू भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए बीजीबी कर्मियों को ढाका के रमना बटमूल, इंटरकॉन्टिनेंटल ढाका, काकराइल, मत्स्य भवन, इंजीनियर्स इंस्टीट्यूशन गेट, दोएल चत्तर, शाहबाग स्थित बांग्लादेश राष्ट्रीय संग्रहालय, शहीद जिया शिशु पार्क, रमना बटमूल स्थित छायानट, रमना मंच और धनमंडी स्थित रबींद्र सरोवर के आसपास तैनात किया गया है। प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने पहेला बैशाख के उपलक्ष्य में जारी संदेश में कहा कि पहेला बैशाख बांग्ला कैलेंडर का पहला दिन है। यह राष्ट्र के इतिहास, संस्कृति और उसकी पहचान का एक अनूठा प्रतीक है। उन्होंने कहा कि सदियों से यह दिन हर साल एक नई शुरूआत का संदेश लेकर आता है और लोगों को अतीत के बोझ को पीछे छोड़कर नई आशाओं और

आकांक्षाओं के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि पहेला बैशाख का इस क्षेत्र की कृषि, प्रकृति और कृषि-आधारित आर्थिक गतिविधियों के साथ गहरा जुड़ाव है। रहमान ने कहा कि बैशाखी मेले, बैशाखी शोभायात्रा और हलखाता जैसे आयोजन बांग्लादेशी संस्कृति की विविधता और सुंदरता को दशार्ते हैं और सामाजिक एकता को मजबूत करते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि बांग्ला नव वर्ष अपने साथ नई उम्मीदें और संभावनाएं लेकर आता है। प्रकृति के नवजीवन और मानवीय आशावाद का मेल जीवंत और उल्लासपूर्ण उत्सव का माहौल तैयार करता है। उन्होंने राजनीतिक संदर्भ का उल्लेख करते हुए कहा कि डेढ़ दशक के फासीवादी शासन की समाप्ति के बाद 12 फरवरी को हुए राष्ट्रीय चुनाव में जीत हासिल करके एक नई लोकतांत्रिक सरकार ने अपनी यात्रा शुरू की है। सत्ता संभालने के बाद से सरकार ने समाज के सभी वर्गों के लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रमों की शुरूआत की है। उन्होंने कहा कि बांग्ला नव वर्ष के पहले दिन से ही सरकार किसान कार्ड कार्यक्रम की शुरूआत कर रही है। इस अवसर पर तारिक रहमान ने सभी से संकीर्णता और स्वार्थ से ऊपर उठने तथा मानवता के कल्याण के प्रति स्वयं को समर्पित करने का आान किया।

सरकारी अधिकारियों ने बताया कि बीजीबी जश्न के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ समन्वय कर रही है। बल ने नागरिकों से आग्रह किया है कि वे बंगाली नव वर्ष को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से मनाएं।

सामाजिक न्याय और समानता के महान शिल्पी डॉ. आंबेडकर को मुख्यमंत्री साय ने किया नमन

एजेंसी (हि.स.)

रायपुर

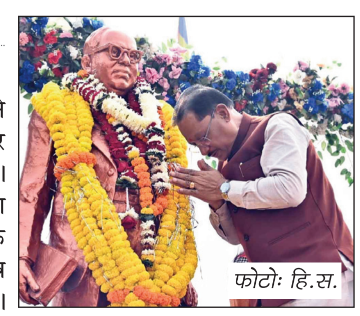
फोटोः हि.स.

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती पर उन्हें नमन किया है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि बाबा साहेब आंबेडकर सामाजिक न्याय, समानता और मानव अधिकारों के सशक्त प्रहरी थे। उन्होंने अपने पूरे जीवन को समाज के वंचित, शोषित और पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए समर्पित किया और एक ऐसे भारत की नींव रखी, जहां हर व्यक्ति को समान अवसर और सम्मान प्राप्त हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा साहेब का जीवन हमें यह सिखाता है कि शिक्षा के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार बाबा साहेब के आदर्शों और सिद्धांतों को आत्मसात करते हुए समाज के हर वर्ग के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य सरकार की विभिन्न योजनाएं समाज के अंतिम छोर तक विकास और अवसरों की समान पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संचालित की जा रही हैं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हमारा प्रयास है कि प्रदेश का हर नागरिक शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में सशक्त बने और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़े। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे बाबा साहेब आंबेडकर के विचारों और मूल्यों को अपने जीवन में आत्मसात करें तथा एक न्यायपूर्ण, समरस और सशक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं।

मोबाइल एप आधारित सर्वे से कमार जनजाति के विकास को मिलेगी नई दिशा

एजेंसी (हि.स.)

धमतरी

जिले में विशेष पिछड़ी जनजाति कमार समुदाय के समग्र विकास के लिए डिजिटल पहल की शुरूआत की गई है। मोबाइल एप आधारित इस सर्वे के माध्यम से समुदाय की सामाजिक और आर्थिक स्थिति का सटीक डेटा जुटाया जा रहा है। जिससे योजनाओं को अधिक प्रभावी बनाया जा सके। विशेष पिछड़ी जनजाति (पीवीटीजी) कमार समुदाय के सर्वेक्षण के लिए भारत सरकार के जनजातीय मंत्रालय के मार्गदर्शन में एक अभिनव मोबाइल एप आधारित पहल शुरू की गई है। इस डिजिटल सर्वे के माध्यम से प्रत्येक कमार परिवार की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति का त्वरित, सटीक एवं पारदर्शी डाटा संग्रह किया जा रहा है जिससे योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन का मार्ग प्रशस्त होगा।

जिला प्रशासन ने बताया है कि सर्वे में आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण, आजीविका, आधारभूत सुविधाओं की उपलब्धता तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं की पहुंच से संबंधित

महत्वपूर्ण जानकारियां एकत्र की जा रही हैं। मोबाइल एप के उपयोग से डेटा एंट्री में न केवल गति आई है बल्कि त्रुटियों की संभावना भी कम हुई है। जिससे वास्तविक स्थिति के अनुरूप योजना निर्माण संभव हो सकेगा। जिला प्रशासन द्वारा इस कार्य के लिए मैदानी अमले को विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया है ताकि सर्वे कार्य प्रभावी एवं समयबद्ध तरीके से पूर्ण हो सके। साथ ही सर्वे के दौरान समुदाय के साथ संवाद स्थापित कर उनकी आवश्यकताओं और समस्याओं को भी समझा जा रहा है। यह पहल शासन की जनजातीय समुदायों के समग्र एवं समावेशी विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ती है। इस डिजिटल पहल से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और रोजगार से जुड़ी योजनाओं को अधिक लक्षित और प्रभावी बनाया जा सकेगा।

जयंती | **डॉ. यादव ने बाबा साहेब आंबेडकर को किया नमन**

अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के उत्थान के लिए आंबेडकर का संघर्ष हम सभी के लिए प्रेरणा का शाश्वत स्रोत: मुख्यमंत्री

एजेंसी (हि.स.)

भोपाल

भारतीय संविधान के शिल्पकार, महान विचारक और सामाजिक न्याय के प्रणेता 'बाबा साहेब' डॉ. भीमराव आम्बेडकर की आज मंगलवार को जयंती है। इस अवसर पर मप्र के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बाबा साहेब आंबेडकर को स्मरण करते हुए विनम्र नमन किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर अपने संदेश में कहा-भारतीय संविधान के शिल्पकार, सामाजिक न्याय के पुरोधा, 'भारत रत्न' श्रद्धेय बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की जयंती पर कोटि-कोटि नमन करता हूँ। शिक्षा और समानता के माध्यम से आपने महिला सशक्तिकरण के प्रयासों को गति दी। समता, न्याय और अधिकारों पर

फोटोः हि.स.

आधारित सशक्त भारत की जो नींव आपने रखी, वह आज भी राष्ट्र निर्माण का पथ प्रशस्त कर रही है। वंचितों, शोषितों और अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के उत्थान के लिए आपका संघर्ष और विचार हम सभी के लिए प्रेरणा का शाश्वत स्रोत हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने भी बाबा साहेब अंबेडकर को जयंती पर याद करते हुए नमन किया है। उन्होंने अपने संदेश में कहा- भारतीय संविधान के शिल्पकार, सामाजिक न्याय के प्रणेता, भारत रत्न, श्रद्धेय बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की जयंती पर कोटि-कोटि नमन। शोषितों और वंचितों के उत्थान और राष्ट्र निर्माण के लिए आपका योगदान सदैव हम सबको प्रेरणा देता रहेगा।

उल्लेखनीय है कि डॉ. भीमराव आम्बेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्य प्रदेश के महू में हुआ था। इस बार उनकी 135वीं जयंती मनाई जा रही है।वह वकील होने के साथ-साथ अर्थशास्त्री, राजनीतिज्ञ और महान समाज सुधारक भी थे। इतना ही नहीं भारत के संविधान की मसौदा समिति के अध्यक्ष भी थे। वे समाज में व्याप्त छुआछूत और भेदभाव के खिलाफ जीवनभर संघर्ष करते रहे। आंबेडकर ने लाखों लोगों को शिक्षा और अधिकारों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने भारतीय संविधान का निर्माण कर देश को एक लोकतांत्रिक और समानता आधारित व्यवस्था दी।

ओल्ड ट्रैफर्ड में 45 साल बाद लीड्स यूनाइटेड की ऐतिहासिक जीत

ओकाफोर का डबल धमाका: 29 मिनट में लीड्स ने मैच किया अपने नाम

मैनचेस्टर यूनाइटेड को 2-1 से हराया

एजेंसी (हि.स.)
मैनचेस्टर

इंग्लिश प्रीमियर लीग में सोमवार रात बड़ा उलटफेर देखने को मिला, जहां लीड्स यूनाइटेड ने अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी मैनचेस्टर यूनाइटेड को उनके घरेलू मैदान ओल्ड ट्रैफर्ड पर 2-1 से हराकर इतिहास रच दिया। 45 साल में यह पहली बार है जब लीड्स ने ओल्ड ट्रैफर्ड में जीत दर्ज की।

फोटोः हि.स.

मैच के हीरो नोआ ओकाफोर रहे, जिन्होंने दो शानदार गोल दागकर टीम को यादगार जीत दिलाई। लीड्स ने शुरूआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और यूनाइटेड को दबाव में रखा। मैच की शुरूआत में ही डॉमिनिक कैल्वर्ट-लेविन को मौका मिला, लेकिन गोलकीपर सेने लैमेंस ने शानदार बचाव किया। इसके बाद ओकाफोर ने क्रॉस पर गोल कर लीड्स को बढ़त दिलाई। 29वें मिनट में ओकाफोर ने दूसरा गोल किया, जब बॉक्स के बाहर से लिया गया उनका शॉट लेनी योरो से डिफ्लेक्ट होकर गोल में चला गया।

दूसरे हाफ में मैनचेस्टर यूनाइटेड को बड़ा झटका लगा, जब लिसांद्रो मार्टिनेज को 56वें मिनट में रेड कार्ड दिखाया गया। उन्होंने डॉमिनिक कैल्वर्ट-लेविन के बाल खींचे, जिसके बाद वीएआर रिव्यू में फैसला उनके खिलाफ गया।

10 खिलाड़ियों के साथ खेल रही यूनाइटेड के लिए कैसेमिरो ने 69वें मिनट में ब्रूनो फर्नांडिस के क्रॉस पर गोल कर टीम को वापसी की उम्मीद दी।

इसके बाद यूनाइटेड ने बराबरी के लिए पूरी कोशिश की, लेकिन मैनुएल उगार्ते का प्रयास भी ब्लॉक हो गया और लीड्स की डिफेंस ने जीत सुरक्षित रखी। इस हार के बावजूद मैनचेस्टर यूनाइटेड 55 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है, जबकि लीड्स यूनाइटेड 36 अंकों के साथ 15वें स्थान पर पहुंच गया है और रेलिगेशन जोन से दूरी बना ली है।

यूएसपीएल का चौथा सीजन 20 नवंबर से, फ्लोरिडा करेगा मेजबानी

एजेंसी (हि.स.)
फ्लोरिडा

यूनाइटेड स्टेट्स प्रीमियर लीग (यूएसपीएल) का चौथा सीजन एक बार फिर धमाकेदार अंदाज में वापसी के लिए तैयार है। यह टूर्नामेंट 20 नवंबर से 5 दिसंबर 2026 तक फ्लोरिडा के प्रतिष्ठित ब्रॉवर्ड काउंटी स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। लीग प्रबंधन ने इस सीजन में दो नई फ्रेंचाइजी जोड़ने की भी योजना बनाई है, जिससे प्रतियोगिता और अधिक रोमांचक हो जाएगी।

यूएसपीएल के संस्थापक और चेयरमैन जयदीप सिंह ने लीग की वापसी पर कहा, यूएसपीएल अपने चौथे सीजन के साथ विस्तार के अगले चरण में प्रवेश कर रहा है। इस वर्ष हम दर्शकों को आकर्षित करने के लिए मनोरंजन के नए आयाम जोड़ेंगे। कई नई साझेदारियां और बड़े ऐलान जल्द किए जाएंगे। हमें खिलाड़ियों और क्रिकेट समुदाय से जबरदस्त समर्थन मिला है और हम आगे भी उभरते प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ खेलने का मंच देते रहेंगे। यह सीजन क्रिकेट के त्योहार जैसा होगा, जिसमें दुनियाभर के बड़े नाम और अमेरिका के बेहतरीन खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। यूएसपीएल सीजन 4, पिछले सीजन की जबरदस्त सफलता के बाद आयोजित हो रहा है। सीजन 3 में न्यूयॉर्क काउबॉयज ने फाइनल में मैरीलैंड मैवरिक्स को 7 विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया था। यह मुकाबला भी ब्रॉवर्ड काउंटी स्टेडियम में ही खेला गया था।

फोटोः हि.स.

पिछले सीजन में कई अंतरराष्ट्रीय और अमेरिकी खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया, जिनमें से कई ने भारत और श्रीलंका में आयोजित आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 में भी अमेरिका का प्रतिनिधित्व किया। अमेरिका के कप्तान मोनांक पटेल और तेज गेंदबाज सौरभ नेत्रवलकर ने लीग के प्रदर्शन को विश्व कप तक जारी रखा, जबकि ऑलराउंडर शैडली वैन शाल्कविक ने भी अपनी छाप छोड़ी। इसके अलावा आरोन जोन्स और भारत के पूर्व अंडर-19 विश्व कप विजेता कप्तान उन्मुक्त चंद ने भी टूर्नामेंट का स्तर ऊंचा किया। न्यूयॉर्क काउबॉयज के कप्तान जेक लिंटॉट सीजन 3 के सबसे बड़े हीरो साबित हुए, जिन्होंने फाइनल में मैच जिताऊ प्रदर्शन कर टीम को चैंपियन बनाया।

नए टीमों के जुड़ने, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की भागीदारी और संस्थागत समर्थन के साथ यूएसपीएल सीजन 4 हाई-वोल्टेज टी20 क्रिकेट का वादा करता है। यह लीग अमेरिका में क्रिकेट को मुख्यधारा का खेल बनाने की दिशा में अहम भूमिका निभा रही है।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 से पहले घाना ने कार्लोस क़्वीरोज को बनाया मुख्य कोच

एजेंसी (हि.स.)
अकरा (घाना)

फीफा वर्ल्ड कप 2026 से पहले घाना ने बड़ा फैसला लेते हुए पुर्तगाल के अनुभवी मैनेजर कार्लोस क़्वीरोज को अपनी राष्ट्रीय फुटबॉल टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया है। घाना फुटबॉल एसोसिएशन (जीएफए) ने सोमवार को इसकी आधिकारिक घोषणा की। 73 वर्षीय क़्वीरोज लगातार पांचवें वर्ल्ड कप में कोच के रूप में हिस्सा लेने जा रहे हैं, जो अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने पिछले महीने ओमान के कोच पद से इस्तीफा दे दिया था, जब टीम वर्ल्ड कप 2026 के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाई। वर्ल्ड कप शुरू होने से महज 72 दिन पहले घाना की टीम बिना कोच के रह गई थी, जब ऑस्ट्रिया और जर्मनी के खिलाफ मार्च में हुए फ्रेंडली मुकाबलों में हार के बाद ओटो अडो से रास्ते अलग कर लिए गए थे। जीएफए ने अपने बयान में कहा,कार्यकारी परिषद ने सभी प्रमुख हितधारकों के साथ मिलकर कार्लोस क़्वीरोज को सीनियर राष्ट्रीय टीम ब्लैक स्टार्स का मुख्य कोच नियुक्त किया है। क़्वीरोज का कोचिंग करियर बेहद शानदार रहा है। उन्होंने 2010 वर्ल्ड कप में पुर्तगाल को प्री-क्वार्टरफाइनल (राउंड ऑफ 16) तक पहुंचाया था। इसके बाद उन्होंने ईरान की टीम को लगातार तीन वर्ल्ड कप में कोचिंग दी, जहां टीम ने 13 मैचों में 3 जीत दर्ज की।

फोटोः हि.स.

मोजाम्बिक में जन्मे क़्वीरोज पूर्व गोलकीपर भी रह चुके हैं। उन्होंने अपने करियर में मिस्र, जापान, कोलंबिया और दक्षिण अफ्रीका जैसी टीमों को भी कोचिंग दी है, जबकि 1990 के दशक की शुरूआत में पुर्तगाल टीम का भी नेतृत्व किया।

आरसीबी बनाम एलएसजी: चिन्नास्वामी में छक्कों की बारिश की उम्मीद

संघर्षरत लखनऊ के सामने बेंगलुरु के 'पावर-हिटर्स' की चुनौती

एजेंसी (हि.स.)
बेंगलुरु

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के रोमांचक मोड़ पर बुधवार को एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में गत चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का सामना लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) से होगा। आरसीबी इस समय बेहतरीन फॉर्म में है और अंक तालिका में 6 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर काबिज है। दूसरी ओर, ऋषभ पंत की कप्तानी वाली लखनऊ की टीम निरंतरता के लिए जूझ रही है और तालिका में सातवें स्थान पर है। बेंगलुरु के घरेलू मैदान पर होने वाले इस मुकाबले में सबकी निगाहें आरसीबी की उस आक्रामक बल्लेबाजी पर होंगी, जिसने इस सीजन में 'रेंज-हिटिंग' की परिभाषा बदल दी है।

फोटोः हि.स.

आरसीबी की सफलता का सबसे बड़ा राज उसके शीर्ष पांच बल्लेबाजों का निडर दृष्टिकोण है। टीम ने इस सीजन के हर मैच में 200 से अधिक का स्कोर बनाया है, जो उनकी बल्लेबाजी गहराई को दशार्ता है। आंकड़ों पर नजर डालें तो विराट कोहली (162 स्ट्राइक रेट) और फिल साल्ट (178) की सलामी जोड़ी ने टीम को विस्फोटक शुरूआत दी है। मध्यक्रम में रजत पाटीदार (214), टिम डेविड (221) और देवदत्त पडिक्कल (201) ने गेंदबाजों की धज्जियां उड़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। इन पांचों बल्लेबाजों ने मिलकर महज चार मैचों में 52 छक्के जड़े हैं, जो इस सत्र में किसी भी टीम द्वारा लगाए गए सर्वाधिक छक्के हैं। चिन्नास्वामी की सपाट पिच और छोटी बाउंड्री को देखते हुए आरसीबी के बल्लेबाज एक बार फिर स्कोरबोर्ड पर बड़ा लक्ष्य टांगने की कोशिश करेंगे। कप्तान रजत पाटीदार के नेतृत्व में टीम अपने अगले तीन घरेलू मैचों (एलएसजी, दिल्ली और गुजरात) में जीत दर्ज कर प्लेऑफ की राह आसान करना चाहती है। एलएसजी के लिए इस मैच में सबसे बड़ी उम्मीद उनके गेंदबाज हैं। अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी इस सीजन में शानदार लय में हैं। उनकी 6.2 की इकॉनमी रेट इस टूर्नामेंट के नियमित गेंदबाजों में सबसे किफायती है। शमी के साथ प्रिंस यादव और दिग्वेश राठी ने भी अब तक प्रभावशाली गेंदबाजी की है।

टीम इस प्रकार

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरुः रजत पाटीदार (कप्तान), विराट कोहली, टिम डेविड, जैकब बेथेल, रोमारियो शेफर्ड, जोश हेजलवुड, नुवान तुषारा, देवदत्त पडिक्कल, जितेश शर्मा, क्रुणाल पंड्या, रसिख डार, भुवनेश्वर कुमार, जॉर्डन कॉक्स, सुयश शर्मा, वेंकटेश अय्यर, स्वप्निल सिंह, जैकब डफी, कनिष्क चौहान, अभिनंदन सिंह, मंगेश यादव, फिल साल्ट, सात्विक देसवाल। विक्की ओस्तवाल, विहान मल्होत्रा।

लखनऊ सुपर जायंट्सः ऋषभ पंत (कप्तान), एडेन मार्क्रम, हिम्मत सिंह, मैथ्यू ब्रीट्जके, मुकुल चौधरी, अक्षत रघुवंशी, जोश इंग्लिस, मिचेल मार्श, अब्दुल समद, शाहबाज अहमद, अर्शिन कुलकर्णी, वानिंदु हसरंगा, आयुष बडोनी, मोहम्मद शमी, अवेश खान, एम. सिद्धार्थ, दिग्वेश सिंह, आकाश सिंह, प्रिंस यादव, अर्जुन तेंदुलकर, एनरिक नोर्किया, नमन तिवारी, मयंक यादव, मोहसिन खान।

मैच शाम 7:30 बजे शुरू होगा।

विजडन पुरस्कारों में भारतीयों का दबदबाः दीप्ति महिला और अभिषेक टी20 के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर

एजेंसी (हि.स.)
लंदन

भारतीय क्रिकेटरों ने विजडन अल्मनैक 2026 पुरस्कारों में अपना दबदबा बनाते हुए नौ में से सात पुरस्कार अपने नाम किए, जिसमें दीप्ति शर्मा को वर्ष की महिला क्रिकेटर और अभिषेक शर्मा को वर्ष का टी20 क्रिकेटर चुना गया।। शुभमन गिल, मोहम्मद सिराज, ऋषभ पंत और रविंद्र जडेजा को पिछले साल इंग्लैंड में हुई टेस्ट श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन करने के कारण विजडन के वर्ष के पांच क्रिकेटरों में शामिल किया गया है।

भारतीय क्रिकेटरों के अलावा जिन अन्य देशों के खिलाड़ियों को पुरस्कार के लिए चुना गया उनमें ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क शामिल हैं, जिन्हें विश्व का सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्रिकेटर चुना गया। उनके अलावा इंग्लैंड के बल्लेबाज हसीब हमीद थे को भी चार भारतीय खिलाड़ियों के साथ वर्ष के पांच सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटरों में भी शामिल किया गया। दीप्ति को यह सम्मान पिछले साल आईसीसी महिला वनडे विश्व कप में 22 विकेट लेने के लिए दिया गया। इस ऑलराउंडर के शानदार प्रदर्शन से भारतीय महिला टीम ने मुंबई में खेले गए फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराकर अपना पहला वैश्विक खिताब जीता था। दीप्ति ने नौ मैचों में तीन अर्धशतकों की मदद से 215 रन भी बनाए थे। अभिषेक ने 2025 के सत्र में शानदार प्रदर्शन किया। इस सत्र में उन्होंने 21 मैचों में 193 के बेहतरीन स्ट्राइक रेट से 859 रन बनाए, जिसमें एक शतक और पांच अर्धशतक शामिल हैं। पिछले साल टेस्ट श्रृंखला के लिए इंग्लैंड के दौरे के दौरान भारतीय टेस्ट कप्तान गिल ने शानदार फॉर्म दिखाते हुए 754 रन बनाए और पांच मैचों की श्रृंखला को 2-2 से ड्रॉ कराने में अहम भूमिका निभाई।

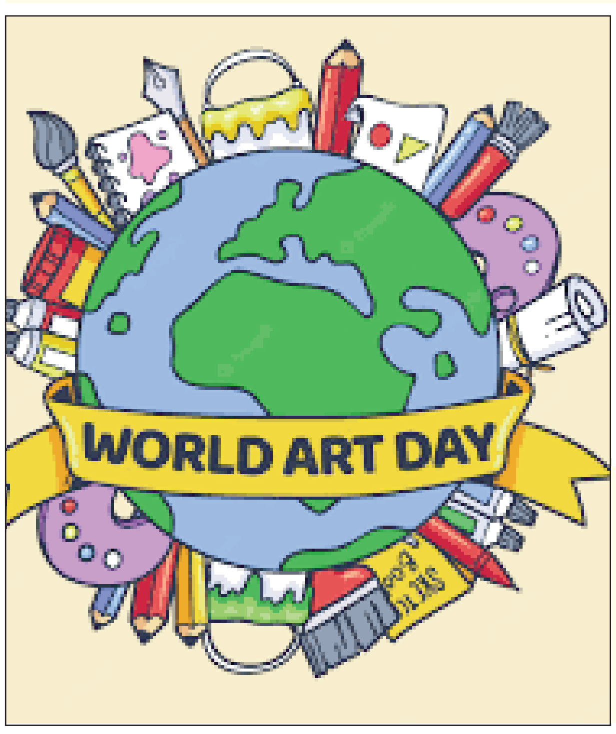

विश्व कला दिवसः शब्द जहां थम जाते हैं, वहां कला बोलती है

कला केवल कागज पर उकेरी गई चंद लकीरें या रंगों का मिश्रण नहीं है, यह वह पुल है जो मानव के अंतर्मन को बाहरी दुनिया से जोड़ता है। हर साल 15 अप्रैल को मनाया जाने वाला 'विश्व कला दिवस' वैश्विक स्तर पर रचनात्मकता, नवाचार और सांस्कृतिक विविधता का उत्सव है।

इतिहास

विश्व कला दिवस का इतिहास बहुत पुराना नहीं है, लेकिन इसका संबंध सदियों पुरानी विरासत से है। इस दिन को मनाने का प्रस्ताव सबसे पहले 'इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ आर्ट' द्वारा रखा गया था। 15 अप्रैल को महान इतालवी कलाकार लियोनार्दो दा विंची का जन्मदिन होता है। दा विंची को 'रेनेसां मैन' कहा जाता है, जिन्होंने न केवल 'मोनालिसा' और 'द लास्ट सपर' जैसी महान पेंटिंग्स बनाईं, बल्कि विज्ञान, इंजीनियरिंग और दर्शन में भी अभूतपूर्व योगदान दिया। 2012 में मैक्सिको में आयोजित आईएए की 17वीं महासभा में इस दिन को आधिकारिक रूप से मनाने का निर्णय लिया गया। कला के प्रति बढ़ती वैश्विक जागरूकता को देखते हुए, यूनेस्को ने 2019 में अपने 40वें आम सम्मेलन में इसे आधिकारिक तौर पर विश्व दिवस के रूप में मान्यता दी।

महत्व

विश्व कला दिवस का महत्व आज के यांत्रिक युग में और भी बढ़ जाता है। इसके महत्व को निम्नलिखित बिंदुओं से समझा जा सकता है। **अभिव्यक्ति की स्वतंत्रताः** कला वह माध्यम है जहाँ एक व्यक्ति बिना किसी डर के अपने विचारों, विरोध और भावनाओं को व्यक्त कर सकता है। यह लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की आजादी को मजबूती प्रदान करती है। **सांस्कृतिक सेतुः** कला की कोई भाषा नहीं होती। एक भारतीय चित्रकार की कलाकृति को एक यूरोपीय व्यक्ति भी उसी गहराई से महसूस कर सकता है। यह विभिन्न संस्कृतियों के बीच संवाद का जरिया बनती है। **मानसिक स्वास्थ्य और आर्ट थेरेपीः** आधुनिक समय में कला का उपयोग 'थेरेपी' के रूप में किया जा रहा है। यह तनाव को कम करने और मानसिक एकाग्रता बढ़ाने का एक सशक्त साधन साबित हुई है। **आर्थिक आधारः** करोड़ों लोगों के लिए कला उनकी आजीविका का साधन है। विश्व कला दिवस इन कलाकारों के श्रम और उनके कौशल को वैश्विक पहचान दिलाता है।

उद्देश्य

यूनेस्को और अन्य वैश्विक संगठनों के अनुसार, विश्व कला दिवस मनाने के मुख्य उद्देश्य इस प्रकार हैं। स्कूलों, विश्वविद्यालयों और सार्वजनिक स्थानों पर कला को बढ़ावा देना ताकि युवा पीढ़ी अपनी रचनात्मकता को पहचान सके। समाज में कलाकारों के योगदान को पहचानना और उन्हें उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना। कला के माध्यम से शांति, सहिष्णुता और सतत विकास के संदेश को फैलाना। कला को केवल 'अभिजात्य वर्ग' या दीघार्ओं तक सीमित न रखकर इसे आम जनमानस और गरीब तबके के हुनरमंदों से जोड़ना। इसे मनाने का सबसे बड़ा कारण रचनात्मकता की रक्षा करना है। जिस तरह विज्ञान हमारे शरीर को सुविधाएँ देता है, उसी तरह कला हमारी आत्मा को पोषण देती है। लियोनार्दो दा विंची के जन्मदिन पर यह दिन हमें याद दिलाता है कि कला और विज्ञान अलग-अलग नहीं हैं, बल्कि दोनों ही सत्य की खोज के तरीके हैं। आज के दिन पूरी दुनिया में प्रदर्शनियाँ, कार्यशालाएँ और संगीत कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। यह दिन हमें रुककर यह सोचने का अवसर देता है कि दुनिया रंगों और कला के बिना कितनी बेरंग होती। इसलिए, चाहे वह सड़क किनारे बना कोई स्केच हो या किसी संग्रहालय में रखी बेशकीमती मूर्ति, हर कला हमें अधिक मानवीय बनाती है।

परंपरा से आधुनिकता तक का सेतु

भारत जैसे देश में, जहाँ लोक कलाओं की जड़ें हजारों साल पुरानी हैं, 'विश्व कला दिवस' की प्रासंगिकता और भी बढ़ जाती है। भारत की मिट्टी में कला का वास है। बिहार की मधुबनी पेंटिंग, महाराष्ट्र की वर्ली आर्ट, ओडिशा का पट्टचित्र और राजस्थान की लघु चित्रकारी–ये केवल कला रूप नहीं हैं, बल्कि हमारे इतिहास और जीवन दर्शन के दस्तावेज हैं। आज के दौर में जब तकनीक हमारे जीवन पर हावी हो रही है, डिजिटल आर्ट और एआई-जनरेटेड आर्ट ने कला के क्षेत्र में नई बहस छेड़ दी है। हालांकि, अनुभवी कलाकारों का मानना है कि मानव संवेदनाओं से उपजी कला का स्थान कोई मशीन नहीं ले सकती। दिल्ली के नेशनल गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट के एक वरिष्ठ क्यूरेटर के अनुसार, कला वह मौन भाषा है जिसे समझने के लिए डिक्शनरी की नहीं, बल्कि दिल की जरूरत होती है। आज का दिन हमें यह याद दिलाने का है कि हमें अपनी पारंपरिक कलाओं को संरक्षित करना है और आधुनिक कलाकारों को प्रोत्साहित करना है।

मानसिक शांति और सामाजिक बदलाव का हथियार

आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने भी यह स्वीकार किया है कि 'आर्ट थेरेपी' मानसिक स्वास्थ्य के लिए रामबाण है। अवसाद, तनाव और चिंता से जूझ रहे लोगों के लिए रंग और आकृतियाँ एक चिकित्सा की तरह काम करती हैं। जब कोई व्यक्ति अपने भीतर के द्वंद्व को कैनवास पर उतारता है, तो वह केवल चित्र नहीं बनाता, बल्कि अपनी आत्मा को मुक्त करता है। वहीं, सामाजिक मोर्चे पर कला हमेशा से एक शक्तिशाली हथियार रही है। इतिहास गवाह है कि जब-जब समाज में अन्याय हुआ, कलाकारों के ब्रश और कवियों की कलम ने विद्रोह की मशाल जलाई है। सड़क पर बने 'स्ट्रीट आर्ट' से लेकर वैश्विक प्रदर्शनियों तक, कला ने मानवाधिकारों, जलवायु परिवर्तन और शांति के संदेश को प्रभावी ढंग से दुनिया के सामने रखा है।

चुनौतियाँ और भविष्यः बाजार बनाम रचनात्मकता

कला जगत के सामने आज सबसे बड़ी चुनौती इसकी व्यावसायिकता है। कला अब अक्सर 'निवेश' का जरिया बनकर रह गई है, जहाँ नीलामियों में करोड़ों की बोलियां लगती हैं। इस होड़ में कहीं न कहीं वह नवांकुर कलाकार पीछे छूट जाता है, जिसके पास प्रतिभा तो है लेकिन बाजार की समझ नहीं। सरकार और निजी संस्थाओं को चाहिए कि वे ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों के कलाकारों के लिए 'आर्ट गैलरी' और फेलोशिप की व्यवस्था करें, ताकि कला किसी खास वर्ग की जागीर बनकर न रह जाए। विश्व कला दिवस पर स्कूलों और कॉलेजों में कार्यशालाओं का आयोजन किया जाना चाहिए ताकि नई पीढ़ी को यह समझाया जा सके कि 'करियर' के अलावा 'क्रिएटिविटी' जीवन जीने का एक बेहतर सलीका है। कला हमें सहिष्णु बनाती है, वह हमें दूसरों के नजरिए से दुनिया को देखना सिखाती है।

नायब सिंह सैनी ने पंचकूला में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर को समर्पित समता मैराथन को दिखाई हरी झंडी

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने आज यवनिका पार्क सेक्टर-5 से भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर को समर्पित समता मैराथन को झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि यह दौड़ सामाजिक न्याय, समानता और अधिकारों के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

इससे पूर्व, मैराथन स्थल पर पहुंचने पर युवाओं और बच्चों ने मुख्यमंत्री का जोरदार स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने भी स्नेहपूर्वक लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। उन्होंने न केवल मैराथन को झंडी दिखाकर रवाना किया, बल्कि प्रतिभागियों पर पुष्प वर्षा कर उनका मनोबल भी बढ़ाया। प्रतिभागियों ने हृभारत माता की जयह्व और हृवंदे मातरम्ह्व के नारों के साथ एकता और भाईचारे का संदेश देते हुए ताऊ देवी लाल खेल स्टेडियम, सेक्टर-3 तक मैराथन में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

बाबा साहेब की 135वीं जयंती की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि बाबा साहेब का जीवन संघर्ष, त्याग और संकल्प की एक अद्भुत गाथा है। उन्होंने अपने पूरे जीवन को समाज के उस वर्ग के उत्थान के लिए समर्पित किया जो सदियों से वंचित और शोषित रहा। उन्होंने हमें केवल संविधान ही नहीं दिया बल्कि एक ऐसी विचारधारा दी जो समानता, न्याय और बंधुत्व के सिद्धांत पर आधारित है। आज की यह समता मैराथन उसी विचारधारा को जन जन तक पहुंचाने का एक सशक्त माध्यम है।

उन्होंने कहा कि यह मैराथन हमें संदेश देती है कि समाज में किसी भी प्रकार का भेदभाव, असमानता या अन्याय स्वीकार नहीं है। हमें मिलकर ऐसे भारत का निर्माण करना है जहां हर व्यक्ति को समान अवसर मिले, हर नागरिक को सम्मान मिले और कोई भी व्यक्ति अपने अधिकारों से वंचित ना रहे। यही बाबा साहेब का सपना था और यही हमारे संविधान की आत्मा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार बाबा साहेब के आदर्शों को आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। हमने समाज के हर वर्ग के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं चलाई है, जिनका उद्देश्य अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास का लाभ पंहुचाना है। उन्होंने कहा कि चाहे शिक्षा के क्षेत्र में छात्रवृति योजनाएं हो, रोजगार के अवसर हो या सामाजिक सुरक्षा की योजनाएं- हरियाणा सरकार हर स्तर पर समानता और न्याय सुनिश्चित करने के लिए कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार का स्पष्ट मानना है कि जब तक समाज का हर वर्ग सशक्त नहीं होगा तब तक प्रदेश और देश का समग्र विकास संभव नहीं है। इसलिए हम लगातार ऐसी नीतियां बना रहे है जो समाज के कमजोर वर्गों को मुख्यधारा में लाने का कार्य करें।

घर-घर संविधान मुहिम के तहत चंडीगढ़ से संविधान बस यात्रा रवाना

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

संविधान के प्रति जागरूकता फैलाने और सामाजिक एकता का संदेश देने के उद्देश्य से घर-घर संविधान मुहिम के तहत भगवान वाल्मीकि शोभायात्रा आयोजक कमेटी ट्राई सिटी द्वारा संविधान बस यात्रा का आयोजन किया गया। यह यात्रा चंडीगढ़ से डॉ. बी.आर. अंबेडकर राष्ट्रीय स्मारक के लिए, रवाना हुई। कार्यक्रम की शुरूआत हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी ने अपनी चंडीगढ़ स्थित कोठी से बस को हरी झंडी दिखाकर की। इस मौके पर भाजपा नेता संजय टंडन भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

इस अवसर पर संजय टंडन ने कहा कि संविधान देश की आत्मा है और इसके मूल्यों को हर नागरिक तक पहुंचाना समय की मांग है। वहीं, कृष्ण बेदी ने अपने संबोधन में कहा कि इस यात्रा का उद्देश्य लोगों को संविधान के प्रति जागरूक करना और डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब किसी एक वर्ग के नहीं, बल्कि पूरे देश के प्रेरणास्रोत हैं। यात्रा के दौरान वक्ताओं ने संविधान की प्रस्तावना, समानता, शिक्षा, सामाजिक न्याय और भाईचारे के सिद्धांतों पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि जागरूकता, शिक्षा और एकजुटता के माध्यम से ही देश को मजबूत बनाया जा सकता है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता संयोजक समदर्शी वेद जोसफ, विकास चंडालिया, काली आदिवाल, कमल सिद्धू, ओमपाल चावर, जसबीर टांक, ओमप्रकाश सैनी, राजेश कालिया, कृष्ण चड्ढा, ज्योति पुहाल, सुरेश बेनीवाल और आशीष मोहाली ने की। महिला प्रतिनिधियों में ज्योति हंस, रानी, सोनिया अटवाल, ललिता पारचा और चंदा ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई। इसके अलावा शिवकुमार बिड़ला और मुकेश सिरसवाल भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। आयोजकों ने बताया कि भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि नई पीढ़ी को संविधान, लोकतंत्र और बाबा साहेब के संघर्षों से अवगत कराया जा सके।

माय भारत चंडीगढ़ द्वारा भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती का आयोजन

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

माय भारत चंडीगढ़, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत, युवा स्तंभ यूथ क्लब के सहयोग से, बापू धाम कॉलोनी, सेक्टर 26, चंडीगढ़ में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के उपलक्ष्य में एक स्मरणीय कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

यह कार्यक्रम देशभर में मनाई जा रही अंबेडकर जयंती के अंतर्गत आयोजित किया गया। इस अवसर पर लगभग 110 युवाओं एवं स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण बाबासाहेब डॉ. बी.आर. अंबेडकर के जीवन एवं उनके विचारों पर आधारित एक संगोष्ठी रही, जिसमें उनके सामाजिक न्याय, समानता एवं भारतीय संविधान में योगदान पर प्रकाश डाला गया।

युवाओं में रचनात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करने हेतु एक पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें समानता, सशक्तिकरण एवं संवैधानिक मूल्यों से संबंधित विषयों को प्रस्तुत किया गया। प्रतिभागियों ने एक शपथ दीवार पर हस्ताक्षर कर डॉ. अंबेडकर के सिद्धांतों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प भी लिया।

कार्यक्रम का समापन श्रमदान (स्वच्छता अभियान) के साथ किया गया, जिसने सामुदायिक सेवा एवं नागरिक जिम्मेदारी की भावना को सुदृढ़ किया। इस कार्यक्रम का संचालन श्री मोहन राजपूत, माय भारत स्वयंसेवक, तथा श्री उपेंद्र मौर्य, संस्थापक, युवा स्तंभ यूथ क्लब के मार्गदर्शन में किया गया, जिनके सहयोग से सभी गतिविधियाँ सफलतापूर्वक संपन्न हुईं।

यह पहल युवाओं में बाबासाहेब की अमूल्य विरासत के प्रति जागरूकता बढ़ाने में सफल रही तथा उन्हें एक समावेशी एवं समानतापूर्ण समाज के निर्माण में योगदान देने हेतु प्रेरित किया।

इग्नू क्षेत्रीय केंद्र चंडीगढ़ ने डॉ. भीमराव अंबेडकर को पुष्पांजलि अर्पित की

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के क्षेत्रीय केंद्र, चंडीगढ़ के कर्मचारियों ने डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर उन्हें भावभीनी पुष्पांजलि अर्पित की।

इग्नू क्षेत्रीय केंद्र चंडीगढ़ के वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक डॉ. भानु प्रताप सिंह ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ भारतीय संविधान के जनक डॉ. अंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित करने के साथ हुआ। इसके बाद एक संक्षिप्त भाषण दिया गया जिसमें सामाजिक न्याय, समानता और राष्ट्र निर्माण में उनके अमूल्य योगदान पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने आधुनिक भारत को आकार देने में डॉ. अंबेडकर की भूमिका और समाज के हाशिए पर पड़े वर्गों के बीच शिक्षा और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने में उनकी अमिट विरासत पर बल दिया।

वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक, क्षेत्रीय केंद्र के अधिकारियों और कर्मचारियों सहित, अत्यंत श्रद्धा और सम्मान के साथ समारोह में शामिल हुए। उन्होंने अपने पेशेवर और व्यक्तिगत जीवन में डॉ. अंबेडकर द्वारा प्रतिपादित आदर्शों और सिद्धांतों को कायम रखने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

संक्षिप्त-समाचार

बाबा साहेब की जयंती पर आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में लगभग 300 लोगों के स्वास्थ्य की जांच की

चंडीगढ़। बापूधाम कॉलोनी, सेक्टर 26 में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती बड़े धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर युवा सत्ता रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन, सेक्टर 26, बापूधाम कॉलोनी तथा बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर समिति, सेक्टर 26, चंडीगढ़, स्टेट एड्स कंट्रोल सोसाइटी एवं ट्रिनिटी हॉस्पिटल एंड मेडिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट, जीरकपुर के सहयोग से बापूधाम कॉलोनी स्थित श्री शीतला माता मंदिर में एक निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 300 लोगों के स्वास्थ्य की जांच की गई एवं उन्हें निःशुल्क दवाइयां भी वितरित की गईं। इसके उपरांत केक काटकर बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर प्रमुख रूप से डॉ. कमला कौशल, निदेशक ट्रिनिटी हॉस्पिटल एंड मेडिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट, जीरकपुर उपस्थित रहीं। स्वास्थ्य जांच शिविर में डॉ. निकिता चंदेल के नेतृत्व में चिकित्सकों की टीम ने मरीजों की जांच कर उन्हें स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक जानकारी एवं परामर्श दिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सेक्टर 26 के थाना अध्यक्ष श्री रामरतन शर्मा उपस्थित रहे। श्री रामरतन शर्मा ने बाबा साहेब भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर को संविधान निमार्ता, महान समाज सुधारक और न्याय का प्रतीक बताया और कहा कि उनके विचार आज भी हमें एक मजबूत और समृद्ध समाज बनाने की प्रेरणा देते हैं। आइए, हम उनके बताए हुए रास्ते पर चलकर एक शिक्षित, संगठित और सशक्त समाज का निर्माण करें। उन्होंने युवा सत्ता वेलफेयर रेजिडेंट्स एसोसिएशन जैसी संस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे लोग समाज से बुराइयों को दूर कर रहे हैं, महिलाओं के सशक्तिकरण, कल्याण और युवाओं को नशे से दूर रखने जैसे उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नशा पहले ही कई परिवारों को बर्बाद कर चुका है और अनेक युवा इसकी चपेट में आ चुके हैं। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने तथा बाबा साहेब के बताए हुए रास्ते पर चलने का आह्वान किया।

मनीमाजरा की तीनों कॉलोनियों ने मिलकर निकाली भव्य भीम संदेश यात्रा

मनीमाजरा। मनीमाजरा की तीनों मुख्य कॉलोनियों के साझा प्रयास से आज भीम संदेश यात्रा का भव्य आयोजन किया गया। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों और उनके द्वारा दिखाए गए सामाजिक समरसता के मार्ग को जन-जन तक पहुँचाना रहा। यात्रा में मुख्य रूप से राजबीर सिंह भारतीय, श्याम सुंदर, सुभाष धीमान, मनोनीत पार्षद गीता चौहान, साहिल चांवर, बलबीर सिंह भूम्भक, मास्टर अमर नाथ, सुनील पारखी, कमल मौर्या, सुरेन्द्र सिंह एवं सतबीर सिंह (प्रधान) उपस्थित रहे। यात्रा के दौरान सैकड़ों की संख्या में महिलाओं और पुरुषों ने भाग लिया, जिससे बाबा साहेब के प्रति लोगों की अटूट श्रद्धा देखने को मिली। उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि बाबा साहेब के संदेश आज भी प्रासंगिक हैं और यह यात्रा समाज को एकजुट करने की एक सकारात्मक पहल है। पूरी यात्रा के दौरान लोग बाबा साहेब के जयघोष लगाते रहे और कॉलोनी वासियों ने जगह-जगह यात्रा का भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर राजबीर सिंह भारतीय और मनोनीत पार्षद गीता चौहान ने संबोधित करते हुए कहा कि ऐसी यात्राओं के माध्यम से युवा पीढ़ी को अपने गौरवशाली इतिहास और संवैधानिक अधिकारों के प्रति जागरूक करने का अवसर मिलता है।

पंजाब के जल अधिकारों की रक्षा की जाए: सांसद साहनी

चंडीगढ़। राज्यसभा सांसद डॉ. विक्रमजीत सिंह साहनी ने भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) नियम, 1974 में हाल ही में किए गए संशोधन पर गहरी चिंता व्यक्त की है, जिसके तहत शीर्ष पदों को पंजाब और हरियाणा के बाहर के उम्मीदवारों के लिए खोल दिया गया है। डॉ. साहनी ने कहा कि यह कदम दशकों से चली आ रही परंपराओं को समाप्त करता है और सहभागी राज्यों के सुनिश्चित प्रतिनिधित्व को कमजोर कर संघीय भावना को आघात पहुंचाता है, जिसे अब केवल एक औपचारिक प्राथमिकता तक सीमित कर दिया गया है। उन्होंने उल्लेख किया कि दशकों पुरानी और स्थापित परंपरा के अनुसार, सदस्य (पावर) का पद परंपरागत रूप से पंजाब के पास रहा है, जबकि सदस्य (सिंचाई) हरियाणा का प्रतिनिधित्व करता रहा है–जिससे बीबीएमबी के कार्य में संतुलन और न्यायसंगत व्यवस्था बनी रहती थी। डॉ. साहनी ने याद दिलाया कि उन्होंने वर्ष 2022 में भी ऐसे ही एक संशोधन का कड़ा विरोध किया था, जिसमें पहली बार पूरे देश से नियुक्तियों की अनुमति दी गई थी और स्थापित परंपराओं को दरकिनार किया गया था। उन्होंने जोर देकर कहा कि बीबीएमबी एक संवेदनशील अंतर-राज्यीय निकाय है, जो सतलुज, ब्यास और रावी नदियों के जल प्रबंधन से जुड़ा है, और इसमें तटीय (रिपेरियन) राज्यों की भूमिका को कमजोर करना सहकारी संघवाद को प्रभावित करता है तथा जल बंटवारे के मौजूदा संतुलन को बिगाड़ने का खतरा पैदा करता है।

सीएससीए ने रामगढ़िया सभा व डब्ल्यूसीडब्ल्यूएफ के सहयोग से मनाई बैसाखी और खालसा साजना दिवस

चंडीगढ़। रामगढ़िया भवन, चण्डीगढ़ में बैसाखी और खालसा साजना दिवस का पावन पर्व बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य व्यक्तियों, शुभचिंतकों वरिष्ठ नागरिकों एवं बच्चों ने भाग लिया। यह कार्यक्रम रामगढ़िया सभा, चण्डीगढ़, चण्डीगढ़ सीनियर सिटीजन एसोसिएशन (सीएससीए) और वूमेन एवं चाइल्ड वेलफेयर फाउंडेशन (डब्ल्यूसीडब्ल्यूएफ) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर स्थानीय सांसद मनीष तिवारी और नामी बिजनेसमैन तथा सरबत दा भला ट्रस्ट के चेयरमैन एवं समाजसेवी डॉ. एसपी ओबरॉय उपस्थित रहे। उन्होंने आयोजकों के सांस्कृतिक परंपराओं को संजोने और समाज सेवा के प्रयासों की सराहना की। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में चंडीगढ़ वरिष्ठ नागरिक एसोसिएशन के चेयरमेन डॉक्टर बी.सी.गुप्ता (भूतपूर्व आईएएस अधिकारी), सीएससीए के प्रधान सुभाष अग्रवाल तथा महिला एवं बाल कल्याण फाउंडेशन के महासचिव कमलजीत सिंह उपस्थित थे। कार्यक्रम में बैसाखी को फसल उत्सव के रूप में और खालसा पंथ के जन्म के रूप में मनाया गया। स्कूली बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों और पारंपरिक संगीत ने माहौल को जीवंत बना दिया। इस अवसर पर वरिष्ठ नागरिकों द्वारा भी गीत एवं नृत्य प्रस्तुत किए गए।

बैसाखी पर सेक्टर-46 को मिला तोहफा, सांसद मनीष तिवारी ने नेबरहुड पार्क का किया लोकार्पण

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

बैसाखी के अवसर पर चंडीगढ़ के सांसद मनीष तिवारी ने सेक्टर-46 सी स्थित नेबरहुड पार्क के नवीनीकरण कार्य का उद्घाटन कर क्षेत्रवासियों को खास तोहफा दिया। पार्क के विकसित स्वरूप को देखकर स्थानीय लोगों में उत्साह का माहौल देखने को मिला।

नवीनीकरण के तहत पार्क में बच्चों के लिए आधुनिक झूले लगाए गए हैं, जिससे उन्हें सुरक्षित और बेहतर खेल का स्थान मिला है। इसके अलावा, सुबह-शाम टहलने वालों के लिए एक सुव्यवस्थित वॉकिंग ट्रैक भी तैयार किया गया है, जो लंबे समय से क्षेत्रवासियों की प्रमुख मांग थी।

इस मौके पर सांसद मनीष तिवारी ने कहा कि शहर के प्रत्येक क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि इस पार्क का नवीनीकरण सांसद निधि (एमपी लैंड फंड) से कराया गया है, ताकि नागरिकों को बेहतर सार्वजनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें और बच्चों के लिए सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित हो सके।

पूर्व पार्षद जितेंद्र भाटिया ने इस पहल को जनहित में सराहनीय बताते हुए सांसद का आभार जताया। उन्होंने क्षेत्रवासियों से पार्क की देखभाल और स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग की अपील की।

एरिया पार्षद गुरप्रीत सिंह गाबी ने अपने वार्ड फंड से पार्क में बुजुर्गों के बैठने के लिए हट बनाने की घोषणा की, जिससे वरिष्ठ नागरिकों को अतिरिक्त सुविधा मिल सकेगी। पार्क में लगाए गए नए झूलों को लेकर बच्चों में विशेष उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सांसद के प्रति आभार व्यक्त किया और खुशी जताई कि अब उन्हें खेलने के लिए एक सुरक्षित और बेहतर स्थान मिल गया है।

इस मौके पर एरिया पार्षद गुरप्रीत सिंह गाबी, चंडीगढ़ टेरिटोरियल कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एच.एस. लक्की, मार्केट वेलफेयर एसोसिएशन सेक्टर-46 के प्रधान बलविंदर सिंह उत्तम, श्री सनातन धर्म मंदिर सेक्टर-46 के महासचिव सुशील सोवत, एचआईजी हाउसिंग रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन के प्रधान सुशील कपूर व हेमराज शर्मा, गुरुद्वारा श्री सिंह सभा सेक्टर-46 के प्रधान कुलदीप सिंह, श्री सनातन धर्म दशहरा समिति सेक्टर-46 के प्रधान नरेंद्र भाटिया, पूर्व पार्षद जितेंद्र भाटिया सहित क्षेत्र के गणमान्य लोग और बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी उपस्थित रहे।

नगर निगम पंचकूला चुनाव 10 मई को; नामांकन प्रक्रिया 21 अप्रैल से शुरू

सिटी दर्पण संवादादात
पंचकूला

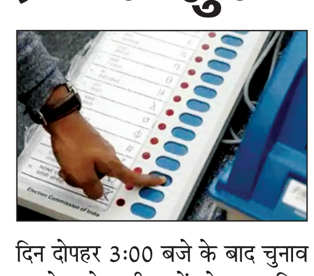

हरियाणा राज्य चुनाव आयोग ने नगर निगम पंचकूला के मेयर तथा सभी वार्डों के सदस्यों के पदों के लिए आम चुनाव का कार्यक्रम घोषित कर दिया है।

रिटर्निंग ऑफिसर-सह-एस्टेट ऑफिसर, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी), श्री सुरेंद्र लाठर ने बताया कि नामांकन पत्र 21 अप्रैल से 25 अप्रैल, 2026 तक प्रतिदिन सुबह 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक जमा किए जा सकते हैं। नामांकन पत्रों की जांच 27 अप्रैल को सुबह 11:30 बजे से शुरू होगी।

उन्होंने आगे बताया कि उम्मीदवारी वापस लेने की अंतिम तिथि 28 अप्रैल, 2026 है, जो सुबह 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक निर्धारित है। उसी दिन दोपहर 3:00 बजे के बाद चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों को चुनाव चिह्न आवंटित किए जाएंगे। साथ ही, उम्मीदवारों तथा मतदान केंद्रों की सूची भी 28 अप्रैल को प्रकाशित की जाएगी।

मतदान 10 मई, 2026 को सुबह 8:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक होगा। यदि आवश्यक हुआ तो पुनर्मतदान 12 मई, 2026 को कराया जाएगा। मतों की गिनती 13 मई, 2026 को सुबह 8:00 बजे से उपायुक्त द्वारा निर्धारित स्थान पर शुरू होगी। गिनती पूर्ण होते ही परिणाम घोषित कर दिए जाएंगे।

जनगणना 2027 को लेकर चंडीगढ़ के अधिकारियों के साथ जनगणना संचालन निदेशक से बैठक

जनगणना के आंकड़े विकास तथा संसाधानों के आवंटन के लिए अहम: डॉ. नवजोत खोसा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

आगामी जनगणना 2027 के संबंध में एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई, जिसमें डॉ. नवजोत खोसा, आईएएस, निदेशक, जनगणना संचालन, यूटी चंडीगढ़ तथा श्री निशांत कुमार यादव, आईएएस, उपायुक्त सह प्रधान जनगणना अधिकारी, यूटी चंडीगढ़ ने मीडिया को विशेष रूप से प्रथम चरण–हाउस लिस्टिंग एवं हाउसिंग जनगणना की जानकारी दी।

भारत की जनगणना, जो कि जनगणना अधिनियम, 1948 तथा जनगणना नियम, 1990 के अंतर्गत संचालित एक केंद्रीय विषय है, विश्व के सबसे बड़े प्रशासनिक अभ्यासों में से एक है। जनगणना 2027 देश की 16वीं तथा स्वतंत्रता के बाद 8वीं जनगणना होगी। पिछली जनगणना वर्ष 2011 में आयोजित हुई थी, जबकि 2021 की जनगणना कोविड-19 महामारी के कारण स्थगित कर दी गई थी।

इस अवसर पर बताया गया कि जनगणना के आंकड़े कल्याणकारी योजनाओं के निर्माण, नीतिगत निर्णय, आधारभूत संरचना विकास तथा संसाधनों के आवंटन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। इसके अतिरिक्त, यह निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन तथा अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

जनगणना 2027 को यूटी चंडीगढ़ में दो चरणों में आयोजित किया जाएगा। प्रथम चरण, हाउस लिस्टिंग एवं हाउसिंग जनगणना के अंतर्गत स्व-गणना (री'ा-एल्ल४ीं१ं३ङ्गल्ल) की अवधि 16.04.2026 से 30.04.2026 तक तथा घर-घर गणना 01.05.2026 से 30.05.2026 तक होगी। द्वितीय चरण, जनसंख्या गणना फरवरी 2027 में (हिमाच्छादित क्षेत्रों के लिए सितंबर 2026 में) आयोजित किया जाएगा। प्रथम चरण में आवास की स्थिति, उपलब्ध सुविधाओं एवं संपत्तियों से संबंधित जानकारी एकत्रित की जाएगी, जो द्वितीय चरण के लिए आधार का कार्य करेगी।

जनगणना 2027 की प्रमुख विशेषताओं में पहली बार मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से डिजिटल जनगणना, ऑनलाइन पोर्टल के जरिए स्व-गणना की सुविधा, जनगणना प्रबंधन एवं निगरानी प्रणाली (उटटर) के माध्यम से रियल-टाइम मॉनिटरिंग तथा वेब-आधारित मैपिंग द्वारा हाउस लिस्टिंग ब्लॉक्स (लछइ२) का निर्माण शामिल है। नागरिक निर्धारित अवधि के दौरान आधिकारिक पोर्टल पर जाकर स्व-गणना कर सकते हैं। जानकारी सबमिट करने के बाद एक यूनिक एए आईडी जनरेट होगी, जिसे फील्ड सत्यापन के दौरान गणनाकर्ता को प्रदान करना होगा।

प्रशासनिक व्यवस्थाओं के अंतर्गत यूटी चंडीगढ़ में कुल 2045 हाउस लिस्टिंग ब्लॉक्स बनाए गए हैं। इसके लिए 2250 गणनाकर्ता तथा 375 पर्यवेक्षक (रिजर्व सहित) नियुक्त किए गए हैं। उपायुक्त, यूटी चंडीगढ़ को प्रधान जनगणना अधिकारी नामित किया गया है। जनगणना से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं, जबकि गणनाकर्ताओं एवं पर्यवेक्षकों के लिए 16.04.2026 से 29.04.2026 तक प्रशिक्षण निर्धारित है।

मीडिया से आग्रह किया गया कि वह जनजागरूकता फैलाने, नागरिकों को सहभागिता के लिए प्रेरित करने तथा विशेष रूप से डिजिटल जनगणना एवं डेटा गोपनीयता से संबंधित भ्रांतियों को दूर करने में सक्रिय भूमिका निभाए। जनसाधारण से अपील की गई कि वे जनगणना प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी करें, सही एवं सटीक जानकारी प्रदान करें तथा गणनाकर्ताओं को पूर्ण सहयोग दें। यह भी स्पष्ट किया गया कि एकत्रित सभी जानकारी पूर्णतः गोपनीय रखी जाएगी और केवल सांख्यिकीय उद्देश्यों के लिए उपयोग में लाई जाएगी। यह रेखांकित किया गया कि जनगणना केवल आंकड़ों का संकलन नहीं, बल्कि राष्ट्रीय योजना एवं विकास की मजबूत आधारशिला है।

जनगणना 2027 से संबंधित जानकारी, शिकायतों के पंजीकरण एवं सहायता के लिए 16.04.2026 से यूटी चंडीगढ़ में एक राष्ट्रीय टोल-फ्री नंबर (1855) भी संचालित किया जाएगा, जहां नागरिक हेल्पडेस्क अधिकारी से भी संपर्क कर सकेंगे। इस अवसर पर श्री अमनदीप सिंह भट्टी, अतिरिक्त उपायुक्त, यूटी चंडीगढ़; श्री राजीव तिवारी, निदेशक जनसंपर्क तथा चंडीगढ़ प्रशासन एवं जनगणना कार्यालय के अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।